Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

पायनियर

Established 1865
रायपुर, लखनऊ और नई दिल्ली से प्रकाशित
www.dailypioneer.com

RNI NO. CHHHIN/2016/70655
वर्ष-09, अंक-202
रायपुर, शुक्रवार 14 मार्च 2025
पृष्ठ-12, मूल्य ₹ 3.00

रंगों के महापर्व होली की शुभकामनाएं एवं बधाई

रंगों के महापर्व पर पायनियर परिवार की ओर से समस्त पाठकों, एजेंटों, संवाददाताओं, विज्ञापनदाताओं को होली की हार्दिक रंगारंग शुभकामनाएं। आपका जीवन रंगों की तरह हमेशा खिलता और महकता रहे।

–संपादक

अवकाश की सूचना

होली के पावन अवसर पर राष्ट्रीय समाचार पत्र पायनियर में शुक्रवार एवं शनिवार (14-15) को अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक आपको 17 मार्च को प्राप्त होगा।

–संपादक

प्रेम, सौहार्द और भाईचारे के रंग सबसे अनमोल, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों को होली की दी शुभकामनाएं

पायनियर संवाददाता ᐸ रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को रंगों और उल्लास के महापर्व होली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने इस पावन अवसर पर सभी नागरिकों के जीवन में सुख, समृद्धि, आनंद और परस्पर प्रेम की कामना की है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि होली केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि यह हमारे जीवन में नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार करने वाला पर्व है। यह त्यौहार हमें सिखाता है कि जीवन में प्रेम, सौहार्द और भाईचारे के रंग सबसे अनमोल हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि होली का त्यौहार सदियों से भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न अंग रहा है, जहां भेदभाव मिट जाते हैं, और लोग आपसी स्नेह, उल्लास और उमंग के रंगों में घुल-मिल जाते हैं। यह पर्व हमें बुराई पर अच्छाई की विजय, प्रेम की जीत और समाज में सौहार्द्र को और मजबूत करने का संदेश देता है। मुख्यमंत्री साय ने सभी प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि हम सभी होली के पावन पर्व को प्रेम, सौहार्द और आनंद के साथ मनाएं, एक-दूसरे के जीवन में खुशियों के रंग भरें और छत्तीसगढ़ की समरसता और एकता को और अधिक सशक्त बनाएं।

राज्यपाल डेका को मुख्यमंत्री साय ने दी होली की शुभकामनाएं

होली के अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका से राजभवन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भेंट कर होली की शुभकामनाएं दीं और राज्य हित से जुड़े विषयों पर चर्चा की। डेका ने भी उन्हें होली की शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल डेका को मुख्यमंत्री साय ने राजकीय गमछा पहनाकर सम्मानित किया।

राज्यपाल रमेन डेका ने प्रदेशवासियों को होली पर्व की दी शुभकामनाएं

रंगों के पर्व होली के अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका ने प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने इस पावन अवसर पर सभी नागरिकों के जीवन में सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की है। उन्होंने कहा कि होली रंगों का त्यौहार है, यह लोगों के जीवन में उल्लास का रंग भर देता है और खुशहाली लाता है। यह त्यौहार, सांस्कृतिक एकता को मजबूती प्रदान करने तथा समाज में भाई-चारे एवं समरसता की भावना को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि रंगों के इस पर्व को लोग आपस में मिल-जुल कर मनाएं।

अफगानिस्तान में अचानक आई बाढ़ से 80 लोगों की मौत और 100 से ज्यादा घायल

वार्ता ᐸ काबुल
www.dailypioneer.com

पिछले महीने अफगानिस्तान के कई हिस्सों में भारी बारिश, बर्फबारी और अचानक आई बाढ़ के कारण कम से कम 80 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है और 100 से ज़्यादा लोग घायल हुए हैं। यह जानकारी एक स्थानीय मीडिया आउटलेट ने दी। 'टोलोन्यूज़' ने राष्ट्रीय आपदा प्राधिकरण के प्रवक्ता मुल्ला जनन सैक के हवाले से बताया कि प्रांतीय विभागों की रिपोर्ट से पता चलता है कि पिछले महीने देश भर में प्राकृतिक आपदा की घटनाओं के कारण 80 लोगों की जान चली गई और 100 से ज़्यादा लोग घायल हो गए। सैक के अनुसार, प्राकृतिक आपदाओं के कारण काफी संपत्ति का नुकसान भी हुआ, क्योंकि 1,800 से ज़्यादा रिहायशी घर पूरी तरह या आंशिक रूप से बर्बाद हो गए और तीन एकड़ कृषि भूमि बह गयी। हाल के महीने में भारी बारिश, बर्फबारी और अचानक आई बाढ़ ने अफगानिस्तान के ज़्यादातर हिस्सों, ख़ास तौर पर पश्चिमी प्रांतों को प्रभावित किया है।

क्विक न्यूज़

बिरला कोटा में श्री बांके बिहारी संकीर्तन परिक्रमा की शोभा यात्रा में हुए शामिल

कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला बांके बिहारी संकीर्तन परिक्रमा के अवसर पर निकली भव्य शोभा यात्रा में शामिल हुए। इस अवसर पर राज्य के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने बड़ी संख्या में आये श्रद्धालुओं को संबोधित किया और उन्होंने होली की शुभकामनाएं दी और उन्होंने बांके बिहारी का आशीर्वाद सब पर बना रहने की मंगलकामना की। शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के उमड़ने से माहौल भक्ति मय बन गया।

धार जिले में सड़क हादसे में आठ की मौत, दो अन्य घायल

धार। मध्यप्रदेश के धार जिले के बदनावर उज्जैन मार्ग पर एक टैंकर ने कार और पिकअप वाहन को टक्कर मार दी, जिसके चलते आठ यात्रियों की मृत्यु हो गयी और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार हुए हादसे में तीन यात्रियों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सात यात्रियों को इलाज के लिए बदनावर के अस्पताल में ले जाया गया। इलाज के दौरान आज सुबह तक पांच और यात्रियों ने दम तोड़ दिया। मृतकों की संख्या बढ़कर आठ हो गयी। दो अन्य घायलों का इलाज जारी है। सूत्रों ने कहा कि तेज रफ्तार टैंकर ने गलत दिशा से जाकर एक कार और एक पिकॉअप वाहन को अपनी चपेट में ले लिया।

नारायणपुर में बाल-बाल बचे जवान प्रेशर कुकर बम बरामद किया गया

पायनियर संवाददाता ᐸ नारायणपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ के नारायणपुर में अमदई खदान निकों कंपनी के डंप एरिया में पांच किग्रा से अधिक वजन का प्रेशर कुकर से बना देशी विस्फोटक उपकरण (आईईडी) बरामद किया गया है और उसे सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय भी कर दिया है। पुलिस अधीक्षक नारायणपुर प्रभात कुमार ने बताया कि माओवादियों द्वारा आईईडी विस्फोट की घटनाओं से हो रही नुकसान को देखते हुए क्षेत्र में आईईडी खोजने के लिए बम विरोधी दस्ता की टीम को अगल-अलग क्षेत्रों में भेजा जा रहा है और नक्सलियों के द्वारा लगाये गये आईईडी को बरामद कर निष्क्रिय किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अमदई निको कम्पनी डम्प एरिया की ओर अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस अभिषेक केसरी) छोटेडोंगर के साथ जिला पुलिस बल एवं बम विरोधी दस्ता की संयुक्त टीम तलाशी अभियान पर रवाना हुए थे। सुरक्षा बलों द्वारा अमदई निको कम्पनी के डम्प एरिया आसपास क्षेत्र के तलाशी के दौरान एक प्रेशर कुकर बम मिला जिसमें पांच किग्रा से अधिक विस्फोटक रखा हुआ था। माओवादियों द्वारा लगाये गये आईईडी से सुरक्षा बल बाल-बाल बचे, जिसे सुरक्षात्मक मानकों का पालन करते हुए निष्क्रिय किया गया।

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु के छत्तीसगढ़ प्रवास की तैयारी जोरों पर

पायनियर संवाददाता ᐸ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ विधानसभा के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर भारत की राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु के छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने मंत्रालय महानदी भवन में उच्च स्तरीय बैठक ली। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस बैठक में मुख्य सचिव ने सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

एयरटेल-जिओ से स्टारलिंक की साझेदारी से जुड़ा है राष्ट्रीय सुरक्षा का सवाल : कांग्रेस

पायनियर संवाददाता ᐸ नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

कांग्रेस ने कहा है कि दूर संचार सेवा प्रदाता एयरटेल तथा जिओ के साथ अमेरिकी कंपनी स्टारलिंक की साझेदारी का समझौता 12 घंटे के भीतर सुलझा है और इसमे देश की सुरक्षा का सवाल भी शामिल है इसलिए इससे जुड़ी चिंता का समाधान आवश्यक है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने एक बयान में कहा सिर्फ 12 घंटे के भीतर एयरटेल और जियो ने स्टारलिंक के साथ साझेदारी की घोषणा की है, ऐसा लगता है कि भारत में इसके प्रवेश पर उनकी सभी आपत्तियों पर सहमति बनने के बाद यह सब हुआ है। अपनी आपत्तियों को लेकर स्टारलिंक काफी समय से आवाज़ उठा रहा था।

उन्होंने कहा यह पूरी तरह से स्पष्ट है कि इन साझेदारियों को किसी और ने नहीं बल्कि खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्टारलिंक के मालिक एलन मस्क के माध्यम से राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ सद्भाव बनाये रखने के लिए सबको तैयार किया है लेकिन कई सवाल बने हुए हैं। शायद सबसे महत्वपूर्ण सवाल राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है। राष्ट्रीय सुरक्षा की मांग होने पर कनेक्टिविटी को चालू या बंद करने का अधिकार किसके पास होगा। क्या यह स्टारलिंक होगा या इसके भारतीय साझेदार। क्या अन्य उपग्रह-आधारित कनेक्टिविटी प्रदाताओं को भी अनुमति दी जाएगी और किस आधार पर। कांग्रेस नेता ने कहा कि इन सब स्थितियो में ज़ाहिर है, भारत में टेस्ला के निर्माण का बहुत बड़ा सवाल बना हुआ है। क्या अब इसके लिए कोई प्रतिबद्धता है क्योंकि स्टारलिंक के भारत में प्रवेश की सुविधा मिल गई है।

योगी ने होलिकोत्सव पर विशेष सुरक्षा बरतने का दिया निर्देश

पायनियर संवाददाता ◄ वाराणसी
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने होली के पर्व पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिये हैं। उन्होने होलिका दहन वाले स्थलों, होलिकोत्सव, शोभा यात्रा की सुरक्षा के प्रति विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने शहर में बेहतर ट्रैफिक मैनजमेंट, क्राउड मैनेजमेंट के साथ ही आमजन, श्रद्धालुओं, दर्शनार्थियों के साथ पुलिस प्रशासन के कार्मिकों द्वारा अच्छा व्यवहार किए जाने पर विशेष जोर दिया। योगी ने बुधवार को सर्किट हाउस में विकास कार्यों व कानून व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने विकास/निर्माण परियोजनाओं को युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर पूर्ण कराए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को अपनी विभागीय परियोजनाओं की बराबर मॉनिटरिंग का निर्देश देते हुए कहा कि विकास परियोजनाओं में लेटलतीफी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। होली पर्व को उन्होंने सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाये जाने पर विशेष जोर दिया। मुख्यमंत्री ने धर्म स्थलों से लाउडस्पीकर के आवाज पर स्थाई नियंत्रण की कार्यवाही सुनिश्चित कराने तथा डीजे आदि के भी तेज ध्वनि को सख्ती के साथ रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने सुरक्षा के दृष्टिगत शहर के प्रमुख स्थलों के साथ ही बैंक-वित्तीय संस्थाओं, दुकानों, प्रतिष्ठानों में अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने के लिए प्रेरित करने का और गौ तस्करों पर पैनी नजर रखने का निर्देश दिया। इसकी जवाबदेही तय करने पर भी मुख्यमंत्री का जोर रहा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गौ तस्करी पर पूर्णतया प्रतिबंध है। इसमें जो भी संलिप्त पाया जाय, वह तस्कर हो, वाहन स्वामी या फिर पुलिस प्रशासन का ही व्यक्ति, उस पर कठोर कार्रवाई की जाय। मुख्यमंत्री ने एडीजी जोन पीयूष मोर्डिया को गौ-तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण के लिये जिलेवार समीक्षा करते हुए जिम्मेदारी तय करने को निर्देशित किया। उन्होंने राजस्व से संबंधित वादों के समयबद्ध निस्तारण पर जोर देते हुए कहा कि लंबे समय से एक ही पटल पर जमे एवं शिथिलता बरतने वाले कर्मियों को हटाया जाए। सीएम हेल्प लाइन और आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का मेरिट के आधार पर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होने कहा कि जनपद में गतिमान परियोजनाओं का गुणवत्ता के साथ समय सीमा के अंदर पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित कराया जाए। इसमें शिथिल कार्य करने वाली संस्थाओं की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने प्रत्येक निर्माणाधीन परियोजनाओं की मॉनिटरिंग के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने के साथ ही प्रत्येक सप्ताह जांच कराकर रिपोर्ट प्राप्त करने का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान कतिपय परियोजनाओं की प्रगति धीमी पाए जाने पर कार्य में अपेक्षित गति लाए जाने के लिये निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गर्मी के दृष्टिगत कही भी पेयजल की समस्या न आने पाए। मुख्यमंत्री ने महाकुंभ के आयोजन के दौरान जनपद में जिला प्रशासन द्वारा बेहतर व्यवस्था एवं सराहनीय कार्य किए जाने पर प्रशंसा की। उन्होंने फ्लाईओवर के पिलरों पर अच्छी पेंटिंग के साथ ही अच्छे विज्ञापन डिस्प्ले कराए जाने पर भी जोर दिया। ठेला, पटरी व्यवसायियों के लिए शहर में पर्याप्त वेंडिंग जोन बनाए जाने के साथ ही नगर निगम एवं विकास प्राधिकरण को समुचित स्थलों का चयन कर वहां वाहन पार्किंग बनाए जाने की कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होने सभी गेहूं क्रय केंद्रों पर किसानों के लिए सस्ते भोजन, निःशुल्क पेयजल, बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराए जाने का भी उन्होंने निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा गेहूँ खरीद के संबंध में बताया गया कि आगामी 17 मार्च से जिले के कुल 36 केंद्रों पर सरकारी रेट 2425 रुपये में गेहूं खरीदारी शुरू होगी। जनपद में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए हुए एमओयू के सापेक्ष अब तक निवेश की जानकारी लेते हुए इसमें प्रभावी ढंग से कार्यवाही का निर्देश दिया।

होली भारत की सनातन परम्परा का प्रमुख पर्व : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने होली के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अपने बधाई संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा होली भारत की सनातन परम्परा का प्रमुख पर्व है। सामाजिक समता, सौहार्द एवं उल्लास का प्रतीक यह पर्व सम्पूर्ण समाज एवं प्रदेशवासियों के लिए मंगलमय हो। उन्होंने कहा कि पर्व एवं त्योहारों की लम्बी श्रृंखला, भारत की प्राचीन गौरवशाली परम्परा का उदाहरण है। सनातन परम्परा में पर्व एवं त्योहार हर्षोल्लास एवं राष्ट्रीयता को दृढ़ता प्रदान करने का प्रेरणास्पद क्षण भी है। समाज और राष्ट्र में परिवर्तन की महत्वपूर्ण घटनाओं को हमारी ऋषि परम्परा ने पर्व एवं त्योहारों के रूप में धार्मिक मान्यता देकर अगली पीढ़ी को प्रेरणा एवं प्रकाश का आधार प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि होली का पर्व हमें अधर्म, असत्य एवं अन्याय जैसी नकारात्मक प्रवृत्तियों से लड़ने की प्रेरणा देता है। हमारे पर्व एवं त्योहारों में शोक और सन्ताप का कोई स्थान नहीं है, लेकिन हर्षोल्लास के प्रतीक इन पर्वो में जोश के साथ होश भी आवश्यक है। अपने पर्व एवं त्योहार की पवित्रता एवं मर्यादा हम सबको बनाये रखनी है। इस दृष्टि से कोई भी ऐसा कार्य न हो, जिससे पर्व एवं त्योहार की मर्यादा भंग होती हो। उन्होने प्रदेशवासियों को समरसता, सद्भाव एवं उल्लास के पर्व होली की अनन्त शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होली के पर्व को सौहार्दपूर्ण एवं गरिमामय ढंग से मनाएं।

राजस्थान के लिए कम से कम पांच और कंटेनर विनिर्माण इकाइयों को आकर्षित करने की जरुरत

वार्ता ◄ जयपुर
www.dailypioneer.com

राजस्थान में कंटेनर निर्माताओं के लिए केंद्र बनने के लिए आवश्यक विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा है और राज्य में कम से कम पांच और कंटेनर विनिर्माण इकाइयों को आकर्षित करने की जरुरत हैं ताकि 1.25 लाख लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार और 1.50 लाख से अधिक लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिल सके। एमएसएमई निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसी) द्वारा जारी राजस्थान में निवेश, वृद्धि और विकासः 2020-21 से 2023-24 पर अध्ययन के दूसरे संस्करण पर राजस्थान (भिवाड़ी) बेस यूनिट डायमंड ब्लू शिपिंग सॉल्यूशंस के निदेशक पंकज कुमार ने अपनी प्रतिक्रिया में यह बात कही। उन्होंने कहा कि पहले ही रीको के सहयोग से उत्पादन को बढ़ाकर आठ हजर से 10 हजार कंटेनर प्रति वर्ष कर दिया है। कंपनी अगले दो वर्षो में इसे बढ़ाकर 12 हजार कंटेनर करने की इच्छुक है। उन्होंने कहा कि हालांकि प्रमुख शिपिंग कंपनियां अपने पायलट ऑर्डर दे रही हैं लेकिन उत्पादन-लिंक्ड-इंसेंटिव (पीएलआई) का कार्यान्वयन न होने से सारी मेहनत बेकार हो रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में कंटेनर निर्माताओं के लिए केंद्र बनने के लिए आवश्यक विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा है और राज्य में कम से कम पांच और कंटेनर विनिर्माण इकाइयों को आकर्षित करना चाहिए। कुमार ने कहा कि कंटेनर उत्पादन बढ़ाकर, विनिर्माण लागत कम करके तथा लॉजिस्टिक्स में सुधार करके भारत वैश्विक व्यापार में अपनी स्थिति मजबूत कर सकता है, विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता कम कर सकता है तथा रणनीतिक रूप से स्थित अपने बंदरगाहों के माध्यम से माल का सुचारू परिवहन सुनिश्चित कर सकता है। भारत में कंटेनर विनिर्माण की स्थापित क्षमता लगभग एक लाख पांच हजार टीईयू (बीस फुट समतुल्य इकाई) है, हालांकि उत्पादन सुविधाओं में सीमाओं के कारण सक्रिय क्षमता काफी कम है। वर्तमान में भारत में लगभग 10 आईएसओ कंटेनर विनिर्माण कंपनियां हैं जो 60 हजार से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करती हैं और सूक्ष्म एवं लघु इकाइयों के साथ स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने में सहायक हैं। भारत के कंटेनर बाजार का आकार वर्ष 2030 तक 10.74 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है जो वर्ष 2025 से 2030 तक 2.7 प्रतिशत की सीएजीआर दर्ज करेगा। कंटेनरों की कमी और बढ़ती उपभोक्ता मांग के कारण कंटेनर जहाजों की मांग पहले से ही अभूतपूर्व है। परिणामस्वरूप भारत को ज्यादातर चीन से कंटेनर पट्टे पर लेने पड़ते हैं, जिससे लागत और बढ़ जाती है और भारत की अपने बंदरगाहों का पूर्ण उपयोग करने तथा भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे जैसी पहलों का लाभ उठाने की क्षमता सीमित हो जाती है, जो कंटेनर क्षमता में वृद्धि की धारणा के आसपास निर्मित हैं।

देहरादून में तेज रफ्तार ने सड़क किनारे चलते चार मजूदरों को कुचला, सभी की मौत

एजेंसी ◄ देहरादून
www.dailypioneer.com

उत्तराखंड के देहरादून में बुधवार रात एक तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे अपने घर जा रहे चार मजदूरों को कुचल दिया। मौके पर ही सभी की मृत्यु हो गई। मजदूरों की कुचलकर भागते कार चालक ने थोड़ी दूरी पर दोपहिया वाहन पर खड़े होकर बातचीत करते दो युवकों को भी टक्कर मार दी, जिससे वे भी घायल हो गए। हादसे के बाद कार सवार फरार हो गए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अजय सिंह ने बताया कि राजपुर क्षेत्र में रात करीब सवा आठ बजे राजपुर से सांई मंदिर के मध्य एक तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे जा रहे चार मजदूरों को कुचल दिया। जिससे चारों की मौके पर ही मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान अयोध्या के गांव लौटी सरैया के रहने वाले मंशा राम और रंजीत के रूप में हुई है। जबकि, दो मृतकों की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। ये सभी कांठ बंगला बस्ती में रह रहे थे। उन्होंने बताया कि वह सभी राज मिस्त्री का काम करते थे और अपना काम खत्म कर, अपने कमरे पर जा रहे थे। एसएसपी ने बताया कि कार ने मजदूरोंवको कुचलने के बाद, थोड़ी दूर पर ही सड़क किनारे एक दोपहिया वाहन पर बैठकर आपस में बात कर रहे हरदोई (उत्तर प्रदेश) के गांव अजीज पुर निवासी धनीराम और बिहार के रहने वाले मोहम्मद शाकिब को भी टक्कर मार दी। जिससे ये दोनों भायल हो गए हैं। उन्होंने बताया कि शहर के सभी बैरियरों पर उक्त कार की तलाश जारी है। साथ ही, सीसीटीवी भी खंगाले जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि कार चंडीगढ़ नंबर की बताई जा रही है।

होली पर हम सब लोग राष्ट्र रंग में रंग जाए : शेखावत

एजेंसी ◄ जोधपुर
www.dailypioneer.com

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने देशवासियों को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि रंगों के इस पर्व पर हम सब लोगों को राष्ट्र रंग में रंग जाना चाहिए। शेखावत अपने आवास पर पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि भारत पर्व, उत्साह और तीज-त्योहार का देश है। विविधताओं में भरे देश को एकता के सूत्र में बांधने का काम हमारे पर्व भी करते हैं। होली का त्योहार भी ऐसे ही प्रमुख पर्वों में से एक है। उन्होंने कहा कि होली का त्योहार और भी विशिष्ट इसलिए है क्योंकि यह विभिन्न रंगों के माध्यम से सामाजिक समरसता का संदेश देता है। सभी लोग गिले- शिकवे भुलाकर एक-दूसरे पर रंग डालकर एक रंग में रंगने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि इस होली पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प के साथ जुड़कर अमृतकाल में भारत को विकसित बनाने की दिशा में अपने आपको समर्पित करने के रंग से सराबोर होकर नई ऊर्जा के साथ में आगे बढ़ना चाहिए।

लोगों को उच्च ब्याज योजनाओं का शिकार नहीं बनना चाहिए : फडणवीस

एजेंसी ◄ मुंबई
www.dailypioneer.com

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधान परिषद में अपील की कि राज्य के लोगों को उच्च ब्याज देने का वादा करने वाली योजनाओं का शिकार नहीं बनना चाहिए। टोरेस घोटाले के संबंध में सदस्य शशिकांत शिंदे द्वारा उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि अत्यधिक ब्याज देने वाली 99 प्रतिशत योजनाएं धोखाधड़ी हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि इस तरह से कोई भी अधिक ब्याज नहीं दे सकता है। उन्होंने बताया कि बैंक ब्याज दर से दो से चार प्रतिशत अधिक ब्याज संभव है, लेकिन कोई भी उससे अधिक या अधिक ब्याज नहीं दे सकता है। फडणवीस ने कहा इसलिए उच्च ब्याज देने वाली ऐसी योजनाएं धोखाधड़ी हैं और जनता से इस लालच का शिकार न होने और ऐसी धोखाधड़ी वाली योजनाओं में निवेश न करने की अपील की। साथ ही एक प्रश्न का उत्तर देते हुए गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने कहा कि राज्य में निवेश और आर्थिक लेन-देन पर नजर रखने के लिए आर्थिक खुफिया इकाई की स्थापना की जा रही है। साथ ही, टोरेस घोटाले में ठगे गए निवेशकों का पैसा वापस दिलाने के लिए कानूनी प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई की जा रही है।

यादव ने दीं होलिका दहन पर्व की शुभकामनाएं

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सभी को होलिका दहन पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। डॉ यादव ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, "असत्य, अधर्म एवं अत्याचार पर भक्ति की जीत के प्रतीक पर्व होलिका दहन की आप सभी को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। आइए, इस पवित्र अग्नि में सभी नकारात्मतक तत्वों को समर्पित कर जीवन में मंगल और शुभता का वरदान मांगें।

कांग्रेस विधायकों ने कथित परिवहन घोटाले की जांच को लेकर किया प्रदर्शन

पायनियर संवाददाता ◄ भोपाल
www.dailypioneer.com

मध्यप्रदेश विधानसभा में कांग्रेस विधायकों ने राज्य के कथित परिवहन घोटाले की जांच की मांग को लेकर विधानसभा परिसर में प्रदर्शन किया। कांग्रेस विधायक हाथों में प्रतीकात्मक सोने की ईंट लेकर और कंकाल बने कपड़े पहनकर विधानसभा परिसर में पहुंचे और नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आरोप लगाते हुए कहा कि परिवहन घोटाला प्रदेश का नर्सिंग के बाद सबसे बड़ा घोटाला है और सरकार इसमें लीपापोती कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस घोटाले के चलते सरकार के एक मंत्री और एक पूर्व मंत्री ने हजारों करोड़ की संपत्ति बना ली है। सरकार इनकी जांच क्यों नहीं कराना चाहती। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इस घोटाले के नाम पर गिरफ्तार किया गया सौरभ शर्मा सिर्फ छोटी मछली है। खेतों में सोने की ईंटें निकल रही है और दूसरी ओर पूरा प्रदेश कर्ज के बोझ से कंगाल हो गया है। उन्होंने कहा कि जनता कंकाल की तरह होती जा रही है और घोटाले में लिप्त मंत्री और अधिकारी करोड़पति होते जा रहे है। सिंघार ने कहा कि इसकी जांच होनी चाहिए।

बंडी संजय कुमार ने फसल संकट को लेकर की तेलंगाना सरकार की आलोचना

एजेंसी ◄ हैदराबाद
www.dailypioneer.com

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने मौजूदा फसल संकट से निपटने में लापरवाही के लिए तेलंगाना राज्य सरकार की कड़ी आलोचना की, जिसके परिणामस्वरूप कृषि उपज को व्यापक नुकसान हुआ है। केंद्रीय मंत्री ने जारी एक बयान में आरोप लगाया कि राज्य भर में 56 लाख एकड़ में धान और सात लाख एकड़ में मक्का बोए जाने के बावजूद, सरकार द्वारा सही समय पर पानी नहीं छोड़े जाने के कारण लगभग 10 लाख एकड़ फसल सूख गयी है। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि अयाकट क्षेत्रों में सिंचित फसलें गंभीर रूप से प्रभावित हुई हैं, फिर भी प्रशासन द्वारा नुकसान को कम करने के लिए कोई ठोस उपाय नहीं किए गए हैं। कुमार ने बताया कि इस साल हुई भरपूर बारिश से जलाशय और तालाब भी भरा रहा है। परिणामस्वरूप, बरसात के मौसम में धान का उत्पादन 160 लाख मीट्रिक टन से अधिक की रिकॉर्ड पैदावार तक पहुंच गया। परिणामस्वरूप, यासंगी मौसम में धान और मक्का की खेती में वृद्धि हुई, साथ ही ज्वार, दलहन और तिलहन जैसी अन्य फसलों की भी खेती हुई। हालांकि, राज्य सरकार ने न तो बड़े पैमाने पर यासंगी फसल लगाने का विरोध किया और न ही कोई प्रभावी वैकल्पिक फसल योजना तैयार की। केंद्रीय मंत्री ने श्रीशैलम, नागार्जुन सागर, श्रीराम सागर, येलमपल्ली, एलएमडी और सिंगुर जैसे प्रमुख जलाशयों में 190 टीएमसी से अधिक पानी उपलब्ध होने के बावजूद जल संसाधनों का कुशलतापूर्वक प्रबंधन करने में विफल रहने के लिए तेलंगाना सरकार की आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि समय पर इस पानी को छोड़ने में सरकार की विफलता के कारण बड़े पैमाने पर फसलें बर्बाद हुई हैं। कुमार ने कहा, जिन किसानों ने प्रति एकड़ 30 हजार रुपये से अधिक का निवेश किया था, उन्हें अब भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि उनकी फसल कटाई से कुछ हफ्ते पहले ही सूख गई। उन्होंने किसानों के आंदोलन की अनदेखी करने और उनकी दलीलों का जवाब देने में विफल रहने के लिए सरकार की निंदा की। उन्होंने किसानों की दुर्दशा को स्वीकार न करने के लिए कृषि विभाग की आलोचना की तथा कहा कि कई किसानों को सूखे खेतों में मवेशी चराने या अपनी बर्बाद फसलों को जलाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में हथियार गोला-बारूद के साथ दो संदिग्ध गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के बांदीपोरा जिले में सुरक्षा बलों ने संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से हथियार, गोला-बारूद और अन्य सामाग्री बरामद किया। सेना ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि खुफिया जानकारी के आधार पर 12 मार्च को गंडबल-हाजिन रोड पर एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया था, जिसके दौरान दो संदिग्ध लोगों को एक पिस्तौल, एक पिस्तौल मैगजीन, दो हैंड ग्रेनेड, एक एके मैगजीन, गोला-बारूद और अन्य युद्ध सामग्री के साथ गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा आगे की जांच की जा रही है। सेना ने एक्स पर कहा कि ओपी गंडबल, बांदीपुरा 12 मार्च, 2025 को विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर, भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ श्रीनगर द्वारा गंडबल-हाजिन रोड, बांदीपुरा में एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया। तलाशी के दौरान, दो संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से एक पिस्तौल, एक पिस्तौल मैगजीन, दो हैंड ग्रेनेड, एक एके मैगजीन, गोला-बारूद और अन्य युद्ध सामग्री बरामद की गई। पुलिस द्वारा आगे की जांच की जा रही है।

नामची जिले में ग्याल्पो लोसार का भव्य उत्सव, मुख्यमंत्री तमांग हुए शामिल

एजेंसी ◄ गंगटोक
www.dailypioneer.com

सिक्किम के नामची जिले के पेरबिंग तार में राज्य स्तरीय ग्याल्पो लोसार महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस पारंपरिक पर्व का शेरपा समुदाय के लिए विशेष महत्व है, जो उनकी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित एवं प्रोत्साहित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। मुख्यमंत्री तमांग ने अपने संबोधन में कहा कि ग्याल्पो लोसार न केवल शेरपा समुदाय की सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है, बल्कि यह पूरे सिक्किम की सामाजिक एकता और भाईचारे को मजबूत करने वाला पर्व भी है। हमारी सरकार राज्य की सांस्कृतिक विविधता को सहेजने और सभी समुदायों की परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। ग्याल्पो लोसार उत्सव के दौरान पारंपरिक नृत्य एवं संगीत प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से शेरपा संस्कृति की जीवंत झलक पेश की। लोक संगीत और नृत्य ने इस पर्व को और अधिक आकर्षक बना दिया। मुख्यमंत्री तमांग सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने भी इन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद लिया और कलाकारों की सराहना की। इसके अलावा, शेरपा समाज के पारंपरिक व्यंजनों का भी विशेष आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय और आगंतुकों ने शेरपा खानपान का स्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने भी इन व्यंजनों का आनंद लेते हुए कहा कि शेरपा समुदाय का खानपान उनकी सांस्कृतिक पहचान को और अधिक समृद्ध बनाता है। समारोह में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने कहा कि ग्याल्पो लोसार जैसे उत्सव विभिन्न समुदायों को एकजुट करने और पारंपरिक विरासत को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्यमंत्री तमांग ने कहा कि सिक्किम सरकार राज्य की सांस्कृतिक विविधता को सहेजने और बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पारंपरिक त्योहारों को संरक्षण और बढ़ावा देने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शेरपा समुदाय को उनकी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने और भव्य आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि शेरपा समुदाय ने सदियों से अपनी संस्कृति, परंपराओं और विरासत को सहेज कर रखा है और यह पूरे राज्य के लिए गर्व की बात है। इस आयोजन ने सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त किया कि यह त्योहार आने वाले वर्षों में और अधिक भव्यता के साथ मनाया जाएगा। सिक्किम की सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक ग्याल्पो लोसार का यह भव्य उत्सव सिक्किम की सांस्कृतिक समृद्धि और सामाजिक सौहार्द्र का प्रतीक है, जो राज्य की बहुआयामी पहचान को और अधिक मजबूत करता है।

ग्रामीणों के साथ झड़प में पुलिसकर्मी की मौत

अररिया। बिहार में अररिया जिले के फुलकाहा थाना क्षेत्र में ग्रामीणों के साथ हुई झड़प में चोट लगने से एक पुलिसकर्मी की मौत हो गयी। फारबिसगंज के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि सूचना के आधार पर फुलकाहा थाना की पुलिस तड़के लक्ष्मीपुर गांव में गांजा तस्कर अनमोल यादव को पकड़ने के लिये गयी थी। इस दौरान ग्रामीणों और पुलिस के बीच झड़प हो गयी। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि झड़प के दौरान फुलकाहा थाना के सहायक अवर निरिक्षक राजीव कुमार मल्ल (50) गिरकर घायल हो गए। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी। शव को पोस्टमॉर्टम के लिये भेज दिया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

एनईपी भगवा नीति है, फासीवादी भाजपा के आगे नहीं झुकेंगे : स्टालिन

एजेंसी ◄ चेन्नई
www.dailypioneer.com

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एम के स्टालिन ने केंद्र की 'फासीवादी' भाजपा सरकार पर तीखा हमला करते हुए बुधवार को एनईपी को 'भगवा नीति' करार दिया और कहा कि द्रमुक भगवा पार्टी के आगे नहीं झुकेगी, चाहे इसके लिए हमें अपनी जान भी गंवानी पड़े। उपनगरीय तिरुवल्लूर में आयोजित द्रमुक की बैठक 'तमिलनाडु लड़ेगा, तमिलनाडु जीतेगा' को संबोधित करते हुए, जिसमें एनईपी के तहत तीन भाषा नीति के नाम पर हिंदी और संस्कृत को थोपने के प्रयासों, एनईपी को स्वीकार करने में विफल रहने के लिए एसएसए के तहत धन जारी करने से इनकार करने और जनसंख्या के आधार पर प्रस्तावित परिसीमन अभ्यास सहित विभिन्न मोर्चों पर केंद्र की निंदा की गई, जिससे राज्य में लोकसभा सीटों की संख्या कम हो सकती है। स्टालिन ने कहा कि द्रमुक पूरे देश को केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार का विरोध करने और उसके खिलाफ लड़ने के लिए लामबंद करेगी। एक दशक के अंतराल के बाद 2021 में द्रमुक के सत्ता में लौटने के बाद से राज्य में हुए तेजी से विकास को सूचीबद्ध करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कोई राज्य सरकार देश के बाकी राज्यों के लिए उदाहरण पेश कर रही है, तो केंद्र का कर्तव्य है कि वह उसके साथ खड़ा हो और उसका समर्थन करे।

बस्तर का कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान यूनेस्को की विश्व धरोहर की अस्थायी सूची में हुआ शामिल

सीएम ने कहा–विश्व धरोहर सूची में शामिल होने से बस्तर को मिलेगी अंतर्राष्ट्रीय पहचान

पायनियर संवाददाता ◄ कांकेर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ के कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान को यूनेस्को की विश्व धरोहर की अस्थायी सूची में प्राकृतिक श्रेणी के अंतर्गत शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि ये छत्तीसगढ़ के लिये बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि ये हर्ष का विषय है कि यूनेस्को द्वारा कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान को विश्व धरोहर की सूची में शामिल किया गया है । कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान न केवल जैव विविधता के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, बल्कि यह स्थानीय जनजातीय संस्कृति और इको-टूरिज्म को भी बढ़ावा देता है। इस सूची में शामिल होने से बस्तर क्षेत्र को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी एवं पर्यटन को और भी बढ़ावा मिलेगा । यह उपलब्धि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है।

उल्लखेनीय है कि यह उद्यान तीन महत्वपूर्ण मापदंडों–प्राकृतिक सौंदर्य, भूवैज्ञानिक विशेषताएँ, और जैव विविधता पर खरा उतरता है। कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान प्रबंधन द्वारा उद्यान को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल करने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार को प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था, जिसे यूनेस्को द्वारा अपने अस्थाई सूची में चयन किया

कांगेर घाटी में प्राकृतिक सौंदर्य और अनूठी संरचनाएं

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान अपने मनमोहक प्राकृतिक दृश्यों, हरी-भरी घाटियों, गहरी खाइयों और झरनों के लिए प्रसिद्ध है। तीरथगढ़ जलप्रपात, जो कांगेर नदी से निकलता है, 150 फीट की ऊंचाई से गिरता हुआ एक अदभुत दृश्य प्रस्तुत करता है। कांगेर नदी अपने स्वच्छ जल और अनूठी चट्टानी संरचनाओं के कारण महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है। इसके अलावा, कोटमसर, कैलाश, दंडक और ऐसी 15 से अधिक गुफाएँ अपने अद्वितीय प्राकृतिक स्वरूप और ऐतिहासिक महत्व के कारण देश और विदेश के पर्यटकों और वैज्ञानिकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र हैं।

भूवैज्ञानिक विशेषताएं और जैव विविधता

यह उद्यान अपनी भूवैज्ञानिक विविधता के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ की कार्स्ट संरचनाएँ, चूना पत्थर की गुफाएँ, जल संरचनाएँ और चट्टानी परतें वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के लिए अध्ययन का एक महत्त्वपूर्ण केंद्र हैं। इस क्षेत्र में भूवैज्ञानिक परिवर्तन देखे जाते हैं। चूना पत्थर की गुफाएँ पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है। जैवविविधता से भरपूर यह उद्यान में विभिन्न वनस्पति, वन्यजीव और विशेष प्रजाति के प्रजातीय पाए जाते है। 963 प्रकार की वनस्पतियाँ, जिनमें 120 फैमिली और 574 प्रजातियाँ शामिल हैं। यहाँ दुर्लभ ऑर्किड की 30 प्रजातियाँ दर्ज की गई हैं। 49 स्तनपायी, 210 पक्षी, 37 सरीसृप, 16 उभयचर, 57 मछलियाँ और 141 तितली प्रजातियाँ है । बस्तर हिल मैना (छत्तीसगढ़ का राज्य पक्षी), ट्रैवणकोर वुल्फ स्नेक, ग्रीन पिट वाइपर, मोंटेन ट्रिंकेट स्नेक जैसी दुर्लभ प्रजातियाँ है।

बस्तर क्षेत्र में पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति को संरक्षित करता है। यहाँ गोंड और धुरवा जनजातियाँ रहती हैं, जो अपनी पारंपरिक रीति-रिवाजों, नृत्य, लोकगीतों और त्योहारों के लिए प्रसिद्ध हैं। इस क्षेत्र में स्थानीय आदिवासियों द्वारा हस्तशिल्प कला जैसे बांस शिल्प कलाकृतियाँ विशेष रूप से लोकप्रिय हैं। यहाँ के आदिवासी समुदाय प्रकृति से गहराई से जुड़े हुए हैं और जंगलों से जुड़ी अनेक कहानियाँ और मान्यताएँ पीढ़ियों से चली आ रही हैं। इको-टूरिज्म और साहसिक पर्यटन गतिविधियों में जंगल सफारी, बर्ड वॉचिंग, ट्रेकिंग ,कयाकिंग बम्बू राफ्टिंग, कैम्पिंग, होमस्टे, गुफा भ्रमण और फोटोग्राफी के बेहतरीन अवसर मिलते हैं, जिससे यह रोमांचक पर्यटन स्थल बनता है। यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक गुफाएँ, वन्यजीव, और सांस्कृतिक विरासत इसे छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल करते हैं। कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के विशेषता को देखते हुए इसे यूनेस्को ने अस्थायी सूची में शामिल किया गया है। उद्यान को यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल किया जाने से बस्तर क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

किरन्दुल में मेटल माइंस वर्कर्स यूनियन द्वारा मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

पायनियर संवाददाता ◄ किरंदुल
www.dailypioneer.com

बीआईओपी स्कूल ऑडिटोरियम में मेटल माइनस वर्कर्स यूनियन किरंदुल के द्वारा बुधवार शाम 06 बजे अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया।इस अवसर पर बौद्धिक विचार गोष्ठी एवं सेवा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सभी अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं उनको पुष्प गुच्छ एवं शाल भेंटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।जिसमें नवनिर्वाचित किरंदुल नगर पालिका अध्यक्षा रूबी शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि हम सभी जानते है कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस प्रत्येक वर्ष 8 मार्च को मनाया जाता है,यह नारी के स्वाभिमान एवं सम्मान का प्रतीक है यह दिन नारी शक्ति की महत्ता, उनके अधिकारों तथा उपलब्धियों को दर्शाता है आज के समय में नारी हर क्षेत्र में पुरुष के समान अपने कर्तव्य का निर्वहन कर कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है जिससे समाज और देश का हित तथा उन्नति निहित है एवं विगत वर्षो के घटना क्रमों में हम ध्यान दे तो महिलाओं ने हर क्षेत्र में उन्नति की है तथा अपना लोहा मनवाया हैं भारतीय मूल की महिला कल्पना चावला,सुनीता विलियमन ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में झंडे गाड़े है तो वहीं आज देश के राष्ट्रपति पद पर सुश्री द्रौपदी मुर्मू जी आसीन होकर शोभायमान हैं।इस कार्यक्रम में मंजू शाही अध्यक्षा प्रेरणा महिला समिति किरंदुल,के एल नगावेणी,उप महाप्रबंधक कार्मिक ,रूपा कोचर ,विजया राजा कुमार ,सुजाता सुब्रमण्यम तथा नारी शक्ति एवं कार्यकर्तागण एवं जनता गण उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन

एमआईएस-आईईसी कोऑर्डिनेटर की संभाग स्तरीय कार्यशाला

पायनियर संवाददाता ◄ जगदलपुर
www.dailypioneer.com

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मंडल कार्यालय जगदलपुर में गुरुवार को बस्तर संभाग के सभी सातों जिलों के जल जीवन मिशन अंतर्गत कार्यरत आईएसए, एमआईएस एवं आईईसी कोऑर्डिनेटर की संभाग स्तरीय कार्यशाला हुई। जिसमें जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर जल प्रमाणीकरण में आ रही समस्याओं और कठिनाइयों के निराकरण हेतु विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान स्टेट कोऑर्डिनेटर मंजरी द्वारा पॉवर पॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से स्थानीय समाज प्रमुखों, पंचायत पदाधिकारियों और लक्षित लाभार्थियों से सतत सम्पर्क एवं संवाद स्थापित कर जल प्रदाय योजनाओं का महत्व, रखरखाव सहित संधारण के लिए सहयोग प्रदान करने और जल संरक्षण के महत्व के प्रति जनजागरूकता निर्मित किए जाने पर जोर दिया। साथ ही भावी पीढ़ी के लिए पानी बचाओ मुहिम चलाए जाने के लिए स्थानीय समुदाय की सहभागिता निभाने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास करने की आवश्यकता निरूपित किया। वहीं जल वाहिनी समूह से जुड़े महिलाओं को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए अभिप्रेरित किए जाने कहा। कार्यशाला में सम्मिलित प्रतिभागियों के शंकाओं का समाधान भी किया गया।

किरन्दुल में एनएमडीसी वर्कर्स फेडरेशन के तत्वाधान में मजदूरों की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल जारी

पायनियर संवाददाता ◄ किरंदुल
www.dailypioneer.com

पेंडिंग वेज रिवीजन के साथ साथ अन्य तीन सूत्रीय मांगों को लेकर एनएमडीसी किरंदुल परियोजना के कर्मचारी ऑल इंडिया एनएमडीसी वर्कर्स फेडरेशन के तत्वाधान में लगातार 15 वें दिन भी एनएमडीसी किरंदुल परियोजना के प्रशासनिक भवन के सामने स्थित सीआईएसएफ चेक पोस्ट के सामने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे रहें। उल्लेखनीय हैं कि एनएमडीसी कर्मचारियों के लंबित वेतन समझौता,ठेका श्रमिको के लंबित वेतन समझौते, एनएमडीसी की सभी इकाइयों में मैन पवार की कमी के साथ साथ अन्य कई मुददों को लेकर एनएमडीसी किरंदुल परियोजना में संचालित मजदूर संगठन एस के एम एस और मेटल माइन वर्कर्स यूनियन इंटक के संयुक्त तत्वाधान में किरंदुल परियोजना के नियमित और ठेका श्रमिक अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ हुए हैं। मौके पर एसकेएमएस सचिव राजेश संधू, अध्यक्ष देवरायलु, रोशन मिश्रा, इंटक अध्यक्ष विनोद कश्यप, सचिव ए के सिंह एवं यूनियन के सैकड़ों सदस्य उपस्थित थे।

जल जीवन मिशन अंतर्गत हुई संभाग स्तरीय कार्यशाला

जगदलपुर। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मंडल कार्यालय जगदलपुर में बस्तर संभाग के सभी सातों जिलों के जल जीवन मिशन अंतर्गत कार्यरत आईएसए, एमआईएस एवं आईईसी कोऑर्डिनेटर की संभाग स्तरीय कार्यशाला हुई। जिसमें जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर जल प्रमाणीकरण में आ रही समस्याओं और कठिनाइयों के निराकरण हेतु विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान स्टेट कोऑर्डिनेटर मंजरी द्वारा पॉवर पॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से स्थानीय समाज प्रमुखों, पंचायत पदाधिकारियों और लक्षित लाभार्थियों से सतत सम्पर्क एवं संवाद स्थापित कर जल प्रदाय योजनाओं का महत्व, रखरखाव सहित संधारण के लिए सहयोग प्रदान करने और जल संरक्षण के महत्व के प्रति जनजागरूकता निर्मित किए जाने पर जोर दिया। साथ ही भावी पीढ़ी के लिए पानी बचाओ मुहिम चलाए जाने के लिए स्थानीय समुदाय की सहभागिता निभाने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास करने की आवश्यकता निरूपित किया। वहीं जल वाहिनी समूह से जुड़े महिलाओं को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए अभिप्रेरित किए जाने कहा। कार्यशाला में सम्मिलित प्रतिभागियों के शंकाओं का समाधान भी किया गया।

स्वरोजगार योजनांतर्गत सहायता से संचिता ने पैतृक व्यवसाय को दी नई दिशा

पायनियर संवाददाता ◄ जगदलपुर
www.dailypioneer.com

शहर के राजेन्द्र प्रसाद वार्ड निवासी कुमारी संचिता यदु अपनी हायर सेकंडरी की पढ़ाई के बाद रोजगार की तलाश में थी लेकिन वर्तमान समय में हर किसी को आसानी से रोजगार सुलभ होना मुश्किल है। यही स्थिति संचिता के साथ भी हुई, तो संचिता ने अपने पिता के आलू-प्याज एवं लहसुन विक्रय कारोबार को ही अपनाने की सोची, परन्तु उसकी समस्या पूंजी की थी। इस बीच उसे शासन की मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के बारे में जानकारी मिली तो उम्मीद की किरण दिखाई दी और इस योजनांतर्गत लाभान्वित होकर आज संचिता अपने पैतृक व्यवसाय को एक नई दिशा दे चुकी हैं। संचिता बताती हैं कि पिता के देहांत के उपरांत परिवार में स्वयं के साथ माता एवं एक भाई सहित तीन सदस्यीय परिवार के

भरण पोषण की चिंता थी। घर के अलावा कोई कृषि भूमि नही थी, किन्तु परिवार की स्थिति को देखते हुऐ जीवन निर्वाह करने के लिए अतिरिक्त आय की जरूरत हो रही थी, बड़ी होने के कारण मुझे जिम्मेदारी लेनी पड़ी और मैं अपने पिता के आलू-प्याज एवं लहसुन बिक्री व्यवसाय को आगे बढ़ाने की सोचते हुए काम चालू कर दिया। किन्तु कुछ समय के बाद दुकान चलाने के लिए पूंजी कम होने लगी, तभी बस्तर चेम्बर ऑफकॉमर्स जगदलपुर में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के अधिकारी से मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के शिविर से जानकारी मिली, उसके उपरांत इस योजना के अंतर्गत पूर्व से संचालित आलू-प्याज एवं लहसुन बिक्री व्यवसाय हेतु दो लाख रुपए ऋण राशि के लिये आवेदन किया गया और मुझे ऋण जनवरी 2023 को छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक अग्रसेन चैक जगदलपुर द्वारा इस योजना के अंतर्गत दो लाख रूपये की ऋण राशि स्वीकृत कर वितरित किया गया। उसके बाद उद्योग विभाग द्वारा एक सप्ताह का उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कराया जिसमें मैंने पूर्ण उपस्थिति देकर प्रशिक्षण ग्रहण किया और मेरे वर्ग अनुसार मुझे 30 हजार रुपए का अनुदान प्रदान किया गया। संचिता ने बताया कि आज दुकान चलाते हुए करीब 3 साल हो गये और मैं अपने कारोबार की आय से समय पर ऋण राशि का पूर्ण भुगतान कर रही हूं। रोजाना दुकान से लगभग पांच से दस हजार रुपये की ब्रिकी होती है और मुझे हर दिन लगभग दो हजार रुपए की आमदनी होती है। अब मेरे परिवार की आर्थिक स्थिति भी पहले से अच्छी हो गई है और परिवार खुशहाल है।

कलेक्टर ने किया परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण

कांकेर। माध्यमिक शिक्षा मंडल छत्तीसगढ़ द्वारा कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं का संचालन गत 01 मार्च से किया जा रहा है। इसके लिए जिले में कुल 130 परीक्षा केन्द्र स्थापित किए गए हैं, जहां पर पंजीकृत नियमित स्वाध्यायी परीक्षार्थी विषयवार परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं। परीक्षा केन्द्रों में व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं का अवलोकन व निरीक्षण करने कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने बुधवार सुबह शहीद रामकुमार यादव शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कांकेर का आकस्मिक दौरा किया। इस दौरान वहां पर कक्षा 10वीं के सभी परीक्षार्थी व्यावसायिक पाठ्यक्रम की परीक्षा देते नजर आए। साथ ही परीक्षा कक्ष में पर्यवेक्षक एवं शिक्षक उपस्थित पाए गए। परीक्षा केन्द्र में विद्युत, पेयजल आदि की समुचित व्यवस्था थी। उक्त परीक्षा केन्द्र में कक्षा दसवीं के व्यावसायिक ट्रेड के अंतर्गत रिटेल एवं ब्यूटी एंड वैलनेस विषय की परीक्षा आयोजित थी, जिसमें रिटेल विषय की परीक्षा में 20 एवं ब्यूटी एंड वैलनेस विषय में 26, इस प्रकार कुल 46 परीक्षार्थी उपस्थित थे। बोर्ड परीक्षा की जिला नोडल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर आस्था बोरकर ने बताया कि छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं 01 से 28 मार्च तक संचालित की जा रही हैं।

CHHATTISGARH STATE POWER DISTRIBUTION CO. LTD.
(A GOVERNMENT OF CHHATTISGARH UNDERTAKING) (A SUCCESSOR COMPANY OF CSEB)
O/o THE SUPERINTENDING ENGINEER, CC-I, RAIPUR Phone No. 0771-2574800, 2574801Fax No. 0771-2574805
Website - www.cseb.gov.in Office Mail ID – secc.raipur@cspc.co.in

NOTICE INVITING TENDER THROGU E-BIDDING

E-tenders are invited **Eligible Contractors** for Hiring of Light Commercial Vehicle (Pickup). Vehicle should be commercial tax paid. All running expenditure of vehicle will be borne by contractor. The contract work will be as per guidelines of CSPDCL. The pick-up vehicle is not older than 03 years having total run not exceeding 100000 km. will be hired for a period of 03 years. Normally the period of contract will be **Three year** on the monthly rate basis. The CSPDCL reserves the right to extend the term of contract period for further **01 years** at the same rate, terms & condition on mutual understanding between CSPDCL & contractor. GST will be paid Extra.

S. N	Tender No.	Name of work	Value of contract (Without GST)	EMD Amount (online)	Last date & Time of submission of bids	Due date of Opening
1.	TR-2024_106 Dt.12.03.2025 RFX No. **8100041904**	Awarding contract for Hiring of Light Commercial Vehicle (Pickup) or Equivalent (1.7 to 2.2 Ton Capacity) for General maintencance/Attending Breakdown under AE **Shastri Chowk Zone of EE City Central Dn. CSPDCL Raipur.** Vehicle should be commercial tax paid, vehicle capacity 1.7 to 2.2 ton pick-up/ utility vehicle	**2131920/-**	**21320/-**	Dt.**04.04.2025** upto 02:30 PM	Dt. **04.04.2025** upto 03:00 PM
2.	TR-2024_107 Dt 12.03.2025 RFX No. **8100042057**	Hiring of Light Commercial Vehicle (Pickup) or Equivalent (1.7 to 2.2 Ton Capacity) for General Maintencance/Attending Breakdown for **AE HT Maintenance Under EE City Central Dn. CSPDCL Raipur.** Vehicle with 01 No. Additional driver. Vehicle should be commercial tax paid, vehicle capacity 1.7 to 2.2 ton pick-up/ utility vehicle.	**2131920/-**	**21320/-**	Dt.**04.04.2025** upto 02:30 PM	Dt. **04.04.2025** upto 03:00 PM

Details of Tender, Technical Specifications, Terms and Conditions etc are available on our website www.cseb.gov.in, www.cspdcl.co.in and **ebidding http:/cijsrp.cspdcl.co.in.** Last date and time of submission of bid is on **04.04.2025** up to **02:30 P.M.** and due date of opening is on **04.04.2025** at **03:00 P.M.** The Tender document can also be downloaded from CSPDCL's official website mentioned above. The cost of required Tender fee (which is not refundable) of **Rs. 2000/-** including GST and EMD for each tender may be deposited by online through e-bidding.

SAVE ELECTRICITY Samvad-43225/2 **Superintending Engineer City Circle-I, CSPDCL: Raipur**

न्यायिक अधिकारी एवं कर्मचारियों की कार्य कुशलता में वृद्धि होगी...

चीफ जस्टिस ने किया नवीन व्यवहार न्यायालय भवन सुकमा का भूमिपूजन

पायनियर संवाददाता ◄ सुकमा
www.dailypioneer.com

मुख्य न्यायाधिपति छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर रमेश सिन्हा ने नवीन व्यवहार न्यायालय भवन एवं न्यायिक कर्मचारियों के आवासीय कालोनी सुकमा का भूमिपूजन बुधवार को वर्चुअल मोड से किया।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि अरविन्द कुमार वर्मा न्यायाधीश उच्च न्यायालय बिलासपुर एवं पोर्टफोलियो जज जिला दन्तेवाड़ा भी विशेष रूप से उपस्थित थे। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि उनकी पदस्थापना छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर में होने के पश्चात् उनके द्वारा सर्वप्रथम दन्तेवाड़ा न्यायालय का ही निरीक्षण किया गया था एवं दन्तेवाड़ा न्यायालय के न्यायिक कर्मचारियों के आवसीय

परिसर का उद्घाटन किया था। उन्हें इस बात की खुशी है कि नवीन व्यवहार न्यायालय भवन सुकमा एवं न्यायिक कर्मचारियों के आवासीय परिसर का भूमि पूजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि व्यवहार न्यायालय बीजापुर के न्यायिक अधिकारी एवं कर्मचारियों के नव निर्मित भवन भी बनकर तैयार हो गया है। जिसका उद्घाटन उनके द्वारा पूर्व में किया गया। उनके कहा कि दन्तेवाड़ा क्षेत्र सुदुर एवं संवेदनशील है परन्तु उन्होंने कहा कि दंतेवाड़ा क्षेत्र छत्तीसगढ़ राज्य का खूबसूरत स्थान है। उन्होंने कहा कि सुकमा न्यायालय भवन एवं न्यायिक कालोनी तैयार होने से न्यायिक अधिकारी एवं कर्मचारियों की कार्य कुशलता में वृद्धि होगी। जिससे आम नागरिकों को सुलभ एवं शीघ्र न्याय प्रदान किया जा सकेगा। चीफ जस्टिस द्वारा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दन्तेवाड़ा, कलेक्टर सुकमा एवं पी.डब्ल्यू.डी. के अधिकारीगण को निर्देशित किया गया कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर ही गुणवत्ता पूर्ण तरीके से नवीन व्यवहार न्यायालय सुकमा एवं न्यायिक कर्मचारियों के आवासीय परिसर का निर्माण का कार्य सम्पन्न किया जाये। विजय कुमार होता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दन्तेवाड़ा के द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत कर कहा कि चीफ जस्टिस के कुशल नेतृत्व का ही परिणाम है कि छत्तीसगढ़ राज्य के सभी जिलों में इन्फ्रास्ट्रक्चर का कार्य काफी तेजी से विकसित हुआ है। पोर्टफोलियो जज दंतेवाड़ा अरविंद कुमार वर्मा का निरंतर मार्गदर्शन भी हमें प्राप्त होता रहा है, जिस कारण यह कार्य शीघ्रता से प्रारंभ किया जाना संभव हो सका। चीफ जस्टिस के द्वारा वर्चुअल मोड से शिलालेख का अनावरण किया गया। नवीन व्यवहार न्यायालय भवन एवं न्यायिक कर्मचारियों के लिए निर्मित होने वाली कालोनी का ग्राफिक विडियो प्रदर्शित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन अपूर्वा दांगी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट दन्तेवाड़ा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दन्तेवाड़ा के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव, पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण , न्यायिक अधिकारी धीरेन्द्र प्रताप सिंह दांगी, तृतीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश दन्तेवाड़ा, अधिवक्तागण बिच्चेम पोंदी, कैलाश जैन, पी.भीमा, प्रशासनिक , न्यायिक कर्मचारीगण, पुलिस प्रशासन के अधिकारीगण, पीडब्ल्यूडी के अधिकारीगण, इस अंचल के सम्मानीय नागरिकगण उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर स्वच्छता सेनानियों का सम्मान

पायनियर संवाददाता बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

नया सवेरा जन कल्याण समिति द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथियों द्वारा भारत माता के छायाचित्र में माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया गया। नया सवेरा जन कल्याण समिति द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 में बेहतरीन कार्यक्रमो के लिए बधाई शुभकामनाएँ। कार्यक्रम में बच्चो के द्वारा नुक्कड़ नाटक, नृत्य व गीत आदि के माध्यम से समाज मे घटित होने वाले विभिन्न घटनाओ का सुंदर और सार्थक चित्रण किया गया,साथ ही स्वच्छता सेनानी दीदियों का सम्मान किया। गया तथा ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए पशुओं के लिए कोठना (वाटर टब) का वितरण जिन्होंने उसके पानी भरने एवं सफाई का जिम्मा लिया। नया जन सवेरा समूह द्वारा विगत दो वर्ष से वृक्षारोपण, स्वस्थ शिविर, निर्धन एवं दिव्यांग कन्या विवाह,योग कक्षा, महिलाओ, गौ सेवा जैसे काम कर रहे हैं । अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर नया जन सवेरा कल्याण समिति द्वारा नगर के स्वच्छता में अपनी अहम भूमिका रखने वाली 70 स्वच्छता सेनानियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में नाटक, नुक्कड़, नृत्य, अनमोल वचन, सेवा कार्य की छोटी कहानी, नया जन सवेरा द्वारा किए गए कार्यो समीक्षा, महिला और बुजुर्ग सेवा के संबंधित जानकारी और महिलाओं को सशक्त बनाने के बारे विचार प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में महिला सशक्तिकरण के लिए सरकार द्वारा चलाए जा रहे योजनाओं के बारे बात रखा साथ ही कार्यक्रम के आयोजकों और उनके कार्यो की सराहना करते हुए आगे हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। नया जन सवेरा कल्याण समिति के अध्यक्ष लता साहू ने कहा कि हमारा संगठन विगत वर्षो से समाज जागरूकता और जनसेवा के साथ-साथ गौ माता और बेजुबान जानवरों के प्रति लोगों को जागरूक करते आ रहा है। संगठन अपने स्तर पर सहायता का हर संभव प्रयास करते आ रहा है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रमुख रूप से कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अशोक जैन नगर पालिका अध्यक्ष, पुष्पराज वर्मा समाजिंक कार्यकर्ता, नया जन सवेरा कल्याण समिति के अध्यक्ष लता अजय साहू, रूखमणि यादव, पायल भट्टर, सोमा भट्टर, सविता यदु, वीना, प्रीति साहू, सीमा साहू, शारदा साहू, स्वाति वर्मा, ललित साहू, अजय, जास्मिन, सुमन सोनी, स्वाति मिश्रा, लीना बघेल, गोलू जैन उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में सबका सहयोग रहा। उक्त कार्यक्रम में मंच संचालन राहुल गुप्ता ने किया।

कैंसर पीड़ित मरीज प्रभुलाल को रेडक्रॉस से मिली आर्थिक सहायता

कलेक्टर ने सौपा 10 हजार रूपये का चेक

पायनियर संवाददाता गरियाबंद
www.dailypioneer.com

कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने आर्थिक सहायता के लिए प्राप्त आवेदन को संवेदनशीलता के साथ निराकरण करते हुए रेडक्रॉस के माध्यम से जरूरी सहायता प्रदान की है। उन्होंने उमेन्द्र कुमार को रेडक्रॉस की ओर से 10 हजार रूपये का चेक सौपा। उमेन्द्र कुमार ने अपने कैंसर पीड़ित पिता प्रभुलाल के ईलाज के चलते गरीबी हालात एवं कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण जरूरी आर्थिक सहायता प्रदान करने कलेक्टर से निवेदन किया था। कलेक्टर अग्रवाल ने उमेन्द्र की आवेदन को तत्परता से संज्ञान में लेते हुए रेडक्रॉस के माध्यम से आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश सीएमएचओ को दिये थे। तत्पश्चात रेडक्रॉस फंड से उन्हें आर्थिक सहायता का चेक प्रदान किया गया। इस पर उमेन्द्र ने खुशी जताते हुए कलेक्टर एवं जिला प्रशासन का आभार जताया। उन्होंने कहा कि आर्थिक सहायता से उनके पिता के स्वास्थ्यगत देखभाल एवं आवश्यक दवाइयों की खरीदी में सहायक होगी। जिससे उनका स्वास्थ्य उनका बेहतर होगा। इस दौरान डॉ. गॉर्गी यदु पाल मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं सचिव, भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा गरियाबंद एवं डॉ. लक्ष्मीकांत जांगड़े मौजूद रहे।

कलेक्टर ने जिले के पत्रकारों का किया सम्मान

पायनियर संवाददाता गरियाबंद

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों का सम्मान एवं होली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टरदीपक अग्रवाल ने समस्त पत्रकारों को श्रीफल एवं कलम भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिले के पत्रकार साथी लोकसभा निर्वाचन, राजिम मेला एवं पंचायत एवं नगरीय निकाय निर्वाचन के दौरान सूचनाओं के बेहतर संचार एवं सही जानकारियों को लोगों तक पहुंचाने में प्रमुख भूमिका निभाई। उन्होंने अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए जनमानस तक सही खबरों की पहुंच सुनिश्चित की। साथ ही राजिम मेला के दौरान राज्य शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा आयोजित भव्य आयोजन का भी बेहतर प्रचार-प्रसार किया। कलेक्टर ने मीडिया के प्रतिनिधियों को इस उत्कृष्ट कार्य के लिए उनकी प्रशंसा करते हुए आभार जताया। साथ ही सभी का सम्मान किया। कलेक्टरअग्रवाल की मौजूदगी में आयोजित सम्मान समारोह में पत्रकारों के सम्मान के लिए मीडिया प्रतिनिधियों ने भी कलेक्टरअग्रवाल का आभार जताया। इस दौरान अपर कलेक्टरनवीन भगत, जनसंपर्क विभाग के अधिकारी-कर्मचारी सहित जिले के मीडिया प्रतिनिधि गण मौजूद रहे।

जनहित के मुददों को पहुंचाना हमारी पहली प्राथमिकता : शिवा

पायनियर संवाददाता लवन

ग्राम पंचायत मनोहरा के पंचायत भवन में नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा होली मिलन समारोह आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि जिला व जनपद सदस्य शामिल हुए सभी प्रतिनिधियों ने मंच संबोधित किया व एक दूसरे को बधाई प्रेषित की।

वहीं मुलभूत सुविधाओं से जुझ रहे ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए शिवसेना जिला प्रवक्ता व आत्माराम नेताम ने बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य व गांव के बिगड़ते माहौल को देखते हुए ज्ञापन के माध्यम से पंचायत प्रतिनिधियों का ध्यान केंद्रित करने का प्रयास किया गया। जहां सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने सभी समस्याओं, मांगों को गंभीरता से लेते हुए निराकरण करने की बात कही। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित नवनिर्वाचित जिला पंचायत सदस्य दीप्ती (गोविंद) वर्मा, जनपद सदस्य रामजी निषाद, सरपंच महोदया चित्ररेखा (भरत) साहू, शिवसेना बलौदाबाजार-भाटापारा जिला प्रवक्ता शिवा निषाद, भाटापारा विधानसभा सचिव आत्माराम नेताम, भुतपुर्व सरपंच रामेश्वर साहू, महेंद्र साहू वार्ड पंच रोहित वर्मा, ओमप्रकाश साहू, शिवकुमार साहू, गीता बेदुल रामनारायण निषाद, अंजलि अजीत पांडे, यशोदा तोरन साहू, शिवकुमारी राधे ध्रुव,मोहनी पवन वर्मा समेत ग्रामवासी मौजूद रहे।

बिना दर निर्धारण किए बीज व उपकरण खरीदी में करोड़ों का भ्रष्टाचार : विनोद चंद्राकर

भाजपा राज में विभागीय अधिकारी कर रहे भ्रष्टाचार, जीरो टॉलरेंस नीति को दिखा रहे ठेंगा

पायनियर संवाददाता महासमुंद
www.dailypioneer.com

पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने कहा कि भाजपा सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति केवल कागजों तक ही सीमित रह गई है। महासमुंद जिले में कृषि विभाग द्वारा सरकार के जीरो टॉलरेंस नीति को ठेंगा दिखाते हुए अधिकारों से परे जाकर बिना वित्त विभाग की अनुमति, बिना किसी दर निर्धारण के विभिन्न माध्यमों से बिना नियम प्रकिया के बीज एवं कृषि उपकरण सामग्रियों की खरीदी अधिक दर पर किया जा रहा है, विभागीय अधिकारी करोड़ों के भ्रष्टाचार को अंजाम दे रहे हैं। चंद्राकर ने कहा कि जब-जब भाजपा की सरकार प्रदेश में आई, तब-तब बड़े-बड़े भ्रष्टाचार के मामले सामने आती रही है। इससे पूर्व 15 वर्ष के रमन सरकार में नान घोटाला, डीकेएस घोटाला, अगुस्ता घोटाला, पनामा पेपर, अंतागढ़, पुष्प स्टील, भटगांव कोल घोटाला, मोबाइल खरीदी घोटाला, स्काई वॉक घोटाला, इंदिरा प्रियदर्शनी बैंक घोटाला, चिटफंड घोटाला, रतनजोत घोटाला जैसे अनेक मामले सामने आए थे। वर्तमान भाजपा की साय सरकार में पूरे प्रदेश में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। इससे महासमुंद जिला भी अछूता नहीं है। यहां कृषि विभाग में बेधड़क करोड़ों का भ्रष्टाचार किया जा रहा है। चंद्राकर ने कहा कि जिला स्तरीय अधिकारियों को बीज खरीदी करने का वित्तीय अधिकार प्रदत्त नहीं है। जिला अधिकारी द्वारा एक ही वित्तीय वर्ष में एक प्रकार के बीज क्रय करने का वित्तीय अधिकार है। लेकिन यहां अधिकारियों द्वारा कई तरह के बीजों को क्रय कर आर्थिक लाभ अर्जित किये गये हैं। बीज निगम को सी. बीड जेल एवं उसके समकक्ष उत्पादकों की दर निर्धारण किये जाने हेतु अधिकारियों की समिति बनाई गई है। समिति द्वारा क्या अनुशंसा की गई है, उसे सार्वजनिक न कर जिला अधिकारियों को मनमाने तरीके से भ्रष्टाचार करने के लिये छूट प्रदान कृषि विभाग द्वारा किया गया है। तकनीकी समिति के अधिकारियों द्वारा क्रय किये जाने की अनुशंसा जो अधिकार से बाहर थी, उसके विरूद्ध शिकायत की गई है। लेकिन कोई कार्रवाई विभाग द्वारा नहीं किए जाने से भ्रष्टाचार का बढ़ावा मिल रहा है। इसी तरह वर्ष 2021 से 2024 तक जैविक खेती मिशन योजना के तहत जिला महासमुंद अंतर्गत आने वाले विकासखंडों के विभिन्न ग्रामों का चयन किया गया है। जिसमें संचालनालय कृषि द्वारा कृषकों को जो घटक उपलब्ध कराया जाना है, उससे हटकर अधिकारियों द्वारा कमीशन के लिए बैटरी चलित स्पेयर किसानों को जबरदस्ती अधिक दर पर लेने हेतु बाध्य किया जा रहा है। जबकि इस योजनांतर्गत बैटरी चलित स्पेयर देने का आदेश में उल्लेख नहीं है। संचालनालय कृषि द्वारा जो उपकरण घटक में उल्लेखित हैं, उन्हें कृषकों को प्रदाय नहीं किया जा रहा है। क्योंकि जो घटक व सामग्री प्रदाय किया जाना है। उन्हें क्रय करने से कमीशन नहीं मिलेगी। इसलिये इन सामग्रियों का वितरण नहीं किया जा रहा है। चंद्राकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन जीरो टॉलरेंस की बात करती है, जबकि वास्तविकता कुछ और ही है। एक ही जिले में एक ही विभाग द्वारा अधिकारों से हटकर, संचालनालय के निर्देशों की अवहेलना कर विभाग के अधिकारी जिन सामग्रियों में कमीशन अत्यधिक है, उन उपकरणों को नियम विरूद्ध क्रय कर आर्थिक लाभ अर्जित कर रहे हैं। इसकी सूक्ष्म जांच से करोड़ों के भ्रष्टाचार उजागार होगा। चंद्राकर ने विभाग द्वारा क्रय किए गए सामग्रियों के क्रय दर एवं अधिकार की जांच कराये जाने की मांग की है।

कुरूद नगर में होली महोत्सव को लेकर प्रशासन द्वारा हुई शांति समिति की बैठक

पायनियर संवाददाता कुरूद
www.dailypioneer.com

कुरूद नगर में होली महोत्सव 2025 को लेकर प्रशासन द्वारा आज शांति समिति की बैठक पुलिस थाना परिसर में संपन्न हुआ, बैठक में नगर के प्रथम नागरिक होने के नाते प्रशासन एवं गणमान्य नागरिकों से कुरूद की सुरक्षा, शांति और सद्भाव क़ायम रखने के लिए सबसे अपील किया, होली के रंग अपनों के संग कुरूद में मनाने के उद्देश्य से नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष, पूर्व नेता प्रतिपक्ष, नगर पंचायत के उपाध्यक्ष सहित परिषद के समस्त साथीगण सम्मिलित हुए साथ ही गणमान्य नागरिकगण, व्यापारियों, ग्रामीणजन, मिडिया के सदस्यगण भी विभिन्न सुझावों के माध्यम से नगर में होली के त्योहार आपसी प्रेम और सौहार्द से मानाने का निर्णय लिया गया, प्रशासन की ओर से एसडीओपी, तहसीलदार, पुलिस प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारीगण सम्मिलित होकर शांति समिति बैठक संपन्न हुआ ।

किसान की आत्महत्या नहीं व्यवस्थागत हत्या है : जुगनु चंद्राकर

पीड़ित किसान परिवार को 50 लाख रूपये मुआवजा दिया जाए

पायनियर संवाददाता महासमुंद
www.dailypioneer.com

किसान नेता एवं जिला पंचायत सदस्य जुगनू चन्द्राकर ने कहा ग्राम- सिंघनपुर, तहसील- झलप, जिला- महासमुन्द (छ.ग.) के कृषक पुरण निषाद पिता सुधराम निषाद उम्र 55 वर्ष द्वारा अपने खेत में स्थित नीम पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया था जिसका पंचनामा एवं अंतिम संस्कार 11 मार्च को हुई है। बुधवार को किसान प्रतिनीधियों का एक प्रतिनीधि मंडल पीड़ित परिवार मृतक की पत्नि पंचवती निषाद, पुत्र कुलेश्वर निषाद, टिकेश्वर निषाद एवं बड़े भाई पुराणिक निषाद से ग्रामीणों हेमंत निषाद, हीरालाल साहू, प्रेम साहू आदि कि उपस्थिति में मुलाकात कर परिस्थितियों से अवगत हुए हैं। पीड़ित परिवार से मिली जानकारी के अनुसार मृतक किसान के पास करीब पौने तीन एकड़ स्वयं की कृषि भूमि है तथा करीब दो एकड़ रेग में लेकर खेती किसानी करता है जो इस वर्ष रबी फसल धान बोया था। सिंचाई के लिए स्वयं के नाम स्थायी बिजली कनेक्शन है। पुराने बोर में मोटर पंप फंस जाने के कारण उसमें दूसरा मोटर पंप लगाकर सिंचाई करता था। इस प्रकार खेती करने के लिए मृतक किसान द्वारा ग्रामीण बैंक शाखा झलप में करीब एक लाख पचपन हजार रुपये का केसीसी कर्ज है। इसके अलावा करीब दो लाख रुपये साहूकारी कर्ज होना बताया है। बिजली की लो वोल्टेज की समस्या के कारण खेतों की सिंचाई पूरा नहीं होने से धान फसल सुख रहा था जिससे किसान बहुत ही ज्यादा चिंतित रहता और अपने परिवार से हमेशा चर्चा किया करता था कि फसल नहीं होने से कर्ज कैसे चुकायेंगे। इस बात से यह प्रतीत होता है कि किसान कर्ज और लो वोल्टेज की समस्या तथा फसल खराब होने के कारण मानसिक रुप से ज्यादा ही परेशान था और मूल रुप से लो वोल्टेज बड़ी समस्या है। पीड़ित परिवार से मुलाक़ात के बाद प्रतिनिधि मण्डल ने कलेक्टर की अनुपस्थिति में अपर कलेक्टर रवि साहू जिला महासमुंद को पत्र देकर मांग किया है कि केवल पुरण निषाद ही नहीं बल्कि क्षेत्र के सभी किसान लो वोल्टेज की समस्या से ग्रसित हैं जिसके लिए जिम्मेदार बिजली विभाग है इसलिए विभागीय अधिकारियों के विरुध्द हत्या के लिए प्रेरित करने का प्रकरण दर्ज कर संस्थागत हत्या माना जाकर पीड़ित परिवार को न्याय प्रदान किया जाये। बिजली विभाग राज्य सरकार के अधिन है इसलिए राज्य सरकार द्वारा पीड़ित परिवार को राशि पचास लाख रुपये मुआवजा प्रदान किया जाये। प्रतिनिधि मण्डल में जागेश्वर जुगनू चंद्राकर जिलापंचायत सदस्य महासमुंद क्रमांक 1, अमर अरुण चंद्राकर पूर्व कृषि सभापति एवं जिला पंचायत सदस्य महासमुंद क्रमांक 2, तेजराम विद्रोही प्रदेश महासचिव भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) छत्तीसगढ़ एवं पवन चंद्राकर सदस्य किसान संगठन खरोरा सम्मिलित रहे। जागेश्वर जुगनू चंद्राकर और अमर अरुण चंद्राकर ने प्रति माह दस हजार मिलने वाला अपने मानदेय दस दस हजार रूपये की पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान किया साथ ही जुगनू चंद्राकर ने सभी जिला पंचायत सदस्यों से अपील किया है कि कम से कम एक महीने की मानदेय राशि पीड़ित परिवार को प्रदान कर सहयोग करें।

ग्राम पंचायत नवागांव में उपसरपंच शिव प्रसाद साहू बने शांति पूर्वक उपचुनाव सम्पन्न

पायनियर संवाददाता तिल्दा-नेवरा
www.dailypioneer.com

जनपद पंचायत सिमगा छैत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत नवागांव में उपचुनाव पंचायत भवन में शांति पूर्ण सम्पन्न हुआ, जिसमें पीठासीन अधिकारी के रूप प्रेमलाल कुर्रे राकेश कुमार कुर्रे व ग्राम सचिव अवधराम ने चुनाव शान्ति पूर्ण समन्न कराया, आपको बता दें कि तीन प्रत्यशी के बीच कड़ा मुकाबला चल रहा था। जिसमें प्रत्याशी शिव प्रसाद ने 8 वोट से बाजी मारी ग्राम पंचायत नवागांव में 14 वार्ड हैं, जिसमें 8 वोट से प्रत्याशी शिव प्रसाद विजयी रहे, व वोट के गणना के बाद खुब आतिश बाजी की गई । शिव प्रसाद की विजयी होने पर उनके समर्थको द्वारा जोर सोर से नारा लगाए गुलाल लागकर व पुष्प हार पहना कर ग्रामवासियों नें व सरपंच नीरा कोसले ने बधाई दि आपको बता दें कि युवाओं के साथ हमेशा कंधों से कंधा मिलाकर चलने वाले शिव प्रसाद आज युवा के साथ और पंचों के सहयोग से ग्राम पंचायत नवागांव के उपसरपंच बने, ग्राम पंचायत नवागांव के विकास के हित के लिए युवाओं के मदत के लिए व गांव वालों की सहयोग के लिए हमेश तत्तपर खड़ा रहूंगा। छत्तीसगढ़ मिडिया ऐसोसियेशन के सिमगा ब्लॉंक के पत्रकारो से चर्चा करने पर बताया गया की वे हमेशा गांव के विकास कार्यो के लिए हमेश खडा रहूंगा। वह शासन से मिल रहे सुविधाओं का लाभ हितग्राहियों को अवशय मिलेगा।

जशपुर में पहली बार विमान उड़ाने का दिया जा रहा है प्रशिक्षण, आगडीह में सीजी एअर स्कवाड्रन एनसीसी रायपुर के कैडेट्स ले रहे है प्रशिक्षण

पायनियर संवाददाता ➤ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

आगडीह के हवाई पट्टी से उड़ान भरते और लैंड करता हुआ प्रशिक्षु विमान आस-पास लोगों के लिए एक रोमांच का विषय बना हुआ है। प्रशिक्षण के उद्देश्य से लाए गए यह विमान 7 मार्च से रोज सुबह आसमान की सैर कर वापस जमीन पर आ जाता है। दरअसल आगडीह हवाई पट्टी से 3 सीजी एअर स्कवाड्रन एनसीसी रायपुर के चयनित केडेट्स को हल्के विमान उड़ाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। रायपुर से बाहर जशपुर जिले में पहली बार हो रहे प्रशिक्षण को लेकर केडेट्स मे भी भारी उत्साह है। एक तरफ जशपुर का मनोरम दृश्य और प्रशिक्षण पाने का उत्साह उनके जोश को दोगुना कर देता है। लगभग एक माह तक चलने वाले इस प्रशिक्षण के शुरूआत में 10 केडेट्स का विमान उड़ाने की ट्रेनिंग दिया जा रहा है। 100 कैडेट्स को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा गया है।

ट्वीन सीटर एसडब्ल्यू 80 विमान से दिया जा रहा है प्रशिक्षण- आगडीह हवाई पट्टी की लंबाई 1200 मीटर और चौड़ाई 25 मीटर है। सिंगल इंजन ट्वीन सीटर वायरस एसडब्ल्यू 80 विमान से कैडेट्स को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। विमान 20 हजार फीट तक उड़ान भर सकता है। फिलहाल प्रशिक्षण के लिए 1000 फीट तक ही उड़ान का संचालन किया जा रहा है। कमांडिग ऑफिसर ने बताया की यह प्रशिक्षण केडेट्स के सुनहरे भविष्य की नींव तैयार कर रहा है। उन्होंने बताया कि एनसीसी के एयर विंग से सी प्रमाण पत्र परीक्षा में अच्छे ग्रेडिंग से पास करने पर केडेट्स सीधे एयर फोर्स के इंटरव्यू के लिए पात्र माने जाते हैं।

एअर फोर्स पायलट बनने का सपना लिए ले रहे हैं प्रशिक्षण

प्रशिक्षु नितेश प्रजापति ने बताया की वे पहली बार जशपुर में प्रशिक्षण के लिए आए हैं। यहां का साफ-स्वच्छ और खूबसूरत वातावरण में फ्लाईंग की ट्रेनिंग लेना उन्हें काफी अच्छा लग रहा है। उन्होंने बताया की वे एअर फोर्स पायलट बनना चाहते हैं और यह प्रशिक्षण उनका सपना को पूरा करेगा। इसी तरह प्रशिक्षण ले रहे प्रांशु चौहान ने बताया की यहां पर एअर ट्रैफिक क्लीयर रहता है। रनवे भी क्लीयर मिलने की वजह से प्रशिक्षण में किसी प्रकार की दिक्क त नहीं होती है। यहां का स्वच्छ वातावरण और खूबसूरत प्राकृतिक दृश्य होने की वजह से जशपुर में प्रशिक्षण प्राप्त करना उनके लिए हमेशा यादगार रहेगा। जशपुर में पहली बार हो रहे उड़ान प्रशिक्षण कार्यक्रम से जिले के लोगों में भी भारी उत्साह है। खासकर युवावर्ग को यह प्रशिक्षण काफी आकर्षित कर रहा है। ग्रामीण विकास लकड़ा और राजू कुजूर के लिए आगडीह के हवाई पट्टी से रोज विमान के उड़ान भरते और उतरते देखना रोमांच से भर देने वाला है। उन्होंने बताया की इससे उत्साहित उनके घर और आसपास के बच्चों के मन में एनसीसी से जुड़ने और पायलट बनकर विमान चलाने का सपना पल रहा है।

मत्स्य किसानों को नवीन तकनीकी के माध्यम से मछली पालन में बढ़ावा देने अन्य राज्य रांची का कराया गया अध्ययन भ्रमण

आधुनिक मछली पालन की दी गई जानकारी

पायनियर संवाददाता ➤ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप जिले के किसानों को कृषि के साथ-साथ मत्स्य पालन के क्षेत्र में भी आगे बढ़ाने के लिए मछली पालन विभाग के विभागीय योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिले के प्रगतिशील किसानों को नवीन तकनीकी के माध्यम से मछली पालन में बढ़ावा देने के लिए राज्य के बाहर रांची, झारखण्ड लेक जाकर अध्ययन भ्रमण कराया गया। इनमें 20 अनुसूचित जनजाति एवं 01 सामान्य वर्ग के हितग्राही शामिल थे। इस दौरान झारखंड के मत्स्य निदेशक एच.एन.द्विवेदी ने कहा कि किसानों के इस तरह भ्रमण से दूसरे राज्यों में चल रही योजनाओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होती है। झारखण्ड राज्य के रांची में मत्स्य किसान प्रशिक्षण केन्द्र शालीमार ध्रुवा रोड रांची के मुख्य अनुदेशक प्रशांत कुमार दीपक के नेतृत्व में किसानों को एग्रीग्रीन फिशरीज, टीकराटोली नगड़ी में बायोफ्लॉक, आरएएस, बायोप्लाट पोण्ड के माध्यम से नवीन तकनीकी से मछली पालन हो रहा उनके बारे में जानकारी दिया गया। झारखण्ड राज्य सहकारी समिति के द्वारा फिशफीड मील एवं हाईजेनिक फिश मार्केट के बोर में मत्स्य किसानों को जानकारी दिया गया। जिला मत्स्य विभाग रांची के मछली पालन डोरण्डा में विभाग के द्वारा संचालित योजना तालाब, हेचरी, बायोफ्लॉक के बोर में जानकारी दिया गया। नवीन तकनीकी के माध्यम से पतरातू बांध एवं गेतलसूद में केज कल्चर एवं रामगढ़ जिले के आरा में बंद पड़े कोल पीठ में केज कल्चर के माध्यम से मछली पालन किया जा रहा उसके बारे में जानकारी दिया गया। जिससे योजनाओं को देखकर मत्स्य किसान प्रभावित हुए।

भेदभाव को मिटाने वाला पर्व है होली : अरविन्द तिवारी

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

होली वसंत ऋतु में मनाया जाने वाला हिंदू धर्म के मुख्य त्यौहारों में से एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। होली रंगों का तथा हँसी-खुशी का त्योहार है जिसे हर धर्म में मनाया जाता है। यह भारत का एक प्रमुख और प्रसिद्ध त्योहार है जो आज विश्व भर में उत्साह और खुशी के साथ मनाया जाने लगा है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुये सुदर्शन संस्थानम , पुरी शंकराचार्य आश्रम / मीडिया प्रभारी अरविन्द तिवारी ने बताया कि पंचांग के अनुसार हर साल फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि के अगली सुबह यानि कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि को होली मनायी जाती है जबकि पूर्णिमा को होलिका दहन होता है। होलिका दहन में भी भद्रा काल का विशेष ध्यान रखा जाता है , भद्रा के साये में होलिका दहन वर्जित है। इस बार पूर्णिमा तिथि 13 मार्च की सुबह 10.36 से लेकर 14 मार्च को दोपहर 12.23 तक रहेगी और पूर्णिमा के साथ ही भद्रा काल भी आरम्भ हो जायेगा। भद्रा काल देर रात 11.26 तक रहने के कारण भद्रा काल से बचते हुये 13 मार्च की रात को 11.27 के बाद होलिका दहन का शुभ मुहुर्त माना गया है। होली पर्व को देश भर में बेहद धूमधाम के साथ मनाया जाता है। होली को कई जगह धुलेंदी भी कहा जाता है। मथुरा-वृंदावन और ब्रज में जिस तरह से होली मनाई जाती है वो देश भर में नामी है। होली में लोग घरों में तरह तरह के पकवान बनाते हैं। होली वाले दिन लोग एक-दूसरे के घर जाकर रंग लगाकर होली की शुभकामनायें देते हैं। रंग और प्रेम का त्यौहार होली पुराने गिले-शिकवों को भुलाकर एक दूसरे को अबीर- गुलाल लगाते हुये बधाई का दिन है। होली खेलने के बाद दोपहर में लजीज व्यंजनों का आनंद लिया जाता है। देश के अलावा विदेशों में भी नई उमंग और खुशियों के साथ मनाया जाने वाला होली का यह पर्व असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है। होली भेदभाव को मिटाने वाला पर्व है। भारत में अलग-अलग राज्यों में भिन्न-भिन्न तरीके से होली का पर्व मनाया जाता है। चूंकि यह प्रसंग राधा-कृष्ण से जुड़ा हुआ माना जाता है इसलिये मथुरा - वृंदावन और बरसाने में इस पर्व की शोभा देखने लायक होती है। यहां पर होली काफी दिन पहले ही शुरू हो जाती है। जिसमें अलग-अलग तरीकों से होली मनायी जाती है। कहीं लट्ठमार होली तो कहीं फूलों से भी होली खेली जाती है। इसके अलावा हमारे देश में विविध ढंग से होली मनायी और खेली जाती है। जैसे कि कुमाऊं की बैठकी होली, बंगाल की दोल-जात्रा , महाराष्ट्र की रंगपंचमी, गोवा का शिमगो, हरियाणा के धुलंडी में भाभियों द्वारा देवरों की फजीहत, पंजाब का होला-मोहल्ला, तमिलनाडु का कमन पोडिगई, मणिपुर का याओसांग, एमपी मालवा के आदिवासियों का भगोरिया आदि। लेकिन ब्रजभूमि की होली; विशेषकर बरसाने की लट्ठमार होली तो पूरी दुनियां में प्रसिद्ध है।

होली की शुरुआत-माना जाता है कि अबीर और गुलाल से होली खेलने का रिवाज बहुत पुराना है। पौराणिक कथाओं अनुसार रंग-गुलाल की यह परंपरा राधा और कृष्ण से शुरु हुई थी। कहते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण बाल उम्र में माता यशोदा से अपने सांवले रंग की शिकायत किया करते थे। वे कहते थे कि मां राधा इतनी सुंदर और गोरी है और मैं इतना काला क्यों हूं? माता यशोदा ने भगवान श्रीकृष्ण को प्रसन्न करने के लिये सुझाव दिया कि वह राधा को जिस रंग में देखना चाहते हैं उसी रंग से राधा को रंग दें।

शांति समिति की बैठक हुई आयोजित, होली त्यौहार, रमजान शांति और सौहार्दपूर्ण से मनाने की अपील

चिन्हांकित स्थलों पर कानून व्यवस्था बनाये रखने के निर्देश

पायनियर संवाददाता ➤ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

अपर कलेक्टर प्रदीप कुमार साहू की अध्यक्षता एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, अनुविभागीय पुलिस अधिकारी, तहसीलदार, पुलिस निरीक्षक, जिला नगर सेनानी एवं विद्युत विभाग के अधिकारी के उपस्थिति में विगत दिवस होली त्यौहार, रमजान, चालीसा काल शांति पूर्ण रूप से मनाये जाने हेतु शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें सभी समुदाय के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में होली त्यौहार, रमजान तथा चालीसा काल सौहार्दपूर्ण से मनाये जाने हेतु समिति के सदस्यों से चर्चा किया गया। साथ ही होलिका दहन के दिन होलिका दहन चिन्हांकित स्थल पर कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु पुलिस सुरक्षा व्यवस्था का निर्णय लिया गया है। होली के दिन शांति पूर्ण बनाये रखने हेतु पुलिस पेट्रोलिंग टीम की निगरानी रखने एवं सभी आवश्यक स्थानों पर पुलिस बल तैनात करने का निर्णय लिया गया। होली दिवस के दिन रमजान (रोजा) होने के कारण मस्जिद के पास पुलिस व्यवस्था करने का निर्णय लिया गया है। होली के दिन शुक्रवार को चर्च में समय दोपहर 12:00 बजे से क्रुस रास्ता एवं मिस्सा पूजा होगा। जिसके लिये चर्च के पास पुलिस सुरक्षा व्यवस्था कराने का निर्णय लिया गया है। अपर कलेक्टर ने बताया कि होली दिवस को स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिकित्सा दल, एम्बुलेंस इत्यादि का प्रबंध किया जावेगा। होली दिवस को नहाने वाले स्थल (तालाब, डेम, नदी) पर गोताखोरों को तैनात करने का निर्णय लिया गया है।

होली पर्व पर बस यात्रियों के लिए मददगार होगा बस संगवारी एप

पायनियर संवाददाता ➤ बिलाईगढ़
www.dailypioneer.com

होली त्यौहार के अवसर पर बस यात्रियों की भीड़ बढ़ जाती है। ऐसी स्थिति में छत्तीसगढ़ सरकार का बस संगवारी ऐप मददगार है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नवंबर 2024 में इस बस संगवारी एप को लॉन्च किया था। इस एप के माध्यम से बस यात्रियों को सभी प्रकार की जानकारी घर बैठे मिलेगी। इस एप से बस की समय सारणी और बस रूट की जानकारी मिलेगी। एप में पांच हजार से अधिक बसों की जानकारी मिलेगी। इस ऐप में कहां से कहां जाने के लिए स्थान का विकल्प भरना होता है, जिससे 24 घंटे चलने वाले बसों की सूची उनके निर्धारित समय के अनुसार मिलेगी। छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग की इस बस संगवारी एप, बस यात्रियों विशेष रूप से दूरस्थ अंचलों के यात्रियों के लिए काफी सुविधाजनक होगा। इस ऐप के लॉन्च होने से पहले यात्रियों को बस की टाइमिंग पता करने के लिए बस स्टैण्ड या बस स्टॉप पर जाना पड़ता है। लोगों की इस परेशानी का समाधान इस एप के जरिए तत्काल मिल सकेगा। छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग की ओर से तैयार कराए गए इस एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं। इस एप के माध्यम से यात्रियों के लिए सार्वजनिक परिवहन सुविधाजनक होगा। इस एप में वर्तमान में पांच हजार से अधिक बसों को शामिल किया गया है, जो विभिन्न रूट में संचालित हैं।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 : जिले में पंजीकृत तीन कृषक उत्पादक सहकारी समितियों का कार्यशाला हुआ आयोजित

- कुनकुरी, पत्थलगांव और कांसाबेल में एफपीओ द्वारा दी जाने वाली विभिन्न सुविधाओं के बारे में दी गई जानकारी

पायनियर संवाददाता ➤ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के लिए जारी कैलेंडर अनुसार सहकारिता विभाग जिला द्वारा पंजीकृत कृषक उत्पादक सहकारी समितियों में परियोजना प्रबंधन एवं पर्यवेक्षण विषय पर कार्यशाला का आयोजन संबंधित एफ्पीओ मुख्यालयों पत्थलगांव, कांसाबेल और कुनकुरी में किया गया। कार्यशाला में एफपीओ के अध्यक्ष एवं सचिव द्वारा सदस्य किसानों को समिति कार्यालय में आमंत्रित कर उन्हें एफपीओ द्वारा दी जाने वाली विभिन्न सुविधाओं जैसे किसानों को उपचारित बीज उपलब्ध कराना, कीटनाशक दवाएं उपलब्ध कराना, सदस्य किसानों को बकरी पालन एवं मत्स्य पालन आदि विविध आय के गतिविधियों से जोड़ने संबंधी जानकारी दी गई। साथ ही किसानों द्वारा उत्पादित विभिन्न फसलों को बाजार मूल्य में बेचने हेतु उचित माध्यम उपलब्ध कराने के साथ ही सुविधाओं से अवगत कराया गया। उक्त कार्यशाला में जिले के तीनों एफ्पीओ के अध्यक्ष, सचिव एवं अन्य किसान सदस्य तथा सहकारिता विभाग एवं अपेक्स बैंक के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सन्ना तहसील के 12 वीएलई को कारण बताओ नोटिस किया गया जारी

जशपुरनगर। अपर कलेक्टर प्रदीप कुमार साहू ने जिला जशपुर के सन्ना तहसील अंतर्गत 12 ग्रामों के वीएलई को कृषक पंजीयन कार्य में रूचि नहीं लेने एवं कृषक पंजीयन के कार्य में संतोषजनक प्रगति नहीं होने की वजह से कारण बताओं नोटिस जारी कर 02 दिवस के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

न्यायालय तहसीलदार सरायपाली जिला-महासमुंद (छ.ग.)

// ईश्तहार //

सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक घनश्याम पिता धार्मिको निवासी ग्राम नयापारा तहसीलदार सरायपाली जिला महासमुंद द्वारा उसके स्वयं के माता सूर्यमुखी का मृत्यु दिनांक 18/09/2020 को ग्राम नयापारा में हुआ है। उक्त जन्म का पंजीयन नहीं हो पाने के कारण उक्त तिथी में आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का आक्षेप/दावा हो अथवा आवेदन प्रस्तुत करना हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनाँक 15/03/2025 को उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 27/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
सरायपाली
जिला-महासमुंद

कार्यालय कलेक्टर, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) एवं पदेन उप सचिव, छ.ग. शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

// प्रारंभिक अधिसूचना //

क्रमांक-/744/भू-अर्जन/2025/बलौदाबाजार-भाटापारा, दिनांक 16/01/2025

चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि नीचे अनुसूची के कॉलम क्रमांक 1 से 5 में दर्शित भूमि की अनुसूची के कॉलम 7 में दर्शित सार्वनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है, अतः भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 (जिसे एतद् पश्चात अधिनियम 2013 कहा जायेगा) की धारा-11 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार सभी व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है, कि राज्य शासन एतद् द्वारा अनुसूची के कॉलम क्रमांक-6 में उल्लेखित प्राधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा-12 के अंतर्गत दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

भूमि का प्रकार					धारा 12 द्वारा प्राधिकृत अधिकारी		सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण
जिला	तहसील	ग्राम/प.ह.नं.	खसरा नं.	क्षेत्रफल (हे. में)			
1	2	3	4	5	6		7
बलौदाबाजार -भाटापारा	सिमगा	ग्राम-दामाखेड़ा प.ह.नं.-08			कार्यपालन अभियंता, म.ज.पं. डिसनेट संभाग क्रमांक 03, तिल्दा-नेवरा जिला-रायपुर (छ.ग.)		चक्रवाही वितरक नहर के लिमतरा माईनर नहर निर्माण हेतु
खसरा	क्षेत्रफल	खसरा	क्षेत्रफल	खसरा	क्षेत्रफल	खसरा	क्षेत्रफल
151, 152 2339	0.188	157/3, 158/5	0.126	636/1 637/1	0.119	644/1	0.117
154/1	0.028	632/1	0.161	637/2 639/1	0.129	739/1	0.363
155, 158/6	0.154	633/3	0.041	640/2	0.112	-	-
157/1, 158/3	0.133	633/4	0.038	641/2	0.113	-	-
157/2, 158/4	0.094	634/2	0.081	643	0.030	-	-
					कुल योग :- 17 नग खसरा		रकबा 2.027 हेक्ट.

2. यह भी सूचित किया जाता है कि उपरोक्त भूमि में से कोई भी हितबद्ध व्यक्ति इस आषय के प्रकाशन की तिथि के 60 दिवस के भीतर अर्जित की जाने वाली भूमि के क्षेत्रफल एवं उपयुक्तता, लोक प्रयोजन के औचित्य तथा सामाजिक समाघात निर्धारण के निष्कर्षों के बारे में अपना दावा/आपत्ति लिखित में कलेक्टर को स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से अधिनियम, 2013 की धारा 15 की उपधारा (1) के अंतर्गत प्रस्तुत कर सकेगा।
3. भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं भू-अर्जन अधिकारी, सिमगा के कार्यालय में किया जा सकता है।
4. प्रस्तावित भू-अर्जन से किसी भी प्रभावित परिवार का विस्थापन निहित नहीं है।
5. प्रस्तावित प्रयोजन के भू-अर्जन के लिए कराये गये सामाजिक समाघात अध्ययन अनुसार भूमि का अर्जन अंतिम विकल्प के रूप में किया जाना प्रस्तावित है तथा भूमि अर्जन से सामाजिक समाघात की तुलना में सामाजिक लाभ अधिक होना पाया गया हैं।
6. प्रस्तावित भू-अर्जन के लिए अधिनियम 2013 की धारा 43 के तहत अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सिमगा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) को पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन में प्रशासक नियुक्त किया गया है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार

कलेक्टर,
जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा
एवं पदेन उप सचिव, छ.ग.शासन
राजस्व एवं आपदा प्रबंध विभाग

G-242505902/2

जशपुर सहित संलग्न जिलों के बस संचालक एवं खदान संचालकों से कलेक्टर ने की चर्चा

मयाली में शिव महापुराण स्थल पर पहुंच हेतु बसों के रूट में करें विस्तार : कलेक्टर

- बड़ी संख्या में श्रदालुओं के आगमन को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

पायनियर संवाददाता ➤ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

जशपुर जिले के कुनकुरी विकासखण्ड के पर्यटन स्थल मयाली में आगामी 21 से 27 मार्च तक शिव महापुराण कथा का वाचन प्रसिद्ध कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के द्वारा किया जाएगा, जिसके लिए प्रशासन ने सभी प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी हैं। इसके तहत कलेक्टर रोहित व्यास ने बुधवार को बस संचालकों एवं खदान संचालकों की बैठक जिला कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित की। इस बैठक में कलेक्टर ने कहा कि पूरे भारत में शिव महापुराण कथा का वाचन करने के लिए प्रसिद्ध वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा का कार्यक्रम इसी माह आयोजित होना है। इस कथा का श्रवण करने के लिए राज्य के विभिन्न भागों से लेकर अन्य राज्यों से भी लोग बड़ी संख्या में यहां आएंगे। ऐसे में लोगों को जिले के संबंध में जानकारी प्राप्त होगी और जिले की अर्थव्यवस्था के साथ साथ पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। ऐसे में श्रद्धालुओं को अधिक से अधिक सुविधा उपलब्ध कराना है जिससे इस अवसर पर किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति ना खड़ी हो। इसके लिए उन्होंने सभी बस संचालकों से बसों को आयोजन स्थल तक श्रद्धालुओं को पहुंचाने की व्यवस्था करने के लिए कहा। उन्होंने भीड़ के नियंत्रण के लिए लोगों के आने एवं जाने के स्थानों का निर्धारण करने, पार्किंग की व्यवस्था, रूट निर्धारण करने पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बस संचालकों को अपने बस रूट को मयाली स्थित आयोजन स्थान तक विस्तारित करने को कहा। इसके लिए उन्होंने जिला परिवहन अधिकारी द्वारा बस संचालकों को अस्थाई परमिट जारी करने के निर्देश दिए। आयोजन स्थल के ड्राप पॉइंट से लेकर आयोजन स्थल तक लोगों को ले जाने के लिए ई-रिक्शा एवं छोटे वाहनों की व्यवस्था हेतु स्थानीय युवाओं को चिन्हांकित कर कार्य में लगाने एवं नियत शुल्क से अधिक शुल्क ना लेने को कहा। उन्होंने सभी बस संचालकों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए ओवरलोडिंग ना करने तथा नियत बस किराया ही लेने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले एवं आस पास के जिलों के आयोजन स्थल के निकट स्थित सभी खदानों के संचालकों को आयोजन दिवस के भीतर लोगों की सुरक्षा के लिए ब्लास्टिंग के कार्य को स्थगित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी मार्गों में भीड़ नियंत्रण एवं परिवहन को सुचारू बनाने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को बड़ी संख्या में लोगों के जमा होने के कारण किसी भी आपातस्थिति से निपटने के लिए आपातकालीन अस्पताल एवं पर्याप्त मात्रा में एम्बुलेंस की भी व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर विश्वास राव मस्के, जिला परिवहन अधिकारी विजय निकुंज सहित अन्य अधिकारी, जशपुर सहित संलग्न जिलों के बस संचालक एवं खदान संचालक उपस्थित रहे।

pnb Housing Finance Limited Ghar Ki Baat

पंजी. कार्यालय : 9वां तल, अंतरिक्ष भवन, 22, के.जी.मार्ग, नई दिल्ली-110001, फोन : 011-23357171, 23357172, 23705414, वेबसाइट : www.pnbhousing.com

रायपुर शाखा:- कार्यालय क्रमांक 111-112, प्रथम तल, प्लॉट क्रमांक 1, ब्लॉक क्रमांक 9, डीबी कॉर्पोरेट पार्क, रजबंधा मैदान, रायपुर, छत्तीसगढ़-492001

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002, अद्यतन संशोधित, के नियम 3(1) के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनरनिर्माण एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अध्याय ।।। की धारा 13(2) के अधीन सूचना

हम, पीएनबी हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड (इसमें आगे "पीएनबीएचएफएल" के रूप में वर्णित) ने वत्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनरनिर्माण एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (इसमें आगे "अधिनियम" के रूप में वर्णित) के अध्याय ।।। की धारा 13(2) अधीन माग सूचना ज़ारी की थी। उक्त मांग सूचना हमारे प्राधिकृत अधिकारी द्वारा निम्नवर्णित आप सब कर्जदारों/सह-कर्जदार/गारटरों को जारी की गई थी, क्योंकि आपका खाता, किश्तों/ब्याज का भुगतान नहीं किए जाने के कारण, भारतीय रिजर्व बैंक/राष्ट्रीय आवास बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार अनार्जक आस्ति के रूप में वर्गीकृत किया गया है। उसकी विषयवस्तु आपके द्वारा मूलधन की किश्तों, ब्याज इत्यादि के भुगतान में की गई चूकों के साथ संबधित है। बकाया राशि नीचे दी गई है। आगे, हमें कारणों के आधार पर विश्वास है कि आप मांग सूचना प्राप्त करने से बच रहे है और इसीलिए यह मांग सूचना प्रकाशित की जा रही है, जैसाकि उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के अधीन अपेक्षित भी है। एतद्द्वारा आपसे उक्त राशि, अद्यतन ब्याज तथा अन्य राशियों सहित, जो भुगतान की तिथि तक देय हो सकती है, इस मांग सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिन की अवधि के भीतर पीएनबीएचएफएल को अदा करने की मांग की जाती है। जिसमें विफल रहने पर पीएनबीएचएफएल उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के प्रावधानों के अधीन, किसी एक या अधिक या सभी प्रत्याभूत आस्तियों के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करेगा, जिसमें कर्जदारों तथा गारंटरों की प्रत्याभूत आस्तियों का कब्जा प्राप्त किया जाना शामिल है। आपका ध्यान, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनरनिर्माण एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की ओर आमंत्रित किया जाता है, जिसके तहत अधीन आप सम्पूर्ण बकाया राशि, पीएनबीएचएफएल द्वारा वहन की गई सभी लागतों, प्रभारों तथा व्ययों सहित, का भुगतान सार्वजनिक नीलामी, जनता से कोटेशन, निविदा आमंत्रण द्वारा अथवा गुप्त समझौते द्वारा प्रत्याभूत आस्तियों की बिक्री की सूचना के प्रकाशन की तिथि तक ही कर सकते हैं। कृपया यह भी नोट करें कि यदि सम्पूर्ण बकाया राशि, पीएनबीएचएफएल द्वारा वहन की गई सभी लागतों, प्रभारों तथा व्ययों सहित, का भुगतान सार्वजनिक नीलामी, जनता से कोटेशन, निविदा आमंत्रण द्वारा अथवा गुप्त समझौते द्वारा प्रत्याभूत आस्तियों की बिक्री की सूचना के प्रकाशन की तिथि तक नहीं किया जाता है, तो आप उसके पश्चात प्रत्याभूत आस्ति(यों) छुड़ाने के हकदार नहीं होंगे। आगे, आप के ऊपर, उक्त अधिनियम की धारा 13(13) के अधीन उपरोक्त प्रत्याभूत आस्तियों का बिक्री, पट्टा या किसी अन्य प्रकार से अंतरण करने के संबंध में, रोक लगी है।

क्र. स.	ऋण खाता सं.	कर्जदार, सह-कर्जदार का नाम / पता	ग्रांटर का नाम और पता	बंधक सम्पत्ति	मांग सूचना की तिथि	मांग सूचना के अनुसार बकाया राशि
1.	HOU/RAI/1122/1048643, बी.ओ. रायपुर	श्री/सुश्री सचिन कुमार गेदाम (आवेदक) और श्री/सुश्री नीता गेदाम (सह-आवेदक) आवासीय पताः एच नंबर सीएच 605, आदित्य नगर, नवीन स्कूल के पीछे, दुर्ग, छत्तीसगढ़-491001, दुर्ग, भारत। स्थायी पताः अम्बेडकर चौक, शंकर नगर, दुर्ग, छत्तीसगढ़-491001, दुर्ग, भारत। कार्यालय का पताः गेदाम डिजिटल आर्ट, 605, आदित्य नगर, नवीन स्कूल के सामने, दुर्ग, छत्तीसगढ़-491001, दुर्ग, भारत।	NA	हाउस नंबर ईआई 605, सीजी हाउसिंग बोर्ड, आदित्य नगर दुर्ग, तह और जिला दुर्ग,छत्तीसगढ़-491001, दुर्ग, भारत।	06.03.2025	रु.11,77,083.36/- (रुपये ग्यारह लाख सतहत्तर हजार तिरासी और छत्तीस पैसे मात्र)

स्थानः रायपुर, दिनांकः 14.03.2025 प्राधिकृत अधिकारी, वास्ते पीएनबी हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड

संपादकीय

महिलाओं की गरिमा कटु यथार्थ

महिलाओं की गरिमा के बारे में प्रतीकात्मक संकेतों से अलग हट कर कटु यथार्थ का सामना करने का समय आ गया है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के ठीक दो दिन बाद तीन परेशान करने वाली घटनायें सामने आईं। हंपी में एक इज़राइली पर्यटक से बलात्कार, पुणे में एक व्यक्ति द्वारा चौराहे पर पेशाब करने की निंदनीय घटना तथा बिहार में अश्लील गानों का प्रचार ऐसी घटनायें हैं। ये घटनायें भले ही एक दूसरे से अलग दिखें, पर वे समाज में परेशान करने वाली प्रवृत्ति का संकेत देती हैं। यह समाज नैतिक रूप से पतित, महिलाओं की गरिमा के प्रति उदासीन तथा लगातार जेंडर समानता के प्रति संवेदनहीन होता जा रहा है।

मूल्यों में यह पतन ऐसे देश में हो रहा है जहां एक समय नारीत्व का सम्मान कर महिलाओं को ऊंचा दर्जा दिया जाता था। मनुस्मृति का लोकप्रिय श्लोक, 'यत्र नार्यस्तु पूजयंते, रमन्ते तत्र देवता' का अर्थ है कि जहां नारियों का सम्मान होता है, वहीं देवत्व फलता-फूलता है। यह हमें याद दिलाता है कि महिलाओं का सम्मान होना और समाज में उनको महत्व मिलना चाहिए। ऐतिहासिक रूप से अपाला, घोषा, लोपामुद्रा और गार्गी जैसी महिलाओं ने प्राचीन भारत को गौरवान्वित किया था। आधुनिक समय में असंख्य महिलाओं ने विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिए हैं। लेकिन इसके बावजूद वर्तमान स्थिति को देख कर आश्चर्य होता है कि क्या देवताओं ने हमारा साथ छोड़ दिया है। आखिर क्या गलत हुआ है? एक समय नारीत्व का उत्सव मनाने वाले देश में इतना व्यापक महिला-द्वेष तथा नैतिक पतन क्यों दिख रहा है? हम कब गलत रास्ते पर चले गए? अपने पतन के लिए पश्चिमी प्रभाव पर दोषारोपण एक कमजोर बहाना है। सच्चाई यह है कि प्रगति में अग्रणी भूमिकायें निभाने के बावजूद महिलाओं को पितृसत्ता के कठोरतम रूपों का सामना करना पड़ रहा है। इनमें घरेलू हिंसा से लेकर कार्यस्थल पर भेदभाव तक शामिल है। भारतीय महिलायें लगातार अंतर्निहित पूर्वाग्रह के खिलाफ संघर्ष कर रही हैं। इनमें तथाकथित शिक्षित व सभ्य पुरुष शामिल हैं जो जेंडर समानता का मामला आने पर सुविधाजनक ढंग से अपने आदर्श छोड़ देते हैं।

हो सकता है कि उपरोक्त तीनों घटनायें सामान्य बात न हों, पर वे एक व्यापक व गहरी समस्या के लक्षण बताती हैं। पिछले वर्षों में हमने महिलाओं की वस्तु के रूप में छवि मजबूत की है। महिलाओं को दर्शनीय स्तर तक सीमित करने वाले विज्ञापनों, बालीवुड फिल्मों में पुरुषों को प्रोत्साहित करने के लिए दूसरे दर्जे की भूमिका निभाने या लोकप्रिय साहित्य में घर का प्रबंधन करने और बच्चे पालने की परंपरागत भूमिकायें निभाने की छवियों से यह स्पष्ट है। हाल ही में कई राजनेताओं ने महिलाओं के खिलाफ भद्दी टिप्पणियां की हैं। समस्या बहुत गंभीर है। शोभा की वस्तु बनाने के बजाय समाज को पूरी तरह महिला शक्ति के प्रति जागरूक होना तथा उनके अंतर्निहित मूल्यों का सम्मान करना चाहिए। सबसे पहले हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि भारत में महिलाओं की स्थिति दयनीय है। इस मुद्दे की अनदेखी करने से सहायता नहीं मिलेगी। जब वीरदास जैसे स्टैंडअप कामेडियन ने कहा कि भारत दिन में महिलाओं की पूजा करता है और रात में उनका उत्पीड़न करता है तो तूफान खड़ा हो गया था। इसके बावजूद यह कटु यथार्थ है।

बड़बोलेपन और बहानों से सत्य नहीं बदलता है। अतीत के प्रतीकात्मक संकेत और उत्सव अपना महत्व खो चुके हैं और अब असली कार्रवाई का समय आ गया है। केवल कठोर कानूनों से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि उनका समुचित क्रियान्वयन होना चाहिए। उल्लेखनीय है कि अनेक कठोर कानूनों के बावजूद देश में महिला-विरोधी अपराधों में अभियोजन दर बहुत कम है जिससे क्रियान्वयन की कमी स्पष्ट होती है। हमें पुरुषों में शुरुआत से ही जेंडर संवेदनशीलता पैदा करनी होगी। लड़कों को बताया जाना चाहिए कि उनकी बहनों का अधिकार समान है और समाज को हर स्तर पर समानता को मजबूत करना चाहिए। ऐसे सांस्कृतिक परिवर्तन की जरूरत है जो महिलाओं के लिए सुरक्षित व न्यायोचित परिवेश बनाए। ऐसा होने पर ही उनका सच्चा सम्मान संभव है। हमने 'द पायनियर' में यह पहल की है और समाज को गहरी निद्रा से जगाने के लिए अपने पाठकों को इस अभियान में शामिल करना चाहते हैं।

यूरोप के समक्ष कठोर चुनौतियां

यूरोप अपने प्रभुत्व की पुराने अवधारणाओं से चिपका है, लेकिन यूक्रेन युद्ध ने दशकों की रणनीतिक गलतियों और धोखेबाजी को उजागर कर दिया है। यूरोप को कठोर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

नीलांत इलांगमुवा
(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

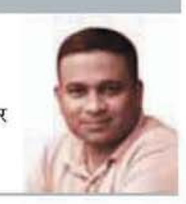

पिछले सप्ताह व्हाइट हाउस के ओवल आफिस में हुई घटना भू-राजनीतिक स्वांग से कुछ कम नहीं है। एक समय पश्चिम में लोकतंत्र के मूल्यवान प्रतीक माने जाने वाले वोलोदिमिर जेलेन्स्की अब डोनाल्ड ट्रंप और उनके निकटवर्ती लोगों के लिए एक बोझ तक सीमित हो गए हैं। अपने राजनीतिक कॅरियर के सर्वाधिक अपमानजनक क्षण से निकलने का प्रयास करते समय उनके स्वर में निराशा स्पष्ट थी। लेकिन ट्रंप अब पुराने पड़ चुके जेलेन्स्की के बजाय यूक्रेन में ऐसे चेहरे की तलाश कर रहे हैं जो अमेरिकन हितों की बेहतर सेवा कर सके। इतिहास का कटु यथार्थ चक्रों में सामने आता है और ऐसा लगता है कि अब जेलेन्स्की पश्चिम की बढ़ती विफलताओं के लिए बलि का बकरा बनने के कगार पर हैं। यह स्थिति पुराने मुहरों की तरह है जिनको उपयोगिता समाप्त होने पर उनको खारिज कर दिया गया था। लेकिन यह क्षण यूक्रेनी नेता के लिए निराशाजनक क्षण के अलावा भी कुछ है। यह बहुत गहरी बीमारी का लक्षण है जिससे अब यूरोप बच नहीं सकता है। यूरोपीय महाद्वीप ने शताब्दियों से स्वयं को पुनरुत्थान, लोकतंत्र और सभ्यता के केन्द्र की तरह पेश किया है, पर अब वह विनाशकारी घटनाओं के मोड़ पर है। यूक्रेन युद्ध की विभीषिका स्वयं उन हाथों ने पैदा की है जो शांति की खोज का दावा करते हैं। यह उस अस्तित्व के संकट का लक्षण है जो शताब्दियों नहीं तो दशकों से तैयार हो रहा था।

यूरोप के विशिष्ट शासक वर्ग अपने वर्चस्ववादी अतीत के भ्रम में थे और उन्होंने न केवल बाहरी शक्तियों, बल्कि अपने दीर्घकालीन अस्तित्व के खिलाफ धोखे पर धोखे दिए। सोवियत संघ-यूएसएसआर को दिया गया भयानक धोखा पश्चिमी दोमुंहेपन की माहिर चाल थी। सोवियत संघ का विघटन कोई आकस्मिक घटना न होकर सावधानी से चली चाल थी। इसें यूरोप, अमेरिका और ब्रिटेन ने अपने साथ साझेदारी के बहाने मास्को का भू-राजनीतिक विस्तार समाप्त किया। व्लादीमिर पुतिन ने 2007 के अपने म्यूनिख भाषण में पश्चिम की धोखाधड़ी का खुलासा करते हुए कहा था, 'वारसा संधि समाप्त होने के बाद पश्चिमी साझेदारों द्वारा दिए गए आश्वासनों का क्या हुआ? ये घोषणायें आज कहां हैं? कोई उनको याद नहीं करता है, लेकिन में स्रोताओं को इसकी याद दिलाना चाहूंगा। नाटो महासचिव श्री वूर्नर ने ब्रसेल्स में 17 मई 1990 को कहा था, यह तथ्य है कि हम जर्मन क्षेत्र के बाहर नाटो सेना तैनात न करने के लिए तैयार हैं बशर्ते कि सोवियत संघ इसकी मजबूत सुरक्षा गारंटी दे। आज ये गारंटियां कहा हैं?' ये आश्वासन खोखले शब्दों के सिवा और कुछ नहीं थे जिनको पश्चिमी वर्चस्व की शतरंज पर रखा गया था। नाटो ने हर प्रतिबद्धता को खारिज कर अपना विस्तार किया और रूस को घेर लिया। इस प्रकार उसने प्रदर्शित किया कि यूरोप का अपने वादों पर अमल करने का कोई इरादा नहीं था। 1991 के बाद रूस का जानबूझ कर अपमान, नाटो का पूरब की ओर विस्तार तथा पश्चिमी सलाह से 'शाक थेरेपी' द्वारा रूसी आर्थिक जोखिमों का लाभ उठाना एक प्रकार से रणनीतिक गुलामी थोपना था। इसके बावजूद एक असाधारण परिवर्तन के कारण सोवियत संघ के विघटन की जिम्मेदार रही शक्तियां अब अपने विघटन की तैयारी कर रही हैं। इतिहास यूरोप के विखंडन, राजनीतिक धोखाधड़ी और स्वयं किए घावों से भरा है। प्रथम विश्वयुद्ध के बाद शांति सुरक्षित करने के लिए हुई वार्सिली की संधि ने इसके बजाय दूसरे विश्वयुद्ध की नीव डाली क्योंकि सत्ता के नशे में चूर यूरोपीय शक्तियों ने भावी विनाश के बीज बो दिए थे। जर्मनी के विभाजन, म्यूनिख में हिटकर के तुष्टीकरण तथा शीतयुद्ध ने इस महाद्वीप का विभाजन किया और ये सभी यूरोपीय शासक वर्ग द्वारा समस्या समाधान के बजाय उनको पैदा करने की प्रवृत्तियों के कारण था। नेपोलियन के युद्धों ने यूरोप को लगातार परिवर्तनशील बनाए रखा जहां वर्चस्ववादी प्रभुत्व की तलाश में गठबंधन बने और तोड़े गए। 19वीं शताब्दी में महाद्वीप को स्थिर करने के प्रयासों से यूरोप की अवधारणा पैदा हुई, लेकिन यह अंततः साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षाओं तथा राष्ट्रवादी आंदोलनों से नष्ट हो गई। यूरोपीय एकता ऐतिहासिक रूप से एक भ्रम था जिसे सहयोग के आंदोलनों से मजबूत करने का प्रयास हुआ, लेकिन वे जल्द ही दुश्मनियों में बदल गए।

इस रक्तरंजित इतिहास के बावजूद आधुनिक यूरोपीय नेताओं ने उस विनाशकारी चक्र को स्वीकार करने से इनकार किया जिसे उन्होंने यूक्रेन में जन्म दिया था। अमेरिकन हितों की गुलामी से बंधे यूरोप ने आंखें बंद कर वाशिंगटन का ईराक, लीबिया, सीरिया या अब यूक्रेन में हर भू-राजनीतिक कदम में समर्थन किया और इसके दीर्घकालीन प्रभावों पर विचार नहीं किया। यूक्रेन का वर्तमान टकराव दशकों से जारी रणनीतिक गलतियों का नतीजा है। यूरोपीय संघ-ईयू ने राजनयिक समानता स्थापित करने के बजाय यूक्रेन को रूस के खिलाफ लड़ने के लिए हथियारों से लैस किया जिससे उसकी किस्मत तय हो गई। सच्ची रणनीतिक स्वायत्तता के रास्ते पर चलने के बजाय यूरोप अमेरिका का संरक्षित क्षेत्र बन गया क्योंकि इससे उसे अपना निरंतर प्रभुत्व सुनिश्चित होने का विश्वास था। लेकिन वाशिंगटन का ध्यान एशिया की ओर जाने तथा ट्रंप द्वारा 'अमेरिका फर्स्ट' की घोषणा से लहर उलट गई और अब यह महाद्वीप इस कटु यथार्थ का सामना कर रहा है कि बिना मूलभूत पुनः ध्रुवीकरण के इसका कोई भविष्य नहीं है।

पिछली शताब्दी न केवल रूस, बल्कि वैश्विक दक्षिण, लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और एशिया के खिलाफ उसके दोमुंहेपन का प्रमाण है जो प्रगति के नाम पर किए गए उसकी औपनिवेशिक लूट और आर्थिक शोषण का शिकार हुए। अब यूरोप के विशिष्ट लोग यूक्रेन में स्वयं को नैतिक रूप से सही सिद्ध करने में लगे हैं, पर उन्होंने दुनिया को अकथनीय संकटों का शिकार बनाया है। फ्रांस का अब भी अफ्रीकी देशों पर सीएफए फ्रैंक के माध्यम से मौद्रिक शिकंजा है, ब्रिटेन का लगातार अपने पूर्व उपनिवेशों में अनावश्यक प्रभाव है तथा यूरोपीय वित्तीय संस्थान पूरे क्षेत्र की आर्थिक नीतियां तय करते हैं। रूस को संप्रभुता पर भाषण देने वाले यूरोप को आज सीमायें पुनः निर्धारित करने, सरकारें गिराने और सत्ता पर अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए लड़ाइयां करवाने से कोई एतराज नहीं है। लेकिन यह परियोजना अपने विरोधाभासों से ध्वस्त हो रही है। चीन, रूस तथा वैश्विक दक्षिण के साथ बढ़ती बहुध्रुवीयता वैकल्पिक आर्थिक एवं राजनीतिक गठबंधनों को जन्म दे रही है जो पश्चिमी वर्चस्व घटने के संकेत दे रहे हैं। दूसरों पर अपनी इच्छा थोपने का आदी यूरोप अब स्वयं को संकट में पा रहा है। वह आत्मनिर्भरता से दूर है, उसमें सच्चे नेतृत्व का अभाव है और सबसे ज्यादा परेशानी की बात है कि समय अब उसका नहीं है। यूरोपियन नाभिकीय प्रतिरोध पर मैक्रान के हालिया बयान से स्पष्ट है कि अब अमेरिकन सुरक्षा गारंटियों का उतना महत्व नहीं है। लेकिन अब भी यूरोप का विशिष्ट वर्ग संकट में अपनी संलिप्तता स्वीकारने से इनकार कर रहा है। आत्मवलोकन के बजाय उसने 'ब्लीड रसिया ड्राई' रणनीति के अंतर्गत यूक्रेन में अरबों डालर खर्च किए। शीतयुद्ध की यह शुरुआती रणनीति अब स्वयं यूरोप का संकट बन गई है।

इसके परिणामस्वरूप मुद्रास्फीति, ऊर्जा संकट, वि-औद्योगीकरण तथा बढ़ता सामाजिक तनाव सामान्य बातें हो गई हैं। यूरोपीय संघ ने स्वयं को आर्थिक विकलांगता में धकेला है, उसका औद्योगिक आधार घट रहा है, जबकि अमेरिकन निगम दुनिया के सर्वाधिक सक्षम आर्थिक समूह रहे स्थान का लाभ उठा रहे हैं। यूरोप का आर्थिक इंजन कहा जाने वाला जर्मनी अपने ही भार से धंस रहा है क्योंकि उसने अमेरिकन आदेशों पर अपनी निर्भरता बना ली थी। प्रतियोगी हितों के कारण फ्रैंको-जर्मन धुरी टूट रही है। दक्षिणी यूरोप उत्तरी यूरोप की बचत का विरोधी है, पूर्वी यूरोप लगातार ब्रसेल्स के अधिकार को चुनौती दे रहा है तथा ब्रिटेन पहले ही बाहर जा चुका है। अब यूरोप के जागने का समय आ गया है। वह राजनीतिक प्रभुत्व की विफल विचारधारा से बाहर निकल कर और रूस के साथ समझौता कर संप्रभु हितों से परिभाषित भविष्य की ओर बढ़ सकता है या अप्रासांगिक हो सकता है। यह पसंद आसान नहीं है। यूरोप को सोवियत संघ का सबक नहीं भूलना चाहिए। यूरोप आज विनाश के कगार पर खड़ा है, ऐसे में केवल यही देखना होगा कि वह पीछे लौटने की हिम्मत दिखाता है या पूरी तरह खाई में गिर जाता है।

दो राजनेताओं के बीच टकराव

> आत्मविश्वास ज़ोरदार या बेबाक नहीं होता। यह शांत और अडिग होता है। यह जानना है कि चाहे कितनी भी ताकतें हमें गिराने की कोशिश करें।

आशा अय्यर कुमार
(लेखिका, स्तम्भकार हैं)

मैं यह कॉलम शुक्रवार को लिख रही हूं। ठीक एक सप्ताह पहले, लगभग इसी समय, मीडिया के सामने ओवल ऑफिस में एक गाली-गलौज का मुकाबला हुआ। जब लोग इस नाटक को देख रहे थे, तो मैं उस समय आश्चर्यचकित रह गया जब युद्ध के समय के एक नेता को दो ऐसे लोगों ने मनोवैज्ञानिक रूप से पराजित कर दिया जो पश्चिमी दुनिया की ताकतवर शक्तियां हैं।

यह एक ऐसा दृश्य था जो मुझे बहुत ही अजीब लगा, न केवल एक भू-राजनीतिक टकराव के रूप में, बल्कि उन दबावों का एक स्पष्ट उदाहरण भी था जिनका हम सभी अनियंत्रित सत्ता की उपस्थिति में सामना करते हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प ने बैठक की शुरुआत से ही एक असहज माहौल बना दिया जब उन्होंने मिलते ही राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की के पहनावे के बारे में एक तीखी टिप्पणी की। हालांकि यह अनौपचारिक लग रहा था, लेकिन यह आलोचना सामने थी और पूर्व की असहजता स्पष्ट से भी अधिक थी। उस दिन मैंने जो देखा वह जीवन का एक हिस्सा था जिसका हम सभी हिस्सा रहे हैं, किसी न किसी रूप में काम पर, घर पर और रिश्तों में जहाँ सत्ता का बोलबाला है, शक्ति असंतुलन के सामने समर्पण की मांग करता है। मैं उन यादों को याद करके सिहर गया - गैसलाइटिंग और मेरे अपने जीवन से छेड़छाड़ के प्रकरण - और खुद को यह सोचते हुए पाया।

जब हम इस तरह के अपमानजनक व्यवहार के अधीन होते हैं, तो हमें क्या करना चाहिए, खासकर जब यह अप्रत्याशित रूप से हम पर थोपा जाता है? इन क्षणों में हम किस तरह का मानसिक रवैया अपना सकते हैं? हम उस जबरदस्ती का जवाब कैसे देते हैं जो हमारे साहस को खत्म करना चाहती है, और किस तरह का कवच हमें हमारे रास्ते में आने वाली %सबसे निर्दयी चोटों% से बचा सकता है? पहला कदम जागरूकता है। शक्ति के खेल को पहचानना हमें भावनात्मक रूप से खुद को सुरक्षित रखने की अनुमति देता है। अक्सर, बदमाश वास्तविकता को विकृत करके पनपते हैं - शब्दों को तोड़-मरोड़ कर, कहानियों को गढ़कर, और हमें अपर्याप्त, ऋणी या छोटा महसूस कराकर।

मनोवैज्ञानिक हेरफेर कपटी है। लेकिन जब हम पीछे हटते हैं और खेल को खेलते हुए देखते हैं, तो हम खुद को उस भावनात्मक दलदल से अलग कर सकते हैं जिसमें वे हमें घसीटने का प्रयास करते हैं। यह हमारी भावनाओं की सच्चाई को नकारने के बारे में नहीं है, बल्कि उन्हें देखने, उनके स्रोत पर सवाल उठाने और उन्हें हमें परिभाषित न करने देने के बारे में है। आत्म-मान्यता इस मानसिक दृढ़ता की आधारशिला है। ऐसी दुनिया में जहाँ हम बाहरी स्वीकृति पाने के लिए तैयार हैं, हेरफेर का शिकार होना आसान है। लेकिन जब हम अपने आत्म-मूल्य को अपनी समझ के आधार पर तय करते हैं कि हम कौन हैं, तो हम डराने-धमकाने के लिए कम संवेदनशील हो जाते हैं। अब हम दूसरों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए खुद को झुकाएँगे या मोड़ेंगे नहीं। हम जैसे हैं वैसे ही पर्याप्त हैं। और फिर भावनात्मक अलगाव आता है। धमकाने वाले भावनात्मक प्रतिक्रियाओं पर पलते हैं। वे चाहते हैं कि हम प्रतिक्रिया करें, झिझकें, कमज़ोरी दिखाएँ। कुंजी हमारी भावनाओं को दबाना नहीं है, बल्कि एक शांत, अवलोकनात्मक रुख विकसित करना है। जब हम आवेगपूर्ण प्रतिक्रिया करने की इच्छा का विरोध करते हैं, तो हम उन्हें असंतुलित कर देते हैं।

एक शांत प्रतिक्रिया, या इससे भी बेहतर, एक संतुलित मौन, अक्सर किसी भी शब्द से ज़्यादा ज़ोर से बोलता है जिसे हम उस पल की गर्मी में जुटा सकते हैं। मौखिक बमबारी के सामने, कभी-कभी कुछ न करना सबसे शक्तिशाली प्रतिक्रिया होती है।

गरिमापूर्ण चुप्पी उन्हें बेचैन कर देती है क्योंकि यह संकेत देती है कि हम आसानी से उत्तेजित नहीं होते। उन क्षणों में, हम एक भी शब्द बोले बिना नियंत्रण को फिर से स्थापित करते हैं। ऐसी स्थितियों में जहाँ हमें एक कोने में धकेल दिया जाता है, हम तथ्यों को प्रस्तुत करके कहानी को फिर से बना सकते हैं। उदाहरण के लिए, अगर हम पर जबरन आभार व्यक्त करने का दबाव डाला जाता है, तो हम कह सकते हैं, हम दोनों को इस सहयोग से लाभ हुआ है। सच्चाई को फिर से केंद्र में रखकर, हम उनके प्रभाव को कम करते हैं और अपनी एजेंसी को मजबूत करते हैं। अंततः, कुंजी हमारी सीमाओं को जानना और अपनी गरिमा से समझौता करने वाली रियायतों को अस्वीकार करना है। जिस क्षण हम अनुचित मांगों के आगे झुकते हैं, हम हेरफेर के चक्र को जारी रखने की अनुमति देते हैं। इसलिए, हमें पता होना चाहिए कि कब नहीं कहना है और उस निर्णय पर दृढ़ रहना है। लेकिन इन सबके लिए आत्मविश्वास की आवश्यकता होती है, और आत्मविश्वास, किसी भी कवच की तरह, समय के साथ बनता है।

हम अपने भीतर जो संवाद करते हैं, वह बहुत मायने रखता है। धमकाने वाले हमें अपनी योग्यता पर संदेह करवा सकते हैं, लेकिन हमें उस कहानी को फिर से लिखना चाहिए, प्रतिदिन पुष्टि करनी चाहिए कि हम इसके योग्य हैं, और हमें जबरदस्ती के सामने झुकने की आवश्यकता नहीं है। रिहर्सल और मानसिक तैयारी के ज़रिए मुश्किल बातचीत के लिए खुद को तैयार करना घबराहट को संयम में बदल सकता है। अंत में, सत्ता के खेल, गैसलाइटिंग और जबरदस्ती के खिलाफ़ सबसे गहरा बचाव एक अटूट लापरवाही है।

आत्मविश्वास ज़ोरदार या बेबाक नहीं होता। यह शांत और अडिग होता है। यह जानना है कि चाहे कितनी भी ताकतें हमें गिराने की कोशिश करें, हम अडिग हैं। हम मजबूती से खड़े रहते हैं, इसलिए नहीं कि हम दर्द से मुक्त हैं, बल्कि इसलिए कि हम इसे खुद को परिभाषित करने से मना करते हैं।

आप की बात

खड़गे की फिसलन

राज्यसभा में डिप्टी चैयरमेन हरिवंश ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को बोलने से रोका-टोका तो खड़गे ने ठोकने की बात कर दी। हालांकि, गलती समझ में आने पर उन्होंने कहा कि मैं तो सरकार को ठोकने की बात कर रहा हूँ। उसके बाद वे बोले कि मैं सरकार की नीतियों को ठोंकने का बोल रहा था। उन्होंने बाद में सफाई देते हुए कहा कि मेरी बात से अगर किसी को ठेस पहुंची है तो मैं माफी माँगता हूँ किन्तु सरकार से माफी नहीं मांगूगा, सरकार की नीति को तो हम ठोकेंगे ही। सभी सांसदों ने यह टिप्पणी कार्रवाई से निकालने की मांग की है। समझ में नहीं आता कि आज के राजनीतिज्ञों को क्या हो गया है, कुछ भी बोल देते हैं फिर चाहे इससे संसद को ठेस पहुंचे या देश की अस्मिता को हानि। खड़गे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं, इसलिए यदि उनकी जुबान फिसल गई थी तो गरिमापूर्ण ढंग से माफी मांग सकते थे। ऐसा कर वे अपने दल तथा विपक्षी दलों के अन्य सांसदों को उचित सबक दे सकते थे, लेकिन उन्होंने स्वयं को सही ठहराने के लिए जो लीपापोती की उसे किसी प्रकार सही नहीं ठहराया जा सकता है। सभी सांसदों को समझना चाहिए कि देश की युवा पीढ़ी का ऐसे व्यवहार से राजनीति और राजनेताओं से विश्वास उठता जा रहा है।

– **शकुंतला महेश नेनावा**, इंदौर

खुशनुमा होली

होली का पर्व शांति, सौहार्द व भाईचारे के साथ मनाने व बुराई को दूर करने का पर्व है । इस दिन दोस्त तो दोस्त दुश्मन भी सब रंग में घुल-मिल कर खिल-खिलाकर गले लग जाते हैं। लेकिन होली व रमजान को लेकर पर्व के पहले ही बयानों की हुड़दंग लीला शुरू हो गई है जो न केवल निंदनीय है, बल्कि इस पर्व की महत्ता पर भी पानी फेरने वाली कवायद है। होली व रमजान को लेकर कुछ राजनेताओं तथा अन्य लोगों द्वारा निरर्थक व अर्नगल बयान बाजी की जा रही है। इसकी प्रतिक्रिया में बयानवीर मैदान में उतर आए हैं। यह एक लोकतांत्रिक देश के लिए शर्मसार करने वाली बात है। इतने वर्षों से देश में होली खेली जा रही है, मगर कभी भी इस प्रकार की बचकानी बातें नहीं की गई है। नफरत व राग-द्वेष की खाई बढ़ाने वाले बयान देश की एकता व भाईचारे के साथ-साथ पर्व के लिए भी घातक हैं। हिंदू, मुस्लिम, सिख, इसाई सभी अपनी-अपनी सुविधा व स्वेच्छा से इन पर्वों को हिल मिलकर मनाते आ रहे हैं। जिसे पसंद नहीं है, उसे नहीं छेड़ा जाना चाहिए ताकि कोई विवाद ना हो। होली के खुशनुमा सबरंग को बदरंग में तब्दील नहीं किया जाना चाहिए। पर्व को पर्व ही रहने दें, इन्हें राजनीति में न घसीटें।

– **हेमा हरि उपाध्याय**, उज्जैन

सीरिया में रक्तपात

दिसंबर 2024 में जब विद्रोही सैनिकों ने पहली बार दमिश्क में प्रवेश किय तो तानाशाह बशर अल असद मास्को भाग गए। इसके बाद दमिश्क विद्रोहियों के हाथों में चला गया। उसके बाद से सीरिया के भीतर और शरणार्थी सीरियाइयों के चेहरों पर खुशियां देखने को मिली। शायद 1971 के बाद पहली बच्चे बूढ़े और जवान मर्द और औरतें खुशी से नाच रहे थे। 1971 से सीरिया बशर के पिता और सर्वशक्तिमान राष्ट्रपति हाफ़िज़ अल असद के नियंत्रण में था। उनकी मृत्यु के बाद 2000 में बशर ने सत्ता संभाली। 2011 में अरब स्प्रिंग ने पूरे पश्चिम एशिया में तानाशाहों को उखाड़ फेंका तो असद के खिलाफ़ भी विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। लेकिन बशर अल असद को देश से निकालने में और 13 वर्ष लगे गए। इसके बाद लगा क्षेत्र में शांति लौट आयी है। मगर विगत एक सप्ताह से एक बार फिर सीरिया में मार काट शुरू हो गई है। सीरिया में सरकार-विरोधी समूहों और सुरक्षा बलों के बीच झड़पों और बदला लेने वाली हत्याओं के चलते 1200 से अधिक लोग मारे गए हैं। यह 14 साल पहले देश में शुरू हुए गृहयुद्ध के बाद हिंसा का सबसे भयानक विस्फोट है। आशा करनी चाहिए कि सीरिया में सरकार और विरोधियों की ओर से बदला लेने के बजाय शांति बहाली के प्रयास होंगे।

– **जंग बहादुर सिंह**, जमशेदपुर

बौद्धों की मांग

बिहार के गया जिले में स्थित महाबोधी विहार चर्चा के केंद्र में है। 12 फरवरी, 2025 से महाबोधि विहार के परिसर में भिक्कु संघ एवं बौद्ध धम्म के अनुयायियों द्वारा महाबोधि विहार मैनेजमेंट कमेटी में संशोधन करने के संदर्भ में धरना दिया जा रहा है। इस शांतिपूर्ण धरने की मांग है कि सभी 9 प्रतिनिधि बौद्ध धर्म से मनोनीत किए जाएं। आरोप है कि महाबोधि मंदिर एक्ट, 1949 के माध्यम से बौद्ध मंदिर पर हिंदू धर्म के प्रतिनिधियों को शामिल करने से करोडों बौद्धों की भावनाओं को ठेस पहुंची है। एक्ट के अनुसार चार प्रतिनिधि हिंदू धर्म से और चार बौद्ध धर्म से होते हैं। गया के जिलाधिकारी इसके पदेन अध्यक्ष होते हैं। हालांकि, यह मांग बहुत पुरानी है, पर बौद्धों की इस मांग को वर्तमान संदर्भ में भी देखा जाना चाहिए। अनेक सनातनी हिंदू संगठन हिंदू मंदिरों और मठों, आदि से सरकारी नियंत्रण हटाने की मांग कर रहे हैं और इसके पक्ष में एक बार फिर प्रयागराज में महाकुंभ के अवसर पर सतों ने प्रस्ताव पास किया है। अतः बौद्धों की मांग को उसी धर्म के धर्मानुयाइयों द्वारा धर्मस्थल प्रबंधन के अधिकार के व्यापक संदर्भ में देखना चाहिए।

– **वीरेंद्र कुमार जाटव**, दिल्ली

इस कॉलम में अपने विचार या प्रतिक्रिया भेजने के लिए हमारे ई-मेल pioneer.editorial@gmail.com पर भी भेज सकते है।

सड़क किनारे लगे पेड़ पौधों को रंग लगाकर पर्यावरण प्रेमी ने पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

होली पर केमिकल रंगों को छोड़ कर प्रकृति के साथ रंगें फूलों के साथ होली खेलने का अपील

पायनियर संवाददाता बालोद
www.dailypioneer.com

देश भर में रंगों के त्योहार होली की धूम मची है। चहुओर लोग रंग, गुलाल लगाकर एक दूसरे को बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देते होली के जश्न में डूबे हैं। देश के किसी कोने में लठमार होली खेली जा रही है तो कहीं कुर्ता फाड़ होली की धूम है। इसी बीच पर्यावरण प्रेमी भोज साहू व उनके छः वर्षीय पुत्र वृक्षांश साहू नीम पेड़ों के साथ अनोखी होली मनाई। हल्दी, चंदन, कुमकुम व विभिन्न रंगों के फूलों से रंग मिलाकर पेड़ पौधे पर रंग लगाया। साथ ही उनके साथी शुभम् गुर्वे, डेमन सिन्हा, दर्शन सहारे, सरपंच कुलदीप ठाकुर ने पेड़ पौधों के साथ होली मनाई और उनका आभार जताया। पेड़ पौधों के साथ होली मनाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। दरअसल पर्यावरण प्रेमी भोज साहू लगभग डेढ़ दशक से पेड़ पौधों के साथ होली, दीवाली और रक्षा बंधन का त्योहार मनाते आ रहे हैं। इसके अलावा पर्यावरण संरक्षण के लिए अनेकों मुहिम चलाते आ रहे हैं। गर्मी के दिनों में पशु पक्षियों के लिए दाना पानी का इंतजाम करते आ रहे हैं ।

राखी बांधकर भी पर्यावरण संरक्षण का दिया गया था संदेश

पर्यावरण प्रेमी भोज साहू ने बताया कि लोगों को पर्यावरण के प्रति जोड़ने व पर्यावरण के सुरक्षा के लिए हम सभी को आगे आने की आवश्यकता है। आज लोग होली के नाम अनेको हरे भरे पेड़ पौधे का काटकर होलिका दहन कर देते हैं। पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे इस बात को ध्यान में रखते हुए सुखा लकड़ी कंडा को जलाने व कैमिकल युक्त रंग न खेलकर प्रकृति में खिले पेड़ पौधे के फुलों पलाश, गुलाब, गेंदा जैसे फुलों से खेलने के लिए अपील किया है। कुछ दिन बाद इसी पेड़ों को काटकर नाली निर्माण व बिजली तार खिंचने के लिए कटाई होने वाला था। जिसे रोकथाम करवाया था। इन्हीं पेड़ पर कबाड़ से जुगाड कर रक्षाबंधन के समय बड़ा सा राखी बनाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश लिखकर लटकाया है। जो राहगीरों को अपनी ओर आकर्षित करता है और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है।

सरपंच ममता रामलाल वर्मा ने होली के अवसर पर रानो स्कूल के बच्चों को दिया उपहार

रंग गुलाल टोपी तथा मिठाई वितरित की

शिक्षिकाओं ने न्योता भोज में बच्चों को सेवई, मिठाई, केक एवं मिक्चर दिए

पायनियर संवाददाता बेमेतरा
www.dailypioneer.com

साजा विकास खंड के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रानो की नवाचारी शिक्षिका प्रतीक जैन की प्रेरणा से रानो की सरपंच ममता रामलाल वर्मा ने होली के अवसर पर बच्चों को रंग, गुलाल, टोपी एवं मुखौटे वितरित की तथा सारे बच्चों को व शिक्षक शिक्षिकाओं को मिठाई बांटी। संस्था में होली मिलन समारोह बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। नवाचारी शिक्षिका प्रतीक जैन ने इस पर्व को मनाने के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए पौराणिक कथा बताई तथा सरपंच ममता रामलाल वर्मा ने बच्चों के सामने अपनी बात रखी। भूतपूर्व सरपंच रामलाल वर्मा द्वारा भी अपने कार्यकाल में बच्चों को न्योता भोज के रूप में समोसा, जलेबी, मिठाई आदि का वितरण किया गया था तथा आगे भी करने का आश्वासन दिया है। शाला परिवार उनके इस पहल की सराहना करता है तथा आभार प्रदर्शन करता है। इस अवसर पर बच्चों ने होली से सम्बंधित बहुत ही सुन्दर पेंटिंग बनाया। नवाचारी शिक्षिका प्रतीक जैन ने इस अवसर पर बच्चों की विशेष मांग पर स्वयं के द्वारा बनाई गई मेवायुक्त सेवई, मिठाई वितरित किए। शाला की शिक्षिका कनकलता सरसुधे ने अपने, जन्मदिन पर बच्चों को मिक्चर एवं केक दिया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष मंशाराम साहू, पूर्व सरपंच रामलाल वर्मा, वर्तमान सरपंच ममता रामलाल वर्मा एवं समस्त बच्चे उपस्थित रहे।

रन फॉर सनातन कदमों की नहीं विचारो की दौड़ होगी :डॉ सौरभ निर्वाणी

यूनाइटिंग द नेशन ऑन व्हील्स के पोस्टर का हुआ विमोचन

पायनियर संवाददाता बेमेतरा
www.dailypioneer.com

देश में ऐसे तो बहुत से उद्देश्यों को लेकर मैराथन होते रहते है,यह पहली बार है जब छत्तीसगढ़ में रन फॉर सनातन का आयोजन हो रहा है। प्रदेश के सभी जिलों में एक ही समय से दौड़ प्रारंभ कर विश्व कीर्तिमान में दर्ज होने का यह अभियान वस्तुतः सनातन के प्रति आस्था की दौड़ होगी, पोस्टर विमोचन के कार्यक्रम में भाग लेते हुए उक्त बातें रन फॉर सनातन के संयोजक डॉ सौरभ निर्वाणी ने कही उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को छत्तीसगढ़ सरकार के संस्कृति विभाग, धर्म स्तंभ, वन सी मीडिया, एक्सेल एस्थेटिक्स के सहयोग से किया जाना है।

पोस्टर विमोचन का आयोजन मुंबई में

समारोह में देश के अलग अलग राज्यों से आए अतिथियों के बीच हुआ,दीप प्रज्वलन लैटिन अमेरिका से आई मायरा, डॉ राजू वाघमारे, के एस आर मूर्ति, वामसी आंदुकुरी, सुरेश जगवानी, मराठी फिल्मों में बाला साहब ठाकरे के अभिनय से प्रख्यात मकरंद पाधे ने किया, डॉ सौरभ निर्वाणी ने यह भी बताया कि रन फॉर सनातन ऐतिहासिक दौड़ है जो सनातन संस्कृति और पर्यावरण जागरूकता को समर्पित है, इस आयोजन का उद्देश्य सनातन संस्कृति के गौरव को पुनर्स्थापित करना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरण करना है, धर्म स्तंभ के प्रवक्ता के एस आर मूर्ति ने कहा कि हम सभी सनातन प्रेमियों, पर्यावरण संरक्षकों और राष्ट्रभक्तों से अपील करते हैं कि इस ऐतिहासिक मैराथन का हिस्सा बनें और सनातन संस्कृति के संरक्षण और राष्ट्र निर्माण के इस पवित्र यज्ञ में अपनी सहभागिता दें।

पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में आए सभी उपस्थित अतिथियों को सुरेश जगवानी ने पुष्प गुच्छ शाल श्रीफल देकर सम्मान किया। बेमेतरा जिले में नवागढ़ विधानसभा समन्वयक जिम्मेदारी मार्तण्ड सिंह ठाकुर अभिषेक ठाकुर बेमेतरा विधानसभा में प्रणीश रजक, केशव साहू वहीं साजा विधानसभा का सयोजक लाल शौर्यजीत सिंह, हीरा साहू को बनाया गया है, प्रदेश के जिले भर में रन फॉर सनातन के समन्वयको को नियुक्त किया गया है। आचार्य श्रीरीत ने कहा कि अपने अपने शहरों में गांवों में दो देवालयों के बीच यह स्थानीय सनातन प्रेमी दौड़ लगाकर इस अभियान का हिस्सा बन सकेंगे कार्यक्रम में स्थानीय निर्वाचित जनप्रतिनिधियों और समाज के प्रमुखों का दौड़ के पश्चात बौद्धिक का कार्यक्रम होगा जिस पर वो सनातन संस्कृति पर अपना विचार व्यक्त करेंगे।

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला खोपली में विदाई समारोह का आयोजन

पायनियर संवाददाता उतई
www.dailypioneer.com

शासकीय पूर्व माध्यमिक खोपली में विदाई एवं आशीर्वाद समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुरुआत मंगलाचरण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद छात्रों ने अपने विद्यालय जीवन के यादगार अनुभव साझा किए और शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। समारोह में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ जिसमें विद्यार्थियों ने गीत ,नृत्य और विभिन्न प्रकार के प्रस्तुतियों से सबका मन मोह लिया। अंत में छात्रों को आशीर्वाद स्वरुप पानी बोतल और पेन भेंट किए गए। इस कार्यक्रम का सफ्ल संचालन एवं आयोजन कक्षा सातवीं और छठवीं के बच्चों के द्वारा मिलकर किया गया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त प्रधान पाठक हरिशचंद्र देवांगन, छबिलाल रघुवंशी, प्रधान पाठक सुंदरलाल देवांगन, कुमार साहू, शिक्षक लोकेश साहू, मनीष साहू, गिरीश साहू, दीपक साहू , नीधि गेडाम, रामती पाटिल, भुनेश्वरी देवांगन, रानू यादव आदि उपस्थित थे।

नवोदय चयन परीक्षा के लिए सामुदायिक विकास के तहत की गई सराहनीय पहल

पायनियर संवाददाता कवर्धा
www.dailypioneer.com

पीएम स्कूल, जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) कबीरधाम के शिक्षकों ने ग्राम पंचायत खैरतुलसी में सामुदायिक विकास के तहत एक महत्वपूर्ण पहल की। इस पहल का मुख्य उद्देश्य नवोदय चयन परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को आवश्यक शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराना था, ताकि वे आगामी प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। इस पहल के तहत छात्रों को नवोदय चयन परीक्षा की तैयारी के लिए पाठ्य सामग्री, पुस्तकों, चार पेपर रिम, और अन्य आवश्यक अध्ययन सामग्री वितरित की गई। इस कार्यक्रम में शारीरिक शिक्षा शिक्षक हरिशंकर साहू और संगीत शिक्षक चंद्रकांत यादव का विशेष योगदान रहा। उन्होंने छात्रों को परीक्षा की तैयारी के लिए मार्गदर्शन दिया और सामग्री वितरित की। प्राथमिक शाला खैरतुलसी के शिक्षक सूर्यकांत ठाकुर के मार्गदर्शन में, 2020 से 2024 तक 48 बच्चों का चयन नवोदय विद्यालय में हुआ है। इनमें से कुछ बच्चे वर्तमान में जवाहर नवोदय विद्यालय मुंगेली में भी अध्ययन कर रहे हैं। यह विशेष बात है कि ये प्रशिक्षक बच्चों को अप्रैल माह से ही अतिरिक्त समय निकालकर उन्हें नवोदय चयन परीक्षा की तैयारी कराते हैं और इसके लिए कोई शुल्क नहीं लेते। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री योजना के तहत प्रधानाचार्य एन. के. लांजेवार और पीएमप्रभारी शुभम गर्ग (पीजीटी जीव विज्ञान) के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस पहल ने ग्रामीण छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली अध्ययन सामग्री प्रदान की, जिससे उन्हें नवोदय चयन परीक्षा में सफलता पाने का एक बेहतर अवसर मिला है।

कृषि विज्ञान केन्द्र में अनुसूचित जाति के हितग्राहियों को दिया गया प्रशिक्षण

पायनियर संवाददाता कवर्धा
www.dailypioneer.com

कृषि विज्ञान केन्द्र में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य अनुसूचित जाति के ग्रामीण युवाओं, महिलाओं और पुरुषों के उद्यमिता विकास एवं कौशल उन्नयन को बढ़ावा देना था। यह कार्यक्रम कृषि प्रसंस्करण एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग, इं.गां.कृ.वि.वि. रायपुर और कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कबीरधाम जिले के ग्राम बिजई और जमुनिया से 75 युवाओं, महिलाओं और पुरुषों को प्रशिक्षित किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, डॉ. बी.पी. त्रिपाठी ने प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन प्रसंस्करण उद्योग की स्थापना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली सोयाबीन प्रसंस्करण के क्षेत्र में उद्यमिता विकास के लिए प्रयासरत है। उनका उद्देश्य कम लागत पर रोजगार के अवसर उत्पन्न करना और उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन उत्पादों का उत्पादन करना है। सोया आधारित बेकरी उत्पादों और सोया स्नैक्स पर उद्यमिता विकास कार्यक्रम इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। डॉ. एन. के. मिश्रा, वैज्ञानिक ने कृषि प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, लघु धान्य फसलों और अकाष्ठीय तेल बीज (महुआ, साल, नीम) के महत्व, प्रसंस्करण और राइस फोर्टिफिकेशन पर प्रशिक्षण प्रदान किया। इसके बाद वैज्ञानिक डॉ. डी. खोखर ने मिलेट्स प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन पर उद्यमिता विकास और भावी उद्यमियों को मिलेट्स आधारित उत्पादों के प्रसंस्करण के क्षेत्र में नये उद्यम स्थापित करने के बारे में जानकारी दी, जिससे आय में वृद्धि हो सके। इंजीनियर टी.एस. सोनवानी, विषय वस्तु विशेषज्ञ, कृषि अभियांत्रिकी द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा में स्थापित सोया प्रोसेसिंग इकाई में सोयाबीन से पनीर बनाने का प्रदर्शन किया और प्रशिक्षणार्थियों को इसके बारे में सिखाया। इसके बाद, प्रशिक्षणार्थियों को कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रक्षेत्र नेवारी में समन्वित कृषि प्रणाली के तहत पशुपालन, मुर्गीपालन, मछलीपालन और बटेर पालन इकाई का भ्रमण भी कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर, कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, डॉ. बी.पी. त्रिपाठी ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर डॉ. बी. एस. परिहार, विषय वस्तु विशेषज्ञ, सस्य विज्ञान; डॉ. एन. सी. बंजारा, विषय वस्तु विशेषज्ञ, उद्यानिकी और योगेश कुमार कौशिक, कार्यक्रम सहायक भी उपस्थित थे।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने होली पर्व के दौरान मिठाई दुकानों का निरीक्षण किया

पायनियर संवाददाता कवर्धा
www.dailypioneer.com

कलेक्टर गोपाल वर्मा के निर्देशानुसार एवं एस.डी.एम. कवर्धा के मार्गदर्शन में खाद्य एवं औषधि प्रशासन जिला कबीरधाम द्वारा होली पर्व के दौरान जिले में अवमानक मिठाई और खाद्य पदार्थों की बिक्री की संभावना को देखते हुए जितेन्द्र कुमार नेले, वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी, एवं मुकेश कुमार साहू द्वारा कवर्धा, पांडातराई, पंडरिया, बोडला, सहसपुर लोहरा एवं कुंडा के मिठाई दुकानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान, कवर्धा शहर के न्यू कल्पना रेस्टोरेंट का खोवा, धर जोधपुरी स्वीट्स से चमचम, बीकानेर स्वीट्स से मिक्चर, मधुरम स्वीट्स से मलाई कतली, होटल कल्पतरु से मिल्क केक, गुप्ता मिष्ठान भंडार पंडरिया से रसगुल्ला, शिव होटल पंडरिया से कलाकंद, मिश्रा स्वीट्स पंडरिया से पेड़ा, और जी राजस्थान स्वीट्स से मलाई रोल का नमूना लिया गया। इन नमूनों को खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। निरीक्षण के दौरान मिठाई दुकान संचालकों को साफ-सफाई बनाए रखने, हैण्ड ग्लव्स और कैप पहनने, मिठाई के निर्माण और उसकी अवसान तिथि अंकित करने, और त्योहारी सीजन में सिर्फ शुद्ध मिठाई का विक्रय करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त, खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने आम जन और खाद्य कारोबारकर्ताओं से अपील की है कि वे खाने-पीने की चीजों के लिए अखबारी कागज/पेपर का उपयोग न करें। अखबार में उपयोग की जाने वाली स्याही में हानिकारक रसायन और रंगकर्मी होते हैं, जो तेल के साथ मिलकर खाने के जरिए शरीर में प्रवेश करते हैं। इससे पाचन संबंधी विकार, टॉक्सिसिटी, कैंसर, महत्वपूर्ण अंगों की विफलता, और प्रतिरक्षा तंत्र के कमजोर होने जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। खाद्य विभाग ने खाद्य व्यापारियों को मानक स्तर की खाद्य सामग्री विक्रय करने, साफ-सफाई बनाए रखने, और बिना अनुज्ञप्ति/पंजीयन के व्यापार न करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान बिसौहा राम धुर्वे, सहायक ग्रेड भी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

पायनियर संवाददाता कवर्धा
www.dailypioneer.com

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने कहा कि जिले में चल रहे निर्माण कार्यो की प्रगति लाने की आवश्यकता है। सभी एंजेसियों के अधिकारी निर्माण की प्रगति को गंभीरता से लेते हुए कार्य करें। उन्होंने अधिकारियों को लगातार मॉनिटरिंग करते हुए प्रगति लाने के सख्त निर्देश दिए। कलेक्टर वर्मा आज समय सीमा की बैठक में विकास कार्यों की गहन समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन, जन शिकायतों और पीएमओ पोर्टल में लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने गौरव पथ, मुख्यमंत्री समग्र विकास, मिनी स्टेडियम, महतारी सदन के निर्माण कार्यो की समीक्षा करते हुए कहा कि जिन निर्माण कार्यो में समस्या आ रही है उनकों दूर कर निराकरण करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जिले में निर्माणाधीन आवासों की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी आवास लंबित न रहे और यदि किसी कारणवश कार्य रुका है, तो तुरंत समस्या का समाधान कर निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाए। कलेक्टर ने अमृत सरोवर योजना की समीक्षा के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि जनपद सीईओ जल्द से जल्द स्थलों का चिन्हांकन कर प्रस्ताव तैयार करें। साथ ही, उन्होंने निर्माण के दौरान निकली मिट्टी और मुरम का उपयोग सड़क निर्माण, खेल मैदान और अन्य सार्वजनिक स्थलों के लिए करने को कहा।

शासकीय कन्या महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव का हुआ आयोजन, कलेक्टर-एसपी हुए शामिल, छात्राओं को कड़ी मेहनत से आत्मनिर्भर बनने किया प्रेरित

पायनियर संवाददाता ◀ मुंगेली
www.dailypioneer.com

जिला मुख्यालय स्थित शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक शामिल हुए। उन्होंने छात्राओं को अनुशासित रहते हुए शिक्षा के क्षेत्र में कड़ी मेहनत कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती और छत्तीसगढ़ महतारी की छायाचित्र पर माल्यार्पण कर किया गया।

छात्राएं अपनी शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें: कलेक्टर-कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि छात्राएं अपनी शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और अपने जीवन में पुस्तकों को मित्र बनाएं। किसी पर भी निर्भर न रहें, बल्कि अपनी काबिलियत के बल पर जीवन में आगे बढ़ें। जो व्यक्ति मेहनत करता है, वही आत्मविश्वास से भरा रहता है। उन्होंने कहा कि जीवन में कठिनाइयाँ हर किसी के सामने आती हैं, लेकिन जो व्यक्ति आत्मनिर्भर और मानसिक रूप से मजबूत होता है, वही पूर्ण रूप से साफलता प्राप्त कर सकता है। कलेक्टर ने ''पापा कहते हैं बड़ा नाम करेगा, बेटा हमारा ऐसा काम करेगा'' गीत गाकर छात्राओं को अपने माता-पिता की उम्मीदों पर खरा उतरने की समझाईश दी।

लक्ष्य को हासिल करने पूरे समर्पण के साथ मेहनत करें:पुलिस अधीक्षक-पुलिस अधीक्षक ने कहा कि बचपन की मासूमियत और निश्छलता को बनाए रखते हुए अपने व्यक्तित्व को मजबूत बनाना जरूरी है। उन्होंने छात्राओं को सोशल मीडिया के प्रभाव से सतर्क रहने की सलाह दी और अपने सपनों को सीमित न करते हुए लक्ष्य को पाने के लिए पूरे समर्पण के साथ मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के समापन में छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष सरस्वती सिंह, कॉलेज की प्राचार्य डॉ. प्राची सिंह, प्राध्यापकगण और बड़ी संख्या में महाविद्यालय की छात्राएं मौजूद रहीं।

बाजार पर चढ़ने लगा होली का रंग, सज गईं दुकानें

पायनियर संवाददाता ◀ मुंगेली
www.dailypioneer.com

रंगों का पर्व होली के लिए अभी 01 दिन का समय शेष है, लेकिन बाजार पर त्यौहार का रंग चढ़ने लगा है। शहर के प्रमुख बाजार में पिचकारी व रंग-गुलाल की दुकानें सज गईं हैं। होली 13 मार्च को तथा धुलंडी 14 मार्च को मनाई जाएगी। बाजार में इलेक्ट्रिक वाटर गन से रंग निकलेगा तो बम से गुलाल की वर्षा होगी। जो आसपास खड़े लोगों को होली के रंग में सराबोर कर देंगे। बाजार में पिचकारी 300 से 400 रुपए तक बिक रहा। इसी तरह स्माग फॉग, कलर स्माग तथा स्माग फाउंटेन जैसे तरह-तरह के गुलाल भी त्यौहार को खास बनाएंगे। शहर के प्रमुख बाजार में होली के रंग व पिचकारियों से सज चुके हैं। बच्चों को थ्रीडी, बार्बी डाल, स्पाइडर मैन तथा बटर फ्लाई पिचकारी भी आकर्षित कर रहे हैं। रंगों के त्योहार में चार चांद लगाने के लिए पहली बार बाजार में आया मैजिक ग्लास भी लोगों को काफी भा रहा है। रंग-गुलाल व पिचकारी के कारोबारियों अनिल देवांगन बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष होली के सामानों में काफी विविधता देखने को मिल रही है। कारोबारियों ने चार्जेबल इलेक्ट्रिक वाटर गन पहली बार बाजार में आया है । इस पिचकारी की कीमत 300 से 500 रुपए प्रति पीस है।

इसमें रंग भरने के बाद ट्रिगर दबाते ही 15 से 20 फीट दूर खड़े व्यक्ति को रंग से सराबोर कर देगा। इसके अलावा सिलेंडर वाले गुलाल उपलब्ध है, जो लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। म्यूजिकल पंप, इलेक्ट्रिक टैंक बाजार में उपलब्ध है। तोता गुलाल 500 ग्राम व 1 किलोग्राम के पैक में उपलब्ध है। हर्बल गुलाल को भी काफी पसंद किया जा रहा है। हर्बल गुलाल का उपयोग भी पिछले चार-पांच सालों से बढ़ा है। होली बाजार में रंग-बिरंगे बाल, मास्क, चश्मे, बैंड को भी लोग खूब पसंद कर रहे है। सामान्य पिचकारी से अलग हटकर हथौड़ा, कुल्हाड़ी, बाहुबली व रंग-बिरंगे बाल, टी-, शर्ट भी उपलब्ध मछली के शेप वाली पिचकारी लोगों को खूब भा रही है। यह 50 से 150 रुपए में बिक रही है। इस बार होली के लिए नए तरह के पटाखे बाजार में आए हैं, जो रंगों से भरपूर होंगे।

गोलबाजार में सिर्फ रंग और गुलाल ही नहीं, बल्कि होली के लिए रंग-बिरंगे बाल, टी-शर्ट, कुर्ती, टोपी, चश्मा और बाली जैसे अन्य आकर्षक सामान भी उपलब्ध हैं।

वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया, संगठन के प्रमुख आयोजन पर केंद्रित सुसज्जित कैलेंडर छापने पर बधाई दी

पायनियर संवाददाता ◀ मुंगेली
www.dailypioneer.com

संगठन के प्रदेशाध्यक्ष कृष्णकुमार नवरंग ने बताया कि विधानसभा के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने निवास कार्यालय में संगठन द्वारा प्रति वर्ष शासकीय अवकाश एवं प्रमुख आवश्यक तिथियां को समाहित 12 पृष्ठ पर अंकित वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया और संविलियन के मसीहा ने विविध आयाम पर छपी दैनिक गतिविधियों के साथ साथ संगठन के प्रमुख आयोजन पर केंद्रित सुसज्जित कैलेंडर छापने पर बधाई दी, संगठन के प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र जांगड़े व महिला प्रकोष्ठ के संगीता पाटले, अंजू लता टंडन व महामंत्री बंसन्त बंजारे, संगठन सचिव सनत बंजारे सचिव राधेश्याम टंडन दिनेश घोषले ने मा विधानसभा अध्यक्ष को अवगत कराया कि 1 जुलाई 18 से संविलियन के बाद एल बी संवर्ग का राज्य का पहला संगठन है जिसे छ ग सरकार ने मान्यता दी है, इस पर उन्होंने खुसी जाहिर कर राज्य के विकास व कर्मचारियों के हित के लिए सदैव हितकारी कार्य करने की प्रेरणा दी। प्रतिनिमण्डल में संगठन रायपुर के जिला अध्यक्ष एवन बंजारे भीमसेन मनहरे, बसंत जांगड़े डॉ ,जे पी कौशिक, विजय मरखंडे गनपत घृतलहरे, रघुनंदन साहू, सुरेश दिवाकर, दिनेश जोशी, अमित सागर, लखन कुर्रे,विष्णु देव् ब्रम्हे ,चंद्र शेखर घृतलहरे, शामिल रहे।

बच्चों ने किया विदाई समारोह का आयोजन

पायनियर संवाददाता ◀ मुंगेली
www.dailypioneer.com

शासकीय प्राथमिक शाला नवागांव(घु). मे कक्षा 05वीं के विद्यार्थियों के लिए कक्षा चैथी के बच्चों द्वारा विदाई समारोह का आयोजन किया गया। आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि भावनाओं, यादों और प्रेरणा से सजी एक अविस्मरणीय शाम रही। कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों, शिक्षकों व अतिथियों के आगमन के बाद स्वागत गीत से हुआ । विद्यालय के शिक्षकों और जूनियर विद्यार्थियों ने विदाई ले रहे छात्रों के सम्मान किया, जिससे बच्चों के आंखों में आंसू और माहौल भावुक हो उठा। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नृत्य ने सभी का मन मोह लिया। जूनियर्स ने अपने सीनियर्स के साथ बिताए हुए पलों को याद करते हुए खूबसूरत प्रस्तुतियाँ दीं, जिससे समारोह में खुशियों और यादों की मिठास घुल गई। विद्यालय के प्रधान पाठक सरोजबाला राय ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए जीवन में अनुशासन और परिश्रम के महत्व को समझाया। स्कूल के रीढ़ नैंसी मसीह द्वारा बच्चों को आशीर्वाद के रूप में कहा कि यह स्कूल आपका है और हमेशा आपका ही रहेगा आपको जब भी जरूरत पड़े यह स्कूल का दरवाजा हमेशा खुला रहेगा। शाला के प्रति समर्पित शिक्षक लखनलाल कुर्रे ने कहा कि जीवन में सफलता केवल आपके लक्ष्यों को प्राप्त करने से नहीं मिलती है ,बल्कि यह आपके द्वारा किए गए प्रयासों और उनके द्वारा सीखे गए सबक से मिलती हैं। कार्यक्रम में पहुचे सरपंच नारायण साहू ने कहा कि हमेशा अपने गुरु जनों का एवं माता-पिता का सम्मान करना चाहिए। पूर्व माध्यमिक शाला की शिक्षिका सुरंजना ओगरे ने कहा अच्छे इंसान बनने के लिए शिष्टाचार का होना जरूरी है। पूर्व माध्य. शाला के प्रधान पाठक राजपूत, शिक्षक मीन दास पात्रे एवं संतोष यादव द्वारा एक बढ़िया संदेश दिया की जीवन में आगे बढ़ाना है तो स्टेप बाय स्टेप, एक सीढ़ी को छोड़कर दूसरी सीढ़ी में जाना जरूरी होता है इसी प्रकार हमारा विद्यालय होता है जो प्राथमिक से माध्यमिक में हम जाते हैं और अपना बेहतर भविष्य की ओर आगे बढ़ते हैं। विद्यार्थियों के साथ जुड़ी यादों को साझा किया और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

समारोह के अंत में सीनियर विद्यार्थियों ने विद्यालय में बिताए पलों को याद किया और अपने अनुभव साझा किए। कुछ की आँखों में आँसू थे तो कुछ के चेहरों पर नई यात्रा की उम्मीद की चमक थी।

होली पर 14 मार्च को शुष्क दिवस घोषित

मुंगेली। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ने आदेश जारी कर होली पर्व के अवसर पर 14 मार्च को शुष्क दिवस घोषित किया है। उन्होंने 14 मार्च को 01 दिवस के लिए जिले के समस्त देशी मदिरा की दुकानें सी.एस.-2(घघ), देशी मदिरा की दुकानें सी.एस.-2(घघ कम्पोजिट) शॉप, विदेशी मदिरा दुकान एफएल-1 (घघ), विदेशी मदिरा दुकान एफएल-1 (घघ कम्पोजिट) की फुटकर दुकानें, सी.एस.-2 (ग-अहाता), सी.एस.-2 (ग-कम्पोजिट अहाता), एफएल-1 (ख-अहाता), एफएल.-1 (ख-कम्पोजिट अहाता) तथा एफ एल. 3 होटल बार और होटल सिटी पैलेस को बंद रखे जाने एवं जिले में स्थित आसवनी मेसर्स भाटिया वाईन मर्चे. प्रा.लि. धूमा में मदिरा का परेषण आयात-निर्यात व परिवहन पूर्णतः निषिद्ध किए जाने हेतु आदेश जारी किया है। कलेक्टर ने उपरोक्त आदेश का पालन कड़ाई से किये जाने के निर्देश दिए हैं।

परिवार कल्याण मंत्रालय आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध : रत्नावली कौशल

पायनियर संवाददाता ◀ मुंगेली
www.dailypioneer.com

भाजपा नेत्री एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन की पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और परिवार कल्याण मंत्रालय आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज की सुविधा भी आमजन को मुहैया कराई जा रही है।

स्तन कैंसर, मुख कैंसर, गर्भाशय कैंसर की रोकथाम के लिए मंत्रालय सजगता और सतर्कता से कार्य कर रहा है। केंद्र सरकार द्वारा सरकारी योजनाओं में मुख,स्तन और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर सहित आम गैर-संचारी रोगों की जांच एवं उपचार को शामिल किया है। गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए केंद्र सरकार की ओर से एनपीएनसीडी कार्यक्रम चलाकर 770 जिला एनसीडी क्लीनीक स्थापित किए गए है। भाजपा नेत्री रत्नावली कौशल ने बताया कि मोदी सरकार की ओर से कैंसर सहित प्रमुख गैर संचारी रोगों का उपचार आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत मुहैया करवाया जा रहा है। इस योजना के तहत प्रति वर्ष 5 लाख रूपए तक का उपचार प्रदान कराया जा रहा है। देश में 55 करोड़ लोगों को प्रतिवर्ष इस योजना का लाभ मिल रहा है। मोदी सरकार ने 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के सभी वरिष्ठ नागरिकों को इस योजना के तहत स्वास्थ्य कवरेज में शामिल किया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य लाभ पैकेज के तहत मेडिकल आन्कोलॉजी, सर्जिकल आन्कोलॉजी, रेडिएशन आन्कोलॉजी और पैलिएटिव मेडिसिन की 500 से अधिक प्रक्रियाओं वाले 200 से अधिक पैकेजों में कैंसर का उपचार प्रदान करवाया जाता है।

भाजपा नेत्री रत्नावली कौशल ने बताया कि प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना में आमजन को किफायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाईयां उपलब्ध करवाई जा रही है।

देशभर में फरवरी 2025 तक देशभर में 15057 जन औषधि केंद्र खोले जा चुके है। इन केंद्रों पर 2047 प्रकार की दवा और 300 से अधिक सर्जिकल उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे है। इनमें से 87 उत्पाद कैंसर के उपचार लिए उपलब्ध है। वहीं देश भर में 222 अमृत औषधालय भी खोले गए है। कैंसर जैसी बीमारियों के रोकथाम और नियंत्रण के लिए विशिष्ट कैंसर स्वास्थ्य परिचर्चा सुविधा केंद्रों का सुदृढ़ीकरण की योजना को लागू किया जा रहा है। अब तक 19 राज्य कैंसर संस्थान और 20 विशिष्ट कैंसर स्वास्थ्य परिचर्या केंद्र को मंजूरी दी गई।

एफएलएन-टीएल एम क्लब मेला का आयोजन

पायनियर संवाददाता ◀ मुंगेली
www.dailypioneer.com

एफ एल एन/टी.एल. एम.क्लब मेला का आयोजन शासकीय प्राथमिक शाला मदनपुर में चार संकुल केंद्र दाबो, फास्टरपुर, बीजातराई एवं सेमरकोना के विद्यार्थियों की सहभागिता के साथ संपन्न हुआ । चारों संकुल से 34 विद्यालयों के प्रतिभागी बच्चों एवं शिक्षकों की शत् प्रतिशत उपस्थिति रही। इस अवसर पर ग्राम पंचायत बोदा के सरपंच कन्हैया सिंह बैस की गरिमामय उपस्थिति रही। उन्होंने अपने ग्राम पंचायत के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित होने पर सभी का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया । संकुल केंद्र दाबो के शैक्षिक समन्वयक रामेश्वर प्रसाद साहू ने कहा - अध्ययन/अध्यापन की दृष्टिकोण से यह मेला बच्चों के लिए बहुत ही उपयोगी है । बीजातराई के शैक्षिक समन्वयक अरुण टंडन ने कहा- यह मेला का वास्तव में जानने सीखने और समझने के लिए बहुत ही सराहनीय रहा । इस तरह के कार्यक्रम से बच्चों को सिखने के अवसर मिलते हैं । इस अवसर पर फास्टरपुर संकुल के शैक्षिक समन्वयक तोरनलाल अंचल ने सभी बच्चों को शुभकामनाएं दी । कार्यक्रम का संचालन व आभार व्यक्त शासकीय प्राथमिक शाला मदनपुर के प्रधान पाठक देवेन्द्र परिहार ने किया। एफ एल एन/टी.एल. एम. क्लब मेला के अंतर्गत कार्यक्रम में पूर्व माध्यमिक शाला स्तर में क्रमशः अनामिका दिवाकर (दाबो) प्रथम, सविता मिरी (सिल्ली) द्वितीय, एवं सुशांत दिवाकर (खैरा सेतगंगा) तृतीय रहे। प्राथमिक स्तर में राजकुमार साहू (सिपाही) प्रथम, मोक्ष कुमार (पंडोतरा) द्वितीय एवं दक्ष मानिकपुरी (सिल्ली) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । टी एल एम निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण में निधि बर्मन (राजपुर) प्रथम, दिलेश्वर भास्कर (सिंगारपुर) द्वितीय एवं अमन कुमार दाबो ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । एफ एल एन/टी.एल. एम. क्लब स्तरीय मेला में चार संकुलो के 34 विद्यालयों के बच्चों ने सहभागिता निभाई । विजेता विद्यार्थियों को उपस्थित अतिथियों के द्वारा पुरस्कृत किया गया तथा सहभागी समस्त विद्यार्थियों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया । अंजू राम सप्रे कलविंद तिग्गा मनोज कुमार आंचल देव प्रसाद पात्रेअमृता सिंह बघेल चंद्रभानु कांति टंडन कुलदीप दिवाकर सुरेश कुमार पूर्णिमा देशमुख उर्मिला देवांगन संगीता बसंत कुमार दादू सिंह राजपूत सिद्धाराम देवांगन खिलेश्वर दास मानिकपुरी तपस्वी यादव दिनेश कुमार बंजारे संजय उमाशंकर सूर्यकांत कुर्रे थानूराम साहू शिवकुमार सोनवानी उमेश यादव विक्रम सिंह निलेश्वरी साहू उमा नेताम आदि ।

पांच दिवसीय होली उत्सव के दूसरे दिन बताशे की होली खेली गई

अनूठी होली-आनंदन धाम में चल रहा पांच दिवसीय होली महोत्सव

पायनियर संवाददाता ◀ सक्ती
www.dailypioneer.com

आनंदम धाम में चल रहे पांच दिवसीय होली उत्सव के दूसरे दिन बताशे की होली खेली गई. ब्रज की छटा लिए इस आयोजन में भक्तों ने पूरे उल्लास के साथ भाग लिया, ज्ञातव्य है कि आनंदम धाम के संत रितेश्वर महराज के सानिध्य में आंनदम धाम शिवरीनारायण में पांच दिवसीय रंगोत्सव का आयोजन किया गया है जिसमें ब्रज, काशी और अयोध्या की सम्मिलित छटा दिखाई देगी। इसी तारतम्य में बताशे की होली खेली गई। इस अवसर पर संत रितेश्वर जी ने कहा कि होली कलुषता को दूर करने का पर्व है. यह सभी मनुष्यों को अवसर देता है कि अपनी कुंठा दूर कर मन को सर्वथा नए धरातल पर ले आएंइस आयोजन में आनंदम धाम शिवरीनारायण के भक्तों के अलावा बिलासपुर, रायपुर, रायगढ़, कोरबा के भक्तों ने भी भाग लिया। उत्सव में भाग लेने आई दिल्ली की ग्रेटर कैलाश क्षेत्र की विधायक शिखा राय ने इस आयोजन की सराहना करते हुए इसे अनूठा अनुभव बताया. उन्होंने कहा कि आनंदम धाम शिवरीनारायण से गुरूजी जो आनंद की लहर प्रवाहित कर रहे हैं उसकी तरंगे दूर दूर तक जानी चाहिए। इस आयोजन की सार्थकता तब और बढ़ेगी जब लोग आपधापी और तनावपूर्ण जीवन के बीच आनंद के स्त्रोत की पहचान कर पाएंगे जो कि हमारे देश की प्राचीन परम्पराओं और उत्सवों में छिपे हैं। गुरूजी के इस अभिनव प्रयास का प्रचार सारे देश में होना चाहिएइसके पूर्व इस आयोजन को लेकर एक विशेष बैठक आनंदम धाम शिवरीनारायण में आयोजित की गई.इस अवसर पर संत रितेश्वर महराज ने कहा कि शिवरीनारायण एक अद्भुत स्थान है। अद्भुत और अलौकिक इस अर्थ में कि मतंग ऋषि की शिष्या शबरी और प्रभु राम की लीला का यह ऐसा स्थल है जिसका उदाहरण अन्यत्र कहीं नहीं दिखता. यह इस बात को भी रेखांकित करता है कि गुरुभक्ति में कितना बल होता है. यह मतंग ऋषि का ही प्रताप था कि प्रभु राम शबरी की कुटिया में स्वयं आए अन्यथा बड़े बड़े ऋषि मुनि उनकी राह देखते थे। वे किसी के यहाँ नहीं गए. ऐसी महिमा का भागी शिवरीनारायण है जिसकी चर्चा देश -प्रदेश में नहीं पूरे विश्व में होनी चाहिए.संत रितेश्वर ने कहा कि यह नगर उत्सव का प्रतीक बने, आनंद का प्रतीक बने. इसका आरम्भ इस होलिका उत्सव से होगा,उत्सव के संबंध में आनंदम धाम आश्रम के संजय अग्रवाल ने बताया कि इस पांच दिवसीय महोत्सव के 12 मार्च को शबरी के जूठे बेर की होली, 13 मार्च को टमाटर की होली, चोरी महोत्सव, संगीत, होलिका उद्धार महोत्सव, 14 मार्च को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक रंग, गुलाल की होली फिर शाम 6 बजे से दिव्य संगीत सत्संग और अंतिम दिवस 15 मार्च को गन्नामार होली अमृत छाँक लीला महोत्सव, होली मिलन उत्सव रखा गया है. आयोजन में भाग लेने हेतु कनाडा, दिल्ली, मुंबई के भक्तों के साथ छत्तीसगढ़ के रायपुर, बिलासपुर, रायगढ़, कोरबा, अंबिकापुर आदि जगहों से भक्तगण शिवरीनारायण पहुंच रहे हैं, बैठक में पवन सुल्तानिया, नरेन्द्र केशरवानी, शरद पाण्डेय, प्रकाश बंसल, देवेंद्र अग्रवाल, राहुल थवाईत, संतोष गुप्ता, आशीष केशरवानी, मोहन शर्मा, सतीश सोनी, संतोष सोनी, धर्मेंद्र राम, विष्णुहरी गुप्ता, योगेश साहू, हिमांशु तिवारी, सरस्वती साहू, सरस्वती सोनी, चेतन सोनी, संतराम आदित्य, दिलीप केशरवानी, उमाशंकर आदित्य, सूरज शंकर लदेर, विजय चौहान, अरुण प्रभुवा, धीरेन्द्र योगी, ईश्वरी केशरवानी, राजा सिंघानिया, चिराग केशरवानी, मनोजिया केशरवानी, प्रकाश सोनी, सत्येंद् केवट परमानन्द कश्यप सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

कोटपा एक्ट के तहत की गई 5650 रूपए की चालानी कार्रवाई

मुंगेली। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार प्रवर्तन दल द्वारा कोटपा एक्ट के तहत तम्बाकू उत्पाद बेचने वाले दुकानों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में नगर पालिका क्षेत्र मुंगेली में पड़ाव चैक, दाउपारा और ग्राम कोदवाबानी में शैक्षणिक संस्थानों के 100 मीटर की परिधि में संचालित तम्बाकू उत्पाद बेच रहे दुकानों में 5650 रूपए की चालानी कार्रवाई की गई। इसी तरह औषधि एवं पुलिस विभाग के संयुक्त टीम द्वारा होली पर्व में नशीली औषधियों के दुरूपयोग को रोकने के लिए विभिन्न मेडिकल फर्मो का निरीक्षण किया गया। इस दौरान फर्मों में दवाओं के क्रय-विक्रय रिकार्ड की जांच कर संचालकों को बिना पर्ची के नशीली दवाओं के विक्रय पर औषधि नियमावली 1945 के अंतर्गत कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई। कार्रवाई के दौरान औषधि निरीक्षक महेन्द्र देवांगन, सोशल वर्कर बलराम साकत, साइकोलाजिस्ट ओम साहू, आरक्षक नोहर डड़सेना मौजूद रहे।

राग-रंग का लोकप्रिय पर्व होली

होली भारत का प्रमुख त्योहार है। होली जहाँ एक ओर सामाजिक एवं धार्मिक त्योहार है, वहीं रंगों का भी त्योहार है। बाल-वृद्ध, नर-नारी सभी इसे बड़े उत्साह से मनाते हैं। इसमें जातिभेद-वर्णभेद का कोई स्थान नहीं होता। इस अवसर पर लकड़ियों तथा कंडों आदि का ढेर लगाकर होलिकापूजन किया जाता है फिर उसमें आग लगायी जाती है। पूजन के समय मंत्र उच्चारण किया जाता है।

होली खेलने से पहले इन बातों का रखें ध्यान !

रंगों और खुशियों के त्योहार होली के रंग में सराबोर होने के लिए घर से निकलने से पहले आपको त्वचा और बालों की सुरक्षा के संबंध में कुछ बातों का ख्याल जरूर रखना चाहिए, जिससे आपको किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़े. त्वचा विशेषज्ञ ने होली खेलने निकलने से पहले त्वचा की देखभाल के संबंध में ये सुझाव दिए हैं -

- कुछ लोग होली खेलने के पहले बाल यह सोचकर नहीं धुलते हैं कि रंग खेलने से बाल गंदे होने ही हैं, लेकिन पहले से गंदे बाल में रंग लगने से आपके बालों को और नुकसान पहुंच सकता है और बाल रुखे हो सकते हैं, इसलिए बाल धुलकर, सुखाने के बाद बालों में अच्छी तरह से तेल लगाकर ही होली खेलने निकलें.
- होली खेलने निकलने से पहले सनस्क्रीन क्रीम लगाना नहीं भूलें, क्योंकि तेज धूप में आपकी त्वचा झुलस सकती हैं और रंग काला पड़ सकता है.
- बाजार में उपलब्ध सिंथेटिक रंगों में हानिकारक केमिकल और शीशा भी हो सकता है, जिससे आपकी त्वचा और आंखों को नुकसान पहुंच सकता है. इसलिए त्वचा और बालों पर अच्छे से तेल लगाएं और हो सके तो प्राकृतिक रंगों या घर पर बने टेसू के फूल वाले रंग से होली खेलें. कानों के पीछे, उंगलियों के बीच में भी तेल अच्छे से लगाएं और नाखूनों पर नेल पॉलिश लगाना नहीं भूलें. बालों में नारियल तेल डालकर अच्छे से मसाज करें, इससे आपके बाल रूखे भी नहीं होंगे.
- शरीर के अधिकांश हिस्सों को रंगों से बचाने के लिए पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें, सूती रंग के ही कपड़े पहनें, क्योंकि भीगने पर सिंथेटिक कपड़े शरीर से चिपक जाते हैं और आपको उलझन महसूस हो सकती है.
- फलों और सब्जियों के छिलकों को सुखाकर उसमें टेल्कम पाउडर और संतरे के सूखे छिलकों के पाउडर को मिलाकर होली खेलना एक अच्छा विकल्प है. इसमें हल्दी पाउडर, जिंजर रूट पाउडर व दालचीनी पाउडर भी मिलाए जा सकते हैं, जो आपकी त्वचा के लिए हानिकारक साबित नहीं होंगे, लेकिन इन पाउडर को जोर से त्वचा पर मले नहीं, क्योंकि इससे लालिमा, खरोंच या दानें पड़ सकते हैं और त्वचा में जलन हो सकती है.
- होली खेलने के बाद सौम्य फेसवॉश या साबुन का ही इस्तेमाल करें, क्योंकि हार्श साबुन से त्वचा रूखी हो सकती है, नहाने के बाद मॉइश्चराइजर और बॉडी लोशन जरूर लगाएं.
- बालों को सौम्य हर्बल शैम्पू से अच्छी तरह से धुलें, ताकि अभ्रक युक्त और केमिकल वाले रंग बालों से अच्छी तरह से निकल जाएं, शैम्पू के बाद बालों का रूखापन दूर करने के लिए एक मग पानी में एक नींबू का रस मिलाकर धुलें या फिर बीयर से भी बाल धुला जा सकता है, इससे आपके बाल मुलायम रहेंगे.

होली वसंत ऋतु में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण भारतीय और नेपाली लोगों का त्योहार है। यह पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। रंगों का त्योहार कहा जाने वाला यह पर्व पारंपरिक रूप से दो दिन मनाया जाता है। यह प्रमुखता से भारत तथा नेपाल में मनाया जाता हैं। यह त्यौहार कई अन्य देशों जिनमें अल्पसंख्यक हिन्दू लोग रहते हैं वहां भी धूम-धाम के साथ मनाया जाता हैं। पहले दिन को होलिका जलायी जाती है, जिसे होलिका दहन भी कहते है। दूसरे दिन, जिसे प्रमुखत: धुलेंडी व धुरड्डी, धुरखेल या धूलिवंदन इसके अन्य नाम हैं, लोग एक दूसरे पर रंग, अबीर-गुलाल इत्यादि फेंकते हैं, ढोल बजा कर होली के गीत गाये जाते हैं और घर-घर जा कर लोगों को रंग लगाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि होली के दिन लोग पुरानी कटुता को भूल कर गले मिलते हैं और फिर से दोस्त बन जाते हैं। एक दूसरे को रंगने और गाने-बजाने का दौर दोपहर तक चलता है। इसके बाद स्नान कर के विश्राम करने के बाद नए कपड़े पहन कर शाम को लोग एक दूसरे के घर मिलने जाते हैं, गले मिलते हैं और मिठाइयाँ खिलाते हैं।

राग-रंग का यह लोकप्रिय पर्व वसंत का संदेशवाहक भी है। राग अर्थात संगीत और रंग तो इसके प्रमुख अंग हैं ही पर इनको उत्कर्ष तक पहुँचाने वाली प्रकृति भी इस समय रंग-बिरंगे यौवन के साथ अपनी चरम अवस्था पर होती है। फाल्गुन माह में मनाए जाने के कारण इसे फाल्गुनी भी कहते हैं। होली का त्योहार वसंत पंचमी से ही आरंभ हो जाता है। उसी दिन पहली बार गुलाल उड़ाया जाता है। इस दिन से फाग और धमार का गाना प्रारंभ हो जाता है। खेतों में सरसों खिल उठती है। बाग-बगीचों में फूलों की आकर्षक छटा छा जाती है। पेड़-पौधे, पशु-पक्षी और मनुष्य सब उल्लास से परिपूर्ण हो जाते हैं। खेतों में गेहूँ की बालियाँ इठलाने लगती हैं। बच्चे-बूढ़े सभी व्यक्ति सब कुछ संकोच और रूढ़ियाँ भूलकर ढोलक-झाँझ-मंजीरों की धुन के साथ नृत्य-संगीत व रंगों में डूब जाते हैं। चारों तरफ़ रंगों की फुहार फूट पड़ती है। होली के दिन आम्र मंजरी तथा चंदन को मिलाकर खाने का बड़ा माहात्म्य है।

विशिष्ट उत्सव

भारत में होली का उत्सव अलग-अलग प्रदेशों में भिन्नता के साथ मनाया जाता है। ब्रज की होली आज भी सारे देश के आकर्षण का बिंदु होती है। बरसाने की लठमार होली काफ़ी प्रसिद्ध है। इसमें पुरुष महिलाओं पर रंग डालते हैं और महिलाएँ उन्हें लाठियों तथा कपड़े के बनाए गए कोड़ों से मारती हैं। इसी प्रकार मथुरा और वृंदावन में भी 15 दिनों तक होली का पर्व मनाया जाता है। कुमाऊँ की गीत बैठकी में शास्त्रीय संगीत की गोष्ठियाँ होती हैं। यह सब होली के कई दिनों पहले शुरू हो जाता है। हरियाणा की धुलंडी में भाभी द्वारा देवर को सताए जाने की प्रथा है। बंगाल की दोल जात्रा चैतन्य महाप्रभु के जन्मदिन के रूप में मनाई जाती है। जलूस निकलते हैं और गाना बजाना भी साथ रहता है। इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र की रंग पंचमी में सूखा गुलाल खेलने, गोवा के शिमगो में जलूस निकालने के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन तथा पंजाब के होला मोहल्ला में सिक्खों द्वारा शक्ति प्रदर्शन की परंपरा है। तमिलनाडु की कमन पोडिगई मुख्य रूप से कामदेव की कथा पर आधारित वसंतोतसव है जबकि मणिपुर के याओसांग में योंगसांग उस नन्हीं झोंपड़ी का नाम है जो पूर्णिमा के दिन प्रत्येक नगर-ग्राम में नदी अथवा सरोवर के तट पर बनाई जाती है। दक्षिण गुजरात के आदिवासियों के लिए होली सबसे बड़ा पर्व है, छत्तीसगढ़ की होरी में लोक गीतों की अद्भुत परंपरा है और मध्यप्रदेश के मालवा अंचल के आदिवासी इलाकों में बेहद धूमधाम से मनाया जाता है भगोरिया, जो होली का ही एक रूप है। बिहार का फगुआ जम कर मौज मस्ती करने का पर्व है और नेपाल की होली में इस पर धार्मिक व सांस्कृतिक रंग दिखाई देता है। इसी प्रकार विभिन्न देशों में बसे प्रवासियों तथा धार्मिक संस्थाओं जैसे इस्कॉन या वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में अलग अलग प्रकार से होली के श्रृंगार व उत्सव मनाने की परंपरा है जिसमें अनेक समानताएँ और भिन्नताएँ हैं।

आधुनिकता का रंग

होली रंगों का त्योहार है, हँसी-खुशी का त्योहार है, लेकिन होली के भी अनेक रूप देखने को मिलते है। प्राकृतिक रंगों के स्थान पर रासायनिक रंगों का प्रचलन, भांग-ठंडाई की जगह नशेबाजी और लोक संगीत की जगह फ़िल्मी गानों का प्रचलन इसके कुछ आधुनिक रूप हैं। लेकिन इससे होली पर गाए-बजाए जाने वाले ढोल, मंजीरों, फाग, धमार, चैती और ठुमरी की शान में कमी नहीं आती। अनेक लोग ऐसे हैं जो पारंपरिक संगीत की समझ रखते हैं और पर्यावरण के प्रति सचेत हैं। इस प्रकार के लोग और संस्थाएँ चंदन, गुलाबजल, टेसू के फूलों से बना हुआ रंग तथा प्राकृतिक रंगों से होली खेलने की परंपरा को बनाए हुए हैं, साथ ही इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान भी दे रहे हैं। रासायनिक रंगों के कुप्रभावों की जानकारी होने के बाद बहुत से लोग स्वयं ही प्राकृतिक रंगों की ओर लौट रहे हैं। होली की लोकप्रियता का विकसित होता हुआ अंतर्राष्ट्रीय रूप भी आकार लेने लगा है। बाज़ार में इसकी उपयोगिता का अंदाज़ इस साल होली के अवसर पर एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठान केन्ज़ोआमूर द्वारा जारी किए गए नए इत्र होली है से लगाया जा सकता है।

होलिका दहन पर भद्रा का साया और होली पर चंद्र ग्रहण, जानिए कब क्या करें ?

होलिका दहन के बाद दूसरे दिन होली खेली जाती है जिसे धुलेंडी कहते हैं। धुलेंडी यानी रंगवाली होली। इस बार होलिका दहन और धुलेंडी पर भद्रा के साथ ही चंद्र ग्रहण का योग भी बन रहा है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि होलिका दहन की पूजा कब करें और कब होली खेलें। हिंदू पंचांग अनुसार 13 मार्च 2025 गुरुवार को होलिका दहन होगा और 14 मार्च शुक्रवार को धुलेंडी रहेगी लेकिन क्या है होलिका दहन का मुहूर्त और कब खेलें होली।

पूर्णिमा तिथि प्रारम्भ- 13 मार्च 2025 को सुबह 10 :35 बजे से प्रारंभ।

पूर्णिमा तिथि समाप्त- 14 मार्च 2025 को दोपहर 12 :23 बजे समाप्त।

भद्रा पूंछ- शाम को 06:57 से रात्रि 08:14 तक।

भद्रा मुख- रात्रि 08:14 से रात्रि 10:22 तक।

दिनांक 14 मार्च 2025 शुक्रवार को सुबह 09 :29 बजे से दोपहर 03 :29 बजे तक यह पूर्ण चंद्र ग्रहण लगेगा। होलिका दहन और होली पर भारत में चंद्र ग्रहण का प्रभाव नहीं रहेगा क्योंकि यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। होली पर चंद्र ग्रहण और सूतक काल का कोई प्रभाव नहीं रहेगा इसलिए धुलेंडी का पर्व मनाया जा सकता है।

13 मार्च 2025 को रात्रि में भद्रा के पूंछ काल में होलिका दहन कर सकते हैं। यदि भद्रा को छोड़ना है तो होलिका दहन श्रेष्ठ मुहूर्त- मध्यरात्रि 11 :26 से 12 :30 के बीच। इसके बाद दूसरे दिन रंग वाली होली खेल सकते हैं।

क्या है होली और राधा-कृष्ण का संबंध

होली के पर्व का जिक्र आते ही मन रंगों से खेलने लगता है और प्रेम के इस पर्व में हर कोई राधा व कृष्ण हो जाना चाहता है। आप सोच रहे होंगे कि राधा व कृष्ण का होली से क्या नाता है तो आइये जानते हैं। होली और राधा-कृष्ण का क्या संबंध है।

भगवान विष्णु ने जितने भी अवतार धारण किये हैं चित्रों के माध्यम से उन्हें सांवले रंग का दिखाया जाता है और भगवान श्री कृष्ण का तो नाम ही श्याम लिया जाता है। लेकिन उनका यह श्याम रंग बनने की कहानी है। दरअसल जब श्री कृष्ण के मामा कंस ने राक्षसी पुतना को जन्माष्टमी के दिन जन्मे शीशुओं को स्तन से विषपान करवाकर मरवाने के लिये भेजा तो श्री कृष्ण ने विषपान तो किया लेकिन भगवन का क्या बिगड़ना था, पुतना तो मारी गई लेकिन बाल गोपाल विषपान करने से श्याम वर्ण के हो गये। अब उन्हें यह चिंता सताने लगी कि इस श्याम रंग के साथ प्रिय सखी राधा सहित अन्य गोपियां उन्हें भाव नहीं देंगी। गौर वर्णीय राधा को जब भी वे देखते उन्हें स्वयं का श्याम वर्ण होना अखरने लगता। वे इसकी शिकायत अपनी मैया यशोदा से करते हैं वो गीत तो आपने भी सुना होगा यशोमति मैया से बोले नंदलाला, राधा क्यों गौरी मैं क्यूं काला। तो माता उन्हें प्रसन्न करने के लिये सुझाव देती हैं वह भी राधा के मुख पर वैसा ही रंग लगा दे जैसा वे चाहते हैं। बस माता की शय मिलने की देर थी, नटखट श्याम राधा सहित सभी गोपियों को रंगने लग जाते हैं। धीरे-धीरे उनकी यह शरारत फैलने लगती है और ऋतुराज वसंत के इस प्यार भरे मौसम में एक दूसरे पर रंग डालने की यह लीला एक प्रेममयी परंपरा के रूप में हर साल फाल्गुन के महीने में निभायी जाने लगती है। होली के दिनों में मथुरा वृंदावन का नजारा तो आज भी देखते ही बनता है।

क्या है महत्व

वैसे यह श्री राधा व भगवान श्री कृष्ण की होली पर खेली गई यह प्रेम लीला एक प्रतीक भर है कि यह रंग कोई भौतिक रंग नहीं है बल्कि भक्ति का रंग है। भगवान का रंग है, सद्भावना का रंग है, विश्वास का रंग है जिनसे होली खेली जाती है। और जो होली जलाई जाती है वह संदेह की, अंहकार की, वैरभाव की, ईर्ष्या की होली जलाई जाती है जिसके उपरांत ही निष्काम प्रेम की कामना पूर्ण होती है और अपने आराध्य श्री कृष्ण की अपने ठाकुर जी की कृपा प्राप्त होती है।

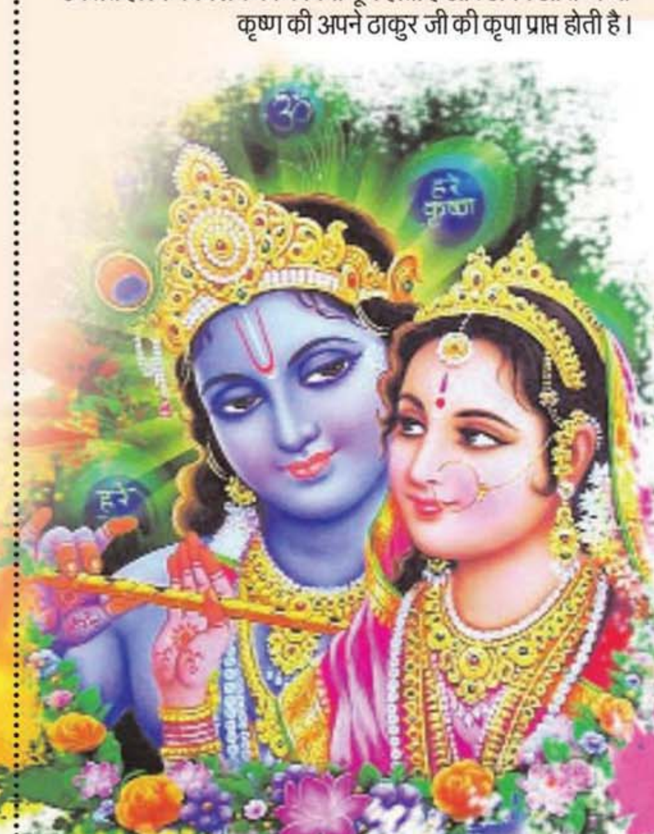

नपा अध्यक्ष ने वार्डों में पानी की समस्या का लिया जायज़ा, माताओं-बहनों की समस्या सुन द्रवित हुए नपा अध्यक्ष अश्वनी शर्मा

शहर में हर घर में पहुंचेगा पानी : अश्वनी शर्मा

पायनियर संवाददाता ≺ भाटापारा
www.dailypioneer.com

भाटापारा शहर में बढ़ते जल संकट को लेकर महिलाओं ने नवनिर्वाचित नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा से मुलाकात की थी। इसके बाद पालिका अध्यक्ष ने स्वयं ही संबंधित वार्डों में जाकर हालात का जायजा लिया और शीघ्र ही पानी की समस्या का निराकरण करने सभी आवश्यक कार्यवाही करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि किसी को भी पानी के लिए परेशान न होना पड़े। ऐसी व्यवस्था की जाए कि शहर में हर घर में पानी पहुंचे। गौरतलब है कि बीते 10 मार्च को भाटापारा शहर के अनेक वार्डों में जल संकट को लेकर महिलाओं का समूह नगर पालिका परिषद कार्यालय पहुंचा था। महिलाओं के नगर पालिका कार्यालय पहुंचने की जानकारी मिलने पर नवनिर्वाचित नगर पालिका अध्यक्ष ने अश्वनी शर्मा उनसे उनकी समस्या जानी।

इस दौरान महिलाओं ने बताया कि उनके वार्ड में पानी की समस्या विकराल होती जा रही है। कई घरों में अब तक नल कनेक्शन तक नहीं लग पाए हैं। यह सुन नपा अध्यक्ष शर्मा स्वयं द्रवित हो उठे, उन्होंने इस समस्या का यथाशीघ्र निदान करने का वायदा करते हुए खुद वार्ड में पहुंचकर वस्तुस्थिति जायज़ा लेने की बात कही थी। ऐसे में नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा, वार्ड पार्षदों और पालिका के अधिकारी-कर्मचारियों के साथ शहर के प्रभावित वार्डों में पहुंचे। उन्होंने माताओं-बहनों की पीड़ा को देखते हुए तुरंत संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए और उन्हें आश्वस्त किया कि जल्द-से-जल्द इस समस्या का समाधान होगा। नपा अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि, भाटापारा शहरवासियों की परेशानी उनकी भी परेशानी है और शहरवासियों की जरूरतों को पूरा करना हमारा दायित्व है।

> पीने के पानी के लिए किसी को संघर्ष करना पड़े, यह स्थिति स्वीकार नहीं की जा सकती। हम तब तक चैन से नहीं बैठेंगे, जब तक हर घर को पर्याप्त जल न मिले।
> **-अश्वनी शर्मा, अध्यक्ष, नपा भाटापारा**

एसएसआइपीएमटी, रायपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा ग्राम परसुलिडीह, अभनपुर में 7 दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन

पायनियर संवाददाता ≺ रायपुर
www.dailypioneer.com

07 मार्च से 13मार्च तक ग्राम परसुलिडीह एसएसआइपीएमटी, रायपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा विशेष शिविर का आयोजन हुआ। यह शिविर डिजिटल इंडिया विषय पर आधारित था। कार्यक्रम अधिकारी आनंद ताम्रकार ने 7 दिवसीय विशेष शिविर में संपन्न होने वाले कार्यो के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस शिविर में कुल 50 शिविरार्थियो सहित 03 टीचिंग स्टाफ की सहभागिता रही। शिविर के दौरान मुख्यतः ग्राम परसुलिडीह में अनेक जन-जागरुकता के कार्यक्रम चलाया गया जिसमे विशेषतौर से स्वच्छता, इसके तहत स्कूल परिसर, खेल मैदान इत्यादि की साफ सफाई किया गया। इसके अतिरिक्त वॉल पेंटिंग, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से डिजिटल इंडिया के फायदे को मुख्य रूप से प्रदर्शित किया गया, बौद्धिक सत्रों में आये एक्सपर्ट के द्वारा नारी सशक्तिकरण, कैरियर गाइडेंस, पर्यावरण संरक्षण इत्यादि विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य रूप से छात्र-छात्रों सहित ग्रामवासीयों को भी इसके बारे में बताया गया। विशेष शिविर के दौरान, डॉ. डी.एस. रघुवंशी, एनएसएस कायक्रम समन्वयक, सीएसवीटीयू, भिलाई एवं एनएसएस प्रकोष्ठ के सहायक कर्मचारी उत्तम लहरी और बंजारे, डेटा एंट्री ऑपरेटर ने शिविर का दौरा किया। उन्होंने स्वयंसेवकों द्वारा की गई गतिविधियों की समीक्षा की छात्रों से बातचीत की और अपने अनुभव साझा किए। साथ ही उन्होंने एसएसआईपीएमटी एनएसएस प्रकोष्ठ द्वारा किए गए कार्यो की सराहना भी की। शिविर के अंतिम दिन में रासेयो के छात्र-छात्रों द्वारा एक सांस्कृतिक रैली का भी आयोजन किया गया था। इसके पश्चात ग्राम पंचायत के सरपंच महोदया की उपस्थिति में शिविरार्थियों को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में पूर्व सरपंच घनश्याम, उपसरपंच बंजारे एवं समस्त पंच की गरिमामयी उपस्थिति रही। शिविर के सफल संचालन के लिए संस्था के चेयरमैन (बीजी) निशांत त्रिपाठी ने रासेयो इकाई के कार्यक्रम अधिकारी आनंद ताम्रकार (विभागाध्यक्ष, कम्प्यूटर साइंस), सहायक कार्यक्रम अधिकारी आयुष साहू एवं मुख्य सहयोगी टिकेश्वर गजपाल (असिस्टेंट प्रोफेसर) मयंक बंछोर (सहायक प्राध्यापक) एवं शिरार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित किये। संस्था के प्राचार्य आलोक कुमार जैन ने रासेयो इकाई के कार्यो की सराहना करते हुए कहा की महाविद्यालय की रासेयो इकाई सामाजिक कार्यो में हमेशा से ही अच्छा करता आ रहा और उन्होंने छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

नवनिर्वाचित नपा अध्यक्ष अश्वनी शर्मा का छग पेंशनधारी कल्याण संघ ने किया सम्मान

पायनियर संवाददाता ≺ भाटापारा
www.dailypioneer.com

नगर पालिका परिषद भाटापारा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अश्वनी शर्मा के लिए छत्तीसगढ़ पेंशनधारी कल्याण संघ ने सम्मान समारोह का आयोजन किया। पेंशनधारी कल्याण संघ ने नगर पालिका चुनाव में जीत पर बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए नगर पालिका अध्यक्ष शर्मा को बेहतर कार्य करने का आशीर्वाद भी दिया। इस दौरान संघ की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के तारतम्य में विभिन्न क्षेत्रों में सेवा देने वाली पाँच महिलाओं का भी सम्मान किया गया। छत्तीसगढ़ पेंशनधारी कल्याण संघ की ओर से सोमवार 10 मार्च को संघ कार्यालय में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका परिषद भाटापारा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अश्वनी शर्मा को आमंत्रित किया गया था। संघ ने नपा अध्यक्ष शर्मा को नगरीय निकाय चुनाव में विजयश्री प्राप्त करने पर बधाई देते हुए सम्मानित किया। इस आयोजन के लिए नपा अध्यक्ष शर्मा ने संघ का आभार जताते हुए उनसे जनकल्याण में बेहतर कार्य करने के लिए आशीर्वाद माँगा। साथ ही नपा अध्यक्ष शर्मा ने पेंशनधारियों की नगर पालिका से संबंधित किसी भी तरह की समस्या के त्वरित निराकरण का वादा किया। इस कार्यक्रम के दौरान पेंशनधारी कल्याण संघ की ओर से महिला दिवस के उपलक्ष्य में अनेक क्षेत्रों में बेहतर सेवा के लिए रोहिणी मंडावी, राजकुमारी मिरी, उत्तरा वर्मा, निर्मला वर्मा एवं सरोज बाघमार का सम्मान किया गया। संघ की ओर से स्वागत भाषण आर.पी. पटेल ने दिया। कार्यक्रम में नायक, एम. यदु, कमल नारायण यदु, आर. एस. शर्मा एवं आशाराम अनंत विशेष रूप से उपस्थित थे।

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सिल्हाटी में छठवीं व सातवीं के बच्चों ने आठवीं के विद्यार्थियों को दी विदाई

पायनियर संवाददाता ≺ सिल्हाटी
www.dailypioneer.com

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सिल्हाटी के छात्र-छात्राओं के लिए भाव भीनी विदाई समारोह का आयोजन किया गया। वही विदाई समारोह में विद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। सर्वप्रथम अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती के तेलचित्र में विधि विधान से पूजा अर्चना किया गया तत्पश्चात विद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया गया। शिक्षकों के द्वारा बनाए गए गेम के माध्यम से सभी बच्चों को खेल खिलाया गया जैसे जलेबी दौड़, गुब्बारा फुलाने वाला,बिस्किट खाने वाला,गिलास जमाने वाला, चना छिलने जैसे अनेक प्रकार के गेमों का बच्चों ने आनंद उठाया। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि के रूप में समग्र शिक्षा समिति के अध्यक्ष एवं सरपंच सनत साहू ने अपने उद्बोधन में कहा बच्चों कक्षा पांचवी व आठवीं बोर्ड परीक्षा की तैयारी मन लगाकर के करें और गांव का नाम और अपने मां-बाप का नाम रोशन करें, पूर्व सरपंच मुकेश धुर्वे ने संबोधित करते हुए कहा हम जहां भी रहे शिक्षा से उसे क्षेत्र को गौरवांवित करें, सदस्य राजू चंद्रवंशी माध्यमिक शाला से तपेश्वरी अवस्थी ने विदाई को परिभाषित करते हुए कहा की विदाई छोटा सा शब्द है हम आसानी से कह देते हैं विदाई पर इसे समझने के लिए बहुत ही गंभीर होना पड़ता है और कई स्मृति हमारे सामने दिखाई पड़ती है बच्चों खूब मन लगा करके पेपर की तैयारी करें लगभग 15 वर्षों के पश्चात कक्षा पांचवी व आठवीं में इस वर्ष बोर्ड की परीक्षा आयोजित हो रही है आप खूब मन लगाकर लगातार मेहनत कर सफल हो, खैरून निशा, ज्ञान दास कुर्रे, महारानी चंद्रवंशी प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक विष्णु प्रसाद लहरें, पुहुप राम साहू सभी शिक्षक व छात्र-छात्राएं इस विदाई कार्यक्रम में उपस्थित थे।

पुलिस कल्याण पेट्रोल पंप का शुभारंभ अमरेश मिश्रा द्वारा किया गया

पायनियर संवाददाता ≺ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

जिला बलौदाबाजार-भाटापारा स्थित पुलिस कल्याण पेट्रोल पंप का शुभारंभ पुलिस महानिरीक्षक रेंज रायपुर मरेश मिश्रा (भापुसे) द्वारा किया गया। शुभारंभ के अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, कलेक्टर, पुलिस विभाग के सभी राजपत्रित अधिकारी गण, सभी सम्मानित मीडिया के साथीगण एवं रक्षित निरीक्षक उपस्थित थे। पुलिस कल्याण पेट्रोल पंप से पेट्रोल एवं डीजल 24म7 शुद्धता पूर्वक वर्ष के 365 दिन उपलब्ध होंगे। पेट्रोल पंप प्रारम्भ करने हेतु पुलिस मुख्यालय के कल्याण निधि से 55 लाख रुपए लोन के रूप में प्राप्त हुए थे।

वाइज फिनसर्व ने एनटीपीसी रायपुर, सिपाट और भिलाई के कर्मचारियों के लिए वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा दिया

पायनियर संवाददाता ≺ रायपुर
www.dailypioneer.com

वाइज फिनसर्व, जो कि एक अग्रणी प्राइवेट वेल्थ मैनेजमेंट कंपनी है, ने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयु) के कर्मचारियों के बीच वित्तीय साक्षरता को बढ़ाने के अपने मिशन को जारी रखा। कंपनी ने हाल ही में एनटीपीसी रायपुर, एनटीपीसी सिपाट और एनटीपीसी भिलाई के कर्मचारियों के लिए 7 मार्च, 8 मार्च और 10 मार्च को विस्तृत वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम आयोजित किए, जिससे वे बेहतर वित्तीय निर्णय लेने और अपने भविष्य को सुरक्षित करने में सक्षम हो सकें।

यह सत्र एनटीपीसी के अधिकारियों के सहयोग से आयोजित किए गए। एनटीपीसी रायपुर 7 मार्च को इस वित्तीय साक्षरता सत्र का आयोजन उमाकांत एच. गोक्हे, कार्यकारी निदेशक, एनटीपीसी रायपुर द्वारा किया गया, जिन्होंने वाइज फिनसर्व को कर्मचारियों को वित्तीय योजना और निवेश रणनीतियों पर शिक्षित करने के लिए आमंत्रित किया। एनटीपीसी सिपाट 8 मार्च को अशोक कुमार, जीएम, एनटीपीसी सिपाट और अखिल चतुर्वेदी, जीएम, एनटीपीसी सिपाट ने इस सत्र का आयोजन किया, जिससे कर्मचारियों को वेल्थ मैनेजमेंट और रिटायरमेंट प्लानिंग पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। एनटीपीसी भिलाई 10 मार्च को नील कुमार शर्मा, जीएम और बीयूएच, एनटीपीसी भिलाई, और आलोक सिंह, जीएम, एनटीपीसी भिलाई ने इस सत्र का आयोजन किया, जिससे कर्मचारियों को अपने वित्तीय कल्याण को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण जानकारियाँ मिलीं।

बाजार की अंतर्दृष्टि और निवेश रणनीतियाँ–इस सत्र का नेतृत्व वाइज फिनसर्व के सीईओ, अजय यादव और रित्विक सिंह रौतेला, वीपी एवं हेड प्रोडक्ट एंड रिसर्च ने किया। उन्होंने व्यापक वित्तीय योजना की विस्तृत जानकारी दी और बताया कि वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए किसी एकल परिसंपत्ति वर्ग (एसेट क्लास) पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय सही एसेट एलोकेशन (संपत्ति आवंटन) अधिक महत्वपूर्ण है। सत्र की शुरुआत में, उन्होंने हाल ही में इक्विटी बाजार में गिरावट के कारणों पर चर्चा की, जिसमें शामिल सकल घरेलू उत्पाद में मंदी, कमजोर कॉर्पोरेट आय रिपोर्ट, डॉलर की मजबूती, एफआईआई (विदेशी संस्थागत निवेशक) द्वारा लगातार बिकवाली इसके अलावा, सत्र में राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के माध्यम से रिटायरमेंट प्लानिंग के प्रमुख पहलुओं पर भी चर्चा की गई। एनपीएस में एक्टिव चॉइस बनाम ऑटो चॉइस निवेशकों को उनके लाभ और हानि समझाने पर ध्यान दिया गया। एनपीएस में सिस्टमेटिक लंप सम विदड्रॉल सेवानिवृत्त कर्मचारी अपनी मासिक आय बढ़ाने के लिए एसएलडब्ल्यु को सक्रिय करने के तरीके सीख सकते हैं। रिटायरमेंट पोर्टफोलियो बनाना पिरामिड संरचना का दृष्टिकोण वाइज फिनसर्व ने रिटायरमेंट पोर्टफोलियो के निर्माण के लिए पिरामिड संरचना का उपयोग करने की सलाह दी, ताकि स्थिरता और वृद्धि दोनों सुनिश्चित की जा सकें। पिरामिड का आधार सरकारी बॉन्ड, राज्य सरकार बॉन्ड, कंजर्वेटिव डेट पीएमएस, और वार्षिकी उत्पाद जैसी सुरक्षित निवेश योजनाएँ, जो पोर्टफोलियो की मजबूत नींव बनाती हैं। महंगाई समायोजित रिटर्न सुनिश्चित करने के लिए 30% बड़े-कैप इक्विटी में आवंटन, ताकि लंबी अवधि में संपत्ति का सतत विकास हो सके। एक सुव्यवस्थित वित्तीय योजना ही वित्तीय स्वतंत्रता की कुंजी है। किसी एक परिसंपत्ति वर्ग (एसेट क्लास) में रिटर्न का पीछा करने के बजाय, हमें वित्तीय स्थिरता और दीर्घकालिक वृद्धि प्राप्त करने के लिए एसेट एलोकेशन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, अजय यादव, सीईओ, वाइज फिनसर्व। वाइज फिनसर्व एनटीपीसी रायपुर, एनटीपीसी सिपाट और एनटीपीसी भिलाई को उनके कर्मचारियों के बीच वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के प्रयासों में समर्थन देने के लिए हार्दिक धन्यवाद देता है। कंपनी का लक्ष्य पीएसयू कर्मचारियों को सशक्त बनाना और उन्हें बेहतर वित्तीय निर्णय लेने में सक्षम बनाना है।

पत्रकार गोलू कैवर्त श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ जिलाध्यक्ष बनाए गए

पायनियर संवाददाता ≺ लवन
www.dailypioneer.com

कसडोल विधानसभा के तिल्दा निवासी पत्रकार गोलू कैवर्त श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ बलौदाबाजार के जिलाध्यक्ष बनाए गए हैं। गोलू कैवर्त को जिला अध्यक्ष बनाए जाने की अनुशंसा प्रदेश अध्यक्ष आसिफ इकबाल, प्रदेश महासचिव बीडी निजामी ने किये हैं। गोलू कैवर्त के जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर बलौदाबाजार जिला के पत्रकारों में जबरदस्त हर्ष का माहौल है। आपको बताते चलें कि पत्रकार गोलू कैवर्त विगत 15-16 वर्षों से पत्रकारिता जगत में निष्पक्ष निडरता के साथ पत्रकारिता का काम करते हुए जनहित के मुद्दों को उठाते हुए आ रहे हैं। उनके इन्हीं उपलब्धियो को देखते हुए शिर्ष संगठन ने यह दायित्व सौंपा है। गोलू कैवर्त के जिलाध्यक्ष बनने से जंहा पत्रकारों में खुशी की लहर है वहीं जनप्रतिनिधियों, सामाजिक लोगों सहित आम जनता में खुशी की लहर है। लोगों ने इस उपलब्धि पर गोलू कैवर्त को बधाई शुभकामनाएं दिये हैं। हर्ष व्यक्त करने वाले लोगों में पत्रकारों में रूपेश जोशी, योगेश सिंघम, विनोद पटेल, प्रमोद पटेल, संजय जांगड़े, धनकुमार औधेलिया, मुरारी साहू, विजय साहू, ऋषि शुक्ला, अब्दुल रज्जाक, धनीराम साहू, सुरेंद्र बघेल, अशोक टंडन, समेश्वर कसमलवंशी, हेमंत साहू, साहेब लाल साहू, केशव साहू, केशव सेन, प्रेम राव मराठा, पदमेश्वरी पैकरा, उषा साहू, कविता राजपूत, कीर्ति शर्मा, लखेश्वरी साहू सहित जनप्रतिनिधियों में गौरीशंकर अग्रवाल पूर्व विधानसभा अध्यक्ष, कसडोल विधायक संदीप साहू, राजकमल सिंघानिया पूर्व विधायक कसडोल, शिवमंगल सिंह चौहान नगर पंचायत अध्यक्ष लवन, नागेश्वर साहू नगर पंचायत अध्यक्ष कसडोल, पवन साहू जिला पंचायत उपाध्यक्ष बलौदाबाजार, नवीन मिश्रा पूर्व जिला पंचायत सभापति बलौदाबाजार, संजय बाजपेयी भाजपा नेता लवन, बुधराम साहू भाजपा नेता लवन, अजय ताम्रकार कांग्रेस नेता लवन सहित क्षेत्र के लोगों ने बधाई शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना किये।

बिना कतार में लगे ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन से निकालें जनरल (अनारक्षित) टिकट

रायपुर रेल मंडल के 11 स्टेशनों में 19 ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन की सुविधा

- **एटीवीएम व यूटीएस मोबाइल ऐप का करें प्रयोग पाएँ डिजिटल/कैशलेस लेनदेन के साथ लाइन में लगने तथा चिल्हर की समस्या से मुक्ति**

पायनियर संवाददाता ≺ रायपुर
www.dailypioneer.com

डिजिटल टिकटिंग मोड को प्रोत्साहित करने, सेल्फ टिकटिंग को बढ़ावा देने तथा यात्री कतारों की परेशानी का सामना किए बिना टिकट खरीद सकें, इसी उद्देश्य से से रेलवे प्रशासन द्वारा स्टेशनों में ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम), यूटीएस मोबाइल ऐप की सुविधा प्रदान की गई है। साथ ही क्यूआर कोड और यूपीआई आईडी के माध्यम से डिजिटल भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इसी संदर्भ में रायपुर मंडल के 11 प्रमुख स्टेशनों पर 19 एटीवीएम स्थापित किया गया है। जिसमें रायपुर- 06, दुर्ग - 02, भिलाई पावर हाउस - 02, भाटापारा- 02, तिल्दा नेवरा - 01, हथबंद - 01, बिल्हा -01, दाधापारा -01, भिलाई - 01, कुम्हारी - 01, दल्लीराझरा - 01एटीवीएम की सुविधा शामिल है। ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन एटीवीएम व यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप से अनारक्षित टिकट डिजिटल भुगतान को बढ़ावा में ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन और यूटीएस मोबाइल ऐप के माध्यम से यात्री बिना कतार में लगे जनरल (अनारक्षित) टिकट प्राप्त कर सकते हैं। डिजिटल भुगतानः यात्रियों को क्यूआर कोड और आर-वालेट के माध्यम से टिकट के भुगतान की सुविधा मिल रही है। खास बात यह है कि आर-वालेट से भुगतान करने पर तीन प्रतिशत का अतिरिक्त बोनस भी मिलता है। यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप के माध्यम से भी यात्री घर बैठे किसी भी स्टेशन का टिकट बुक कर सकते हैं और अपनी यात्रा को सुविधाजनक बना सकते हैं। इस पहल से यात्रियों को चिल्हर की समस्या, नकद लेन-देन की परेशानी से मुक्ति के साथ चिल्हर नहीं होने की स्थिति में ओवर चार्जिंग जैसी शिकायतों का समाधान मिल रहा है। डिजिटल भुगतान से अनियमितताओं से बचा जा सकता है। काउंटर पर खड़े रहने की आवश्यकता नहीं, जिससे यात्री अपना समय बचा सकते हैं। क्यूआर कोड, आर-वालेट और मोबाइल ऐप के जरिए डिजिटल भुगतान करना आसान और सुरक्षित है।

टिकटिंग में यात्रियों की सहायता- एटीवीएम व यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप का यात्रियों द्वारा व्यापक प्रयोग हेतु वरि.मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी के मार्गदर्शन में वाणिज्य विभाग के पर्यवेक्षकों व कर्मचारियों की टीमों द्वारा निरंतर प्रयास किया जा रहा है। एटीवीएम से टिकट प्रदान करने के लिए फेसिलिटेटर की नियुक्ति भी की गई है। साथ ही टिकट काउंटर में बैठे कर्मचारियों द्वारा भी हर संभव सहायता की जा रही है, यात्रियों को ऑन लाइन भुगतान के साथ ही एटीवीएम तथा घर बैठे यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप माध्यम से टिकट लेने के प्रक्रियाओं, इससे होने वाली फायदों की जानकारी दी जा रही है जिससे यात्रीगण इस सुविधा का सरलता के साथ उपयोग कर इसका लाभ उठा सकें। इसके साथ ही रायपुर स्टेशन सहित मंडल के विभिन्न स्टेशनों में हेल्प-डेस्क का प्रावधान किया गया है जहां टिकट चेकिंग व बुकिंग स्टाफ द्वारा यात्रियों को एटीवीएम व यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप के बारे में विस्तृत जानकारी दी जा रही है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी बताया कि एटीवीएम व यूटीएस ऑन मोबाइल एप से यात्रियों को बिना लाइन लगे त्वरित टिकट मिलने के साथ ही आसान डिजिटल भुगतान की सुविधा तो मिल ही रही है साथ ही चेंज/ खुल्ले पैसे आदि की दिक्कतों से भी राहत मिल रही है। सभी यात्रियों से आग्रह है कि एटीवीएम एवं यूटीएस ऑन मोबाइल एप से जनरल (अनारक्षित) टिकट बनाने की इस सुविधा का लाभ उठायें और अपनी यात्रा को सुगम बनायें।

त्यौहार को लेकर पुलिस अलर्ट, शांति समिति की बैठक में की अपील

रायपुर। रंगों के पर्व होली 13 मार्च 2025 को होली पर्व मनाया जायेगा एवं दिनॉक 14 मार्च 2025 को रंग गुलाल का पर्व "होली" (धुलेंडी) मनाया जाना है। होली त्यौहार के अवसर पर शांति समिति डोंगरगढ़ एवं पुलिस प्रशासन डोंगरगढ़ आप सब को हार्दिक शुभकामनाएॅ देती है। त्योहार को लेकर पुलिस ने 13,14,15/03/2025 को हिन्दु सम्प्रदाय का रंगों के पर्व भाईचारें, सद्भाव, प्रेम, व शांति के रंगों व उत्साह रूपी गुलाल के साथ हमारी सांस्कृतिक धरोहर होली का पर्व आप सभी समान रूप से मना सके इन्ही मंगल कामनाओं के साथ आप से होली के पावन पर्व को सफल बनाने निम्न अपील करते है।

कार्यालय नगर पंचायत डौण्डीलोहारा, जिला-बालोद (छ.ग.)

क्रमांक/732/लो.नि.व./न.प./2024-25 डौण्डीलोहारा दिनांक : 12/03/2025

// मैनुअल पद्धति द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना //

नगर पंचायत डौण्डीलोहारा निकाय क्षेत्रांतर्गत 15 वें वित्त आयोग टाईड ग्राण्ट पेयजल प्रबंधन एवं वार्षिक जोनल कार्य हेतु एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार/फर्म से PHE SOR 01.06.2020 एवं Building SOR 01-01-2015 से प्रभावशील निविदा प्रपत्र (ए) में वर्तमान संशोधन से समान/कम/अधिक प्रतिशत/एस.ओ.आर. दर पर मुहरबंद लिफाफा पद्धति से पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट द्वारा अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैः-

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय - 28/03/2025 समय 3.00 बजे तक
2. परीक्षण पश्चात् निविदा प्रपत्र जारी करने का दिनांक व समय - 01/04/2025 समय 4.00 बजे तक
3. स्पीड पोस्ट/पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में निविदा प्राप्त होने का दिनांक - 08/04/2025 समय 3.00 बजे तक
4. निविदा खुलने का दिनांक व समय - 08/04/2025 समय 4.00 बजे

उपरोक्तानुसार कार्य की निविदा से संबंधित सामान्य शर्ते धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी कार्यालय नगर पंचायत डौण्डीलोहारा के नोटिस बोर्ड पर एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की वेबसाईट में www.uad.cg.gov.in देखा जा सकता है।

शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में सहयोग प्रदान करें एवं समय पर कर अदा करें।

"स्वच्छ नगर, स्वच्छ डौण्डीलोहारा सम्पूर्ण कर समय पर अदा करें"

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत डौण्डीलोहारा
जिला-बालोद (छ.ग.)

कलेक्टर ने समूह की महिलाओं से चर्चा की, तैयार उत्पादों को बड़े बाजारों में बेचने की व्यवस्था करने अधिकारियों को दिये निर्देश

पायनियर संवाददाता धमतरी
www.dailypioneer.com

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने अपने नगरी प्रवास के दौरान दुगली स्थित लघु वनोपज प्रसंस्करण एवं प्रशिक्षण केन्द्र का अवलोकन किया। उन्होंने केन्द्र में सचांलित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि प्रसंस्करण केन्द्र में सीजी हर्बल के लिए उत्पाद तैयार करने और उन्हें पैक करने का काम किया जाता है। इसके साथ ही तिखुर और शहद आदि भी एकत्रित किया जाता है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि भारत सरकार, आदिवासी विकास विभाग द्वारा वर्ष 2021 में वनधन विकास केन्द्र दुगली को प्रदेश में अधिक वनोपज संग्रहण के लिए अवार्ड भी दिया गया है। केन्द्र में दो महिला समूह जागृति स्व सहायता समूह और बम्लेश्वरी स्व सहायता समूह कार्यरत है। कलेक्टर मिश्रा ने केन्द्र में दोना.पत्तल निर्माण इकाई का भी अवलोकन किया। साथ ही समूह की महिलाओं से चर्चा करते हुए केन्द्र में कार्यरत महिलाओं की संख्या, उनके द्वारा तैयार दोना.पत्तल विक्रय और इससे मिलने वाली आय के बारे में जानकारी ली। महिलाओं ने बताया कि वे स्व सहायता समूह की महिलाएं हैं और आसपास के गांवों से काम करने आती हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि हर माह उन्हें लगभग 6 से 7 हजार रूपये की आय हो जाती है। कलेक्टर मिश्रा ने इन महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों को बड़े बाजारां में बेचने के लिए पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। बता दें कि वनधन विकास केन्द्र दुगली में कुल 22 प्रकार की सामग्रियां तैयार की जातीं हैं। इनमें एलोवेरा जूस, साबून, बॉडीवॉश, शैम्पू, जैल, मॉस्चराईजर, हेयर कंडीशनर के साथ ही आंवला कैंण्डी, आंवला जूस, आंवला चूर्ण, बेहड़ा पावडर, त्रिफला चूर्ण, शतावर चूर्ण, अश्वगंधा चूर्ण, अर्जुन चूर्ण, जामुन गुठली चूर्ण, कालमेघ चूर्ण, तिखुर पावडर, बैचांदी चिप्स, माहुल पत्ता, शीशल रस्सी और शहद निर्मित किया जाता है। इनमें से 15 प्रकार की औषधि एवं खाद्य सामग्री का निर्माण शामिल है, जिसका आयुष एवं खाद्य विभाग से लायसेंस भी मिला है। यहां वर्ष 2023 से एलोवेरा का उत्पाद साबून, शैम्पू, मॉस्चराईजर, बॉडीवॉश आदि तैयार किया जा रहा है, जिसका ड्रग एवं कॉस्मेटिक विभाग से लायसेंस मिला है। प्रदेश में एकमात्र वनधन विकास केन्द्र दुगली है।

जिसमें एलोवेरा का प्रीमियम प्रोडक्ट तैयार किया जाता है। इसके अतिरिक्त यहां का तिखूर अच्छी गुणवत्ता का तैयार किया जाता है।

समूह की महिलाओं ने कलेक्ट्रेट में लगाए हर्बल गुलाल का स्टॉल

- नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष ने हर्बल गुलाल खरीदकर प्राकृतिक उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने किया प्रोत्साहित

पायनियर संवाददाता बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

जिले की स्व सहायता समूह की महिलाएं हर्बल गुलाल का निर्माण कर अपना अलग पहचान बना रही हैं।समूह द्वारा निर्मित हर्बल गुलाल की लोगों मे अच्छी मांग है। इसी कड़ी मे विकासखंड पलारी के ग्राम पंचायत धमनी की राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) की जय मां वैष्णवी स्व सहायता समूह द्वारा संयुक्त जिला कार्यालय के रिसेप्शन काउंटर के पास स्टॉल लागए। नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल एवं जनपद पंचायत अध्यक्ष सुलोचना यादव ने स्टॉल का अवलोकन किया और हर्बल गुलाल खरीदकर प्राकृतिक उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने प्रोत्साहित किया। उन्होने समूह की महिलाओं से हर्बल गुलाल निर्माण एवं बिक्री के बारे मे पूछ ताछ की और होली की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। पीआरपी रूखमणि कुर्रे, समूह की सदस्य जमुना ध्रुव, पुष्पा चेलक एवं सत्या कुर्रे ने बताया कि उन्होंने कलेक्टर दीपक सोनी से मुलाक़ात कर हर्बल गुलाल निर्माण की जानकारी दी है। कलेक्टर ने एनआरएलएम के माध्यम से समूह की महिलाओं के स्वावलम्बन एवं आर्थिक सशक्तिकरण हेतु अधिकारियों को जरुरी निर्देश दिये हैं। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा निर्मित हर्बल गुलाल 500 ग्राम एवं 1 किलोग्राम के पैकेट मे उपलब्ध है जिसका मूल्य क्रमशः 50 रुपये एवं 100 रुपये है। उन्होंने बताया कि जिला पंचायत कार्यालय मे भी मंगलवार को स्टॉल लगाया गया था। इस दौरान पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष चित्तावर जायसवाल सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि साथ थे।

महिला दिवस अवसर पर अधिकारियों का किया गया सम्मान

पायनियर संवाददाता धमतरी
www.dailypioneer.com

नारी शक्ति के लिए प्रेरणाश्रोत कलेक्टर नम्रता गांधी, रीता यादव आईएएस एडिशनल कलेक्टर, इंदिरा नवीन सिंह अपर कलेक्टर, नगर पालिका निगम कमिश्नर प्रिया गोयल, डिप्टी कलेक्टर बी एक्का, शोभा ठाकुर डीएसपी अग्निशमन सेवा से ऑल इंडिया लीनेस क्लब अध्यक्ष जानकी गुप्ता, कल्पवृक्ष संरक्षक सूर्या लुंकड, प्रभा श्रीवास्तव, पूजा रामरच्छनी ने मुलाकात कर महिला दिवस की शुभकामना दी तथा धमतरी पुलिस अधीक्षक अंजनेय वार्ष्णेय, डीएसपी भावेश साव को धमतरी जिले में सुरक्षित वातावरण देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित कर, सरल, सहज एवं निर्भीक, जुझारू महापौर रामू रोहरा को पदभार ग्रहण की शुभकामनाओं के साथ सार्वजनिक स्थानों पर महिला सुरक्षा के विषय में चर्चा की। नव पदस्थ कलेक्ट अविनाश मिश्रा को पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत अभिनंदन महिला शक्ति द्वारा किया गया।

कलेक्टर ने की समिति स्तर पर धान उठाव की समीक्षा की

छेरकापुर समिति प्रबंधक को हटाने के निर्देश

पायनियर संवाददाता बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

कलेक्टर दीपक सोनी ने समिति प्रबंधको की ऑनलाइन बैठक लेकर समिति स्तर पर धान उठाव की समीक्षा की। उन्होंने उपार्जन केंद्रों में शेष धान का शीघ्र उठाव कराते हुए 25 मार्च 2025 तक पूर्ण कराने के निर्देश दिये। इसके साथ ही धान उठाव में रूचि नहीं लेने वाले मिलर्स क़ा डीओ निरस्त करने के भी निर्देश दिये। इस दौरान धान उठाव में लापरवाही बरतने पर छेरकापुर के प्रभारी समिति प्रबंधक सेवक राम साहु को हटाने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि धान उठाव के लिए समिति, मिलर्स और ट्रांसपोर्टर की संयुक्त जिम्मेदारी हैं। मिलर्स, ट्रांसपोर्टर या हमाल से सम्बंधित कोई समस्या हो तो जिला स्तरीय अधिकारियों को तत्काल सूचित करें।समिति प्रबंधको को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि किसी भी समिति में धान का शॉर्टेज होने पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उन्होंने ज्यादा धान शेष उपार्जन केंद्र तेलासी, कोसमंदा, छेरकापुर, भवानीपुर बिटकुली निपनिया, रोहांसी, भटभेरा, मनोहरा, कोसमंदी के समिति प्रबंधोंको को धान उठाव में तेजी लाने मिलर्स से निरंतर संपर्क करने तथा हमाल या बारदाने की समस्या होने पर सम्बंधित मिलर्स एवं जिला अधिकारियों से समन्वय करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने समितियो का ई पैक्स एवं वित्तय वर्ष समाप्ति पर आवश्यक प्रविष्टि पूर्ण करने कहा। बताया गया कि खरीफ विपणन वर्ष 2024 -25 में जिले के 129 उपार्जन केंद्र के माध्यम से समर्थन मूल्य में लगभग 8 लाख 55 हजार मेट्रिक टन धान खरीदी हुई है।

अब तक 97 प्रतिशत धान का उठाव कर लिया गया है। धान उठाव मे रूचि नहीं लेने वाले 8 मिलरों का डीओ निरस्त किया गया है। बैठक के दौरान संपर्क केंद्र में जिला पंजीयक सहकारिता एस. के. पाण्डेय, खाद्य अधिकारी विजय किरण, जिला साहकरी केंद्रीय बैंक के नोडल ज़ी एन साहु सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

यूनाइटिंग द नेशन ऑन व्हील्स के पोस्टर का हुआ विमोचन

पायनियर संवाददाता बेमेतरा
www.dailypioneer.com

देश में ऐसे तो बहुत से उद्देश्यों को लेकर मैराथन होते रहते है, यह पहली बार है जब छत्तीसगढ़ में रन फॉर सनातन का आयोजन हो रहा है, प्रदेश के सभी जिलों में एक ही समय से दौड़ प्रारंभ कर विश्व कीर्तिमान में दर्ज होने का यह अभियान वस्तुतः सनातन के प्रति आस्था की दौड़ होगी,पोस्टर विमोचन के कार्यक्रम में भाग लेते हुए उक्त बातें रन फॉर सनातन के संयोजक डॉ सौरभ निर्वाणी ने कही उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को छत्तीसगढ़ सरकार के संस्कृति विभाग, धर्म स्तंभ, वन सी मीडिया, एक्सेल एस्थेटिक्स के सहयोग से किया जाना है। पोस्टर विमोचन का आयोजन मुंबई में के समारोह में देश के अलग अलग राज्यों से आए अतिथियों के बीच हुआ, दीप प्रज्वलन लैटिन अमेरिका से आई मायरा, डॉ राजू वाघमारे, के एस आर मूर्ति, वामसी आंदुकुरी, सुरेश जगवानी, मराठी फिल्मों में बाला साहब ठाकरे के अभिनय से प्रख्यात मकरंद पाधे ने किया, डॉ सौरभ निर्वाणी ने यह भी बताया कि रन फॉर सनातन ऐतिहासिक दौड़ है जो सनातन संस्कृति और पर्यावरण जागरूकता को समर्पित है,इस आयोजन का उद्देश्य सनातन संस्कृति के गौरव को पुनर्स्थापित करना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरण करना है, धर्म स्तंभ के प्रवक्ता के एस आर मूर्ति ने कहा कि हम सभी सनातन प्रेमियों, पर्यावरण संरक्षकों और राष्ट्रभक्तों से अपील करते हैं कि इस ऐतिहासिक मैराथन का हिस्सा बनें।

कलेक्टर ने जिला अस्पताल पहुंचकर भर्ती किसान के स्वास्थ्य का लिया जायजा

चिकित्सकों को दिये बेहतर इलाज के निर्देश

पायनियर संवाददाता बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

कलेक्टर दीपक सोनी ने तहसील सुहेला मे घटित घटना के कारण जिला अस्पताल बलौदा बाजार मे ईलाज हेतु भर्ती किसान हीरालाल साहु से मिलने पहुंचे। उन्होंने किसान एवं उनके परिजनों से मिलकर स्वास्थ्य की जानकारी ली। कलेक्टर ने हीरालाल की बेहतर ईलाज सुनिश्चित करने उपस्थित चिकत्सकों को निर्देशित किया। कलेक्टर सोनी ने बताया कि घटना के सम्बन्ध मे जांच कर तथ्यात्मक जानकारी प्रस्तुत करने के लिए एसडीएम सिमगा को आदेशित किया गया है।

जारी आदेश मे कहा गया है कि अतिशीघ्र जांच कर तथ्यात्मक जानकारी प्रस्तुत किया जाए।

कुरूद में होली की तैयारी में सजा बाजार मोहक मनभावन वस्तुएं कर रही आकर्षित

पायनियर संवाददाता कुरूद/धमतरी
www.dailypioneer.com

रंगों के महापर्व होली की उमंग शुरू हो चुकी है। चारों तरह इसका उल्लास देखा जा रहा है। कुरूद बाजार में पर्व के पूर्व विभिन्न आकर्षक वस्तुओं से बाजार सज.धजकर तैयार है। इस बार एक से बढ़कर एक पिचकारी ए रंग .गुलाल एमुखौटा ए बाली सहित मन को भाने वाली वस्तुएं लोगों का ध्यान खींच रही है।

इसी तरह इस उत्सव को आकर्षक बनाने नंगाड़े सहित अन्य वस्तुएं मन को भा रही है। रंगो का यह उत्सव मनाया जाएगा। वहीं होलिका दहन गुरुवार की रात्रि को होगा। इस बीच विभिन्न स्थानों पर फाग गीतों का उल्लास छाया हुआ है।इसी तरह नगर में फाग मंडली घूम-घूम कर नृत्य कर परंपरा का निर्वहन कर रही है। इसके साथ ही नगर के विभिन्न वार्डों में होलिका दहन को लेकर तैयारी जारी है।इस तरह पूरे उत्साह के साथ लोग रंगों के इस महाउत्सव का इंतजार कर इसकी खुशियों में चार चांद लगाने को तैयार है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं का किया गया सम्मान

पायनियर संवाददाता बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा गोलू जायसवाल ने बलौदा बाजार जिला एवं प्रदेश की सभी महिलाओं को अपनी ओर से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं उन्होंने कहा की यह दिवस महिलाओं की उपलब्धियो का सम्मान करने उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और महिला पुरुष समानता को बढ़ावा देने को समर्पित करने का अवसर है इस अवसर पर उनके जिला पंचायत क्षेत्र ग्राम सोनाडीह में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन भी किया गया इस आयोजन में विजय शक्ति महिला उत्थान समिति के द्वारा महिलाओं का सम्मान किया गया इस सम्मान कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा गोलू जयसवाल को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था लेकिन आवश्यक कार्य से रायपुर प्रवास होने के कारण वह इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाई लेकिन उनकी अनुपस्थिति में उन्होंने कार्यक्रम की बागडोर भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं विजिया शक्ति महिला उत्थान समिति की अध्यक्ष नीलम सोनी एवं भाजपा जिला मंत्री सुनीता वर्मा के द्वारा महिलाओं का सम्मान किया गया इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष नीलम सोनी एवं जिला मंत्री सुनीता वर्मा के द्वारा बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं को साल श्रीफल बुके भेंट कर महिला दिवस की हार्दिक बधाई दि गई इस अवसर पर एनजीओ की अध्यक्ष नीलम सोनी ने अपने संबोधन में कहा कि आज नारी सिर्फ घर की ही नहीं बल्कि देश की शान भी बन रही हैं और लगभग हर क्षेत्र में महिलाओं की उपलब्धियां बढ़ती ही जा रही है उनकी नई उपलब्धियां को और अधिक सशक्त बनाने और नारी का महत्व सेलिब्रेट के लिए विश्व 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाता आ रहा है इस अवसर पर उपस्थित भाजपा जिला मंत्री सुनीता वर्मा ने कहा हर सफलता के पीछे एक नारी की ताकत होती है नारी नमन नारी सम्मान यही है असली पहचान नारी घर की रौनक है दुनिया की रोशनी है हौसले की उड़ान है। इसीलिए नारी सम्मान और बधाई की हकदार है जहां नारी को सम्मान मिलेगा वहां समाज आगे बढ़ेगा महिलाओं की हंसी सशक्त समाज की निशानी है शक्ति प्रेम और करुणा का संगम है नारी नारी एक शक्ति एक प्रेरणा एक उम्मीद है नारी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाओं के साथ वहां उपस्थित सभी महिलाओं का फूल कुछ श्रीफल साल मिठाई देकर सभी का सम्मान किया गया इस अवसर पर भाजपा के नेता विजय केसरवानी भाजपा के जिला उपाध्यक्ष नरेश केसरवानी भाजपा नेता गणेश प्रसाद जायसवाल वरिष्ठ भाजपा नेता लतेल पाल गोवर्धन पाल शिव वर्मा संजय श्रीवास सहित बड़ी संख्या में गांव के लोग व बड़ी संख्या में महिलाएं इस कार्यक्रम का हिस्सा बनी।

समाज की सामाजिक, सांस्कृतिक धरोहरों की जानकारी मिलेगी

कमार समाज भवन नॉलेज सेंटर के रूप में विकसित होगा

पायनियर संवाददाता धमतरी
www.dailypioneer.com

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा नगरी में नवनिर्मित कमार समाज भवन पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कमार समाज के प्रमुखों से चर्चा की और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने एवं उनके जीवन में बदलाव लाने की बात कही।

कलेक्टर मिश्रा ने कमार समाज भवन को नॉलेज सेंटर के अनुरूप विकसित करने को कहा। उन्होंने कहा कि इस भवन में कमार समाज के लोगों की सामाजिक, सांस्कृतिक पहचानों से लेकर उनके जीवन आधारित उपयोग की जाने वाली सामग्री, देवी.देवता, वेशभूषा, औजार, निर्मित सामग्री आदि को केन्द्रीत करते हुए चित्रों और भौतिक सामग्रियों को रखा जायेगा, ताकि अन्य लोगों को भी इस समाज की विस्तृत सांस्कृतिक विरासत, जीवन शैली, खान.पान की जानकारी मिल सके। इसके साथ ही कलेक्टर ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिये कि भवन में कमार जनजाति के लोगों के लिए एक कॉल सेंटर की भी व्यवस्था की जाये, ताकि यहां से उन्हें शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं. कार्यक्रमों सहित अन्य महत्वपूर्ण जानकारी मिल सके और उन्हें उसका लाभ लेने के लिए भी प्रशासकीय मदद मिल सके। कलेक्टर श्री मिश्रा से चर्चा करते हुए कमार समाज के ब्रांड एम्बेसेडर सरोज नेताम ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा पहले हमारा समाज पिछड़ा हुआ था, जहां शासन की योजनाएं नहीं पहुंच पाती थी। लेकिन इन दिनों शासन.प्रशासन द्वारा जो सुविधायें उपलब्ध करायी जा रही है।

इसके लिए जिला प्रशासन का काम सराहनीय है।

हमारे लिए आवश्यक दस्तावेज, झोपड़ी की जगह पक्का मकान, बच्चों को शिक्षा से जोड़ने, बरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने, गांव से शहर तक जाने हेतु सड़क, बेहतर स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्ध करायी जा रही है। उन्होंने बताया कि हॉल ही उसे देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित जनमन के कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ था, जहां उसने अपने समाज के जीवनशैली और जनमन योजना से जुड़ने के बाद आये बदलाव को इतने बड़े मंच में रखा। इस अवसर पर कमार समाज के गजेसिंह मरकाम, रतनू कमार, बिसम्बर सोरी, हरेलाल कमार, सोधे लाल कमार और बजरंगी कमार ने बताया कि जिला प्रशासन के पहल से हम कमार वर्ग को शासन की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। हमें शिक्षा, सड़क, पक्का मकान, बिजली, स्वास्थ्य आदि मूलभूत सुविधाओं से जोड़ा जा रहा है। प्रधानमंत्री जनमन योजना से हमारे जिला प्रशासन के पहल से हम कमार वर्ग को शासन की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इसके लिए उन्होंने जिला प्रशासन और शासन का धन्यवाद किया।

धमतरी को मिली फिर बड़ी सौगात, करोड़ों की राशि स्वीकृत

धमतरी। जगदीश रामू रोहरा के महापौर निर्वाचित होने के बाद धमतरी नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत विकास की गाड़ी तेजी से चल पड़ी है। इसी कड़ी में हाईटेक बस स्टैंड और ऑडिटोरियम निर्माण के लिए भी करोड़ों की राशि स्वीकृत हुई है। श्री रोहरा ने प्रतिनिधि से चर्चा में बताया कि आने वाले समय में नगर निगम क्षेत्र विकास कार्यों के लिए राशि की कोई कमी नहीं होगी। धमतरी शहर की सालों पुरानी मांग नगर उत्थान योजना अंतर्गत हाईटेक बस स्टैंड और ऑडिटोरियम निर्माण कार्य की 24 करोड़ की स्वीकृत दिलाई जिले को मिलने पर रोहरा ने मुख्यमंत्री विष्णु साय एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव को धन्यवाद दिया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल से जोरा नाला कंट्रोल स्ट्रक्चर से इंद्रावती नदी में जल प्रवाह सुनिश्चित

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर जोरा नाला कंट्रोल स्ट्रक्चर में जल प्रवाह को नियंत्रित कर इंद्रावती नदी की मुख्य धारा में पानी छोड़ा गया है। ओडिशा सरकार की सहमति के बाद स्ट्रक्चर में रेत की बोरियां डालकर पानी का प्रवाह सुनिश्चित किया गया, जिससे इंद्रावती नदी में जल स्तर में वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री साय के निर्देश पर जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल से इंद्रावती नदी के जल संकट के समाधान हेतु चर्चा की। इस पर केंद्रीय मंत्री ने छत्तीसगढ़ एवं

ओडिशा के मुख्यमंत्रियों को समस्या के निराकरण हेतु आवश्यक निर्देश दिए। जिसके परिणामस्वरूप उड़ीसा राज्य की सहमति से जोरा नाला कंट्रोल स्ट्रक्चर को अस्थायी रूप से एक फीट ऊंचा किया गया, जिससे इंद्रावती नदी के जल प्रवाह में सुधार हुआ। इसके अतिरिक्त, इंद्रावती नदी के अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम में जमा रेत को हटाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, जिसे अप्रैल के पहले सप्ताह तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस संबंध में कलेक्टर हरिस एस के मार्गदर्शन में अपर कलेक्टर सी.पी. बघेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश्वर नाग और जल संसाधन विभाग के ईई वेद पांडेय ने स्थानीय किसानों को जिला कार्यालय के प्रेरणा सभा कक्ष में पूरी जानकारी दी।

इंद्रावती नदी और जोरा नाला की समस्या

इंद्रावती नदी का उद्गम ओडिशा राज्य के कालाहांडी जिले के रामपुर धुमाल गांव से हुआ है। यह नदी 534 किलोमीटर की यात्रा के बाद गोदावरी नदी में मिलती है। नदी का कैचमेंट एरिया 41,665 वर्ग किलोमीटर है, जिसमें ओडिशा में 7,435 वर्ग किमी, छत्तीसगढ़ में 33,735 वर्ग किमी और महाराष्ट्र में 495 वर्ग किमी शामिल हैं। ओडिशा राज्य की सीमा पर ग्राम सूतपदर में इंद्रावती नदी दो भागों में बंट जाती है। एक भाग इंद्रावती नदी के रूप में 5 किमी बहकर ग्राम भेजापदर के पास छत्तीसगढ़ में प्रवेश करता है, जबकि दूसरा भाग जोरा नाला के रूप में 12 किमी बहते हुए शबरी (कोलाब) नदी में मिल जाता है। पहले जोरा नाला का पानी इंद्रावती में आता था, लेकिन धीरे-धीरे इसका बहाव बढ़ने से इंद्रावती का जल प्रवाह कम हो गया। समस्या गंभीर होने पर दिसंबर 2003 में ओडिशा और छत्तीसगढ़ के प्रमुख अभियंताओं की बैठक में जोरा नाला के मुहाने पर जल विभाजन के लिए कंट्रोल स्ट्रक्चर बनाने का निर्णय लिया गया। यह स्ट्रक्चर ओडिशा सरकार द्वारा बनाया गया, जिसकी डिज़ाइन केंद्रीय जल आयोग ने तैयार की। निर्माण के बाद भी जोरा नाला में अधिक पानी जाने से छत्तीसगढ़ को ग्रीष्म ऋतु में औसतन 40.71 और ओडिशा को 59.29% जल प्रवाह मिला।

राज्य सरकार की पहल से समाधान की दिशा में प्रगति

इंद्रावती नदी में न्यूनतम जल प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने कई प्रयास किए। 6 जनवरी 2021 को ओडिशा और छत्तीसगढ़ के जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने संयुक्त निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में कंट्रोल स्ट्रक्चर के अपस्ट्रीम में जलभराव रोकने के लिए रेत और बोल्डर हटाने तथा जोरा नाला के घुमाव को सीधा करने का अनुरोध किया गया। वर्ष 2018 के बाद इंद्रावती नदी में सतत जल प्रवाह कम होने की समस्या बनी हुई थी। अब राज्य सरकार के प्रयासों से ओडिशा सरकार का सहयोग प्राप्त हुआ है, जिससे नदी के जल प्रवाह को संतुलित करने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इससे इंद्रावती नदी में जल प्रवाह बढ़ेगा और किसानों को सिंचाई के लिए पानी की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

रंगों का त्यौहार है होली, खुशियों का उपहार है होली,
प्रेम और भाईचारे का संदेश लाती होली...

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक भोजराम पटेल द्वारा आसमा पब्लिसर्स इण्डिया प्रायवेट लिमिटेड पीएनबी के सामने जयस्तंभ चौक रायपुर, छत्तीसगढ़ से मुद्रित तथा श्री बालाजी हॉस्पिटल कैम्पस (मोवा) रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 से प्रकाशित संपादक-अच्युतानन्द द्विवेदी*
समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, डाक पंजीयन नं. छ.ग./रायपुर संभाग/97/2024-26, दूरभाष नंबर 0771-2972403